महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238

dainikmalwaherald@yahoo.com

malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

सुविचार

कुछ रिश्तों को मुलाकात की जरूरत नहीं पड़ती, बस याद करते ही चेहरे पर खुशी छा जाती है...

वर्ष : 16 अंक : 351 | उज्जैन, मंगलवार 02 जून 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

जल संरक्षण में मध्यप्रदेश के अग्रणी होने का श्रेय प्रधानमंत्री श्री मोदी के दर्शन और मार्गदर्शन को है : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भविष्य की जरूरतों के अनुसार दी गई अंतर्राज्यीय परियोजनाओं को मंजूरी

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दर्शन और मार्गदर्शन के कारण मध्यप्रदेश जल संरक्षण और जल संचयन के कार्यों में देश में अग्रणी है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जल संरक्षण में किये जा रहे अच्छे कार्य के लिए प्रोत्साहित किया है। उन्होंने राज्यों को अंतर्राज्यीय नदी जोड़ो परियोजनाओं के बलबूते भविष्य की आवश्कताओं का अनुमान लगाते हुए आवश्यक जल के प्रबंध के लिए भी सजग बनाया है। मध्यप्रदेश, केन-बेतवा और पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजनाओं के लिए दी गई मंजूरी से वृहद स्तर पर लाभान्वित होगा। मध्यप्रदेश इस वर्ष गुड़ी पड़वा से ही प्रारंभ जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से लगभग साढ़े तीन लाख कुओं बावड़ियों, पोखरों, जलाशयों और अन्य जलसंरचनाओं को उपयोगी बनाने के महत्वपूर्ण कार्य में लगा है। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी से श्रेष्ठ परिणाम प्राप्त किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार की शाम भारत भवन के बहिरंग में 27 मई से 2 जून तक आयोजित सदानीरा जल गंगा संवर्धन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जल संरक्षण से संबंधित विभिन्न प्रदर्शनियों का अवलोकन भी किया। मेपकास्ट (मध्यप्रदेश विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद) के सहयोग से लघु चित्रों में जल, भूगर्भीय जल स्रोत, मध्यप्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान और जलचर-जलीय जीवन के प्राण तत्व नामक प्रदर्शनियों के साथ ही वीर भारत न्यास और मेपकास्ट द्वारा प्रकाशित अंतर्जलि यात्रा, जिलों के भूजल एटलस और अन्य प्रकाशनों का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में फिजी, साइप्रस, मैक्सिको सहित अन्य देशों के उच्चायुक्त और राजदूत भी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश अनेक नदियों का उद्गम स्थल है। प्रदेश की नदियां प्रवाहित होते हुए गंगा-यमुना जैसी नदियों में जाकर मिलती हैं। यह प्रदेश का सौभाग्य है कि हमारे विंध्याचल और सतपुड़ा के पर्वत मध्यप्रदेश को परमात्मा की अनुपम कृति हैं। वनांचलों से जल धाराएं आती हैं जो नदियों को समृद्ध बनाती हैं। नर्मदा मैया के साथ ही ताप्ती, बेतवा, चंबल जैसी नदियां अपार जल राशि से समृद्ध हैं। चंबल नदी का जल प्रदेश की गणना देश की स्वच्छ नदियों में करवाता है, इसके कारण घड़ियाल भी इसी नदी में सर्वाधिक पाए जाते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आदि काल से जल सहेजने के कार्य चल रहे हैं। राजा भोज के काल की तकनीक की चर्चा करें तो भोपाल की बड़ी झील श्रेष्ठ जल संरक्षण प्रणाली का उदाहरण है, जिसमें आबादी को हानि पहुंचाए बिना जल सहेजने, उसके उपयोग और अतिरिक्त जल की निकासी का श्रेष्ठ प्रबंध किया गया। प्रदेश में जनता की भागीदारी से जल गंगा संवर्धन अभियान का संचालन चल रहा है। प्रदेश में कृषि उत्पादन में वृद्धि का आधार भी यही जल और उसका उचित प्रबंधन है। भूगर्भ के जल भण्डारण का कृषि क्षेत्र में संतुलन के साथ उपयोग किस तरह किया जाए यह विज्ञान के सहयोग से संभव है। मेपकास्ट द्वारा इस क्षेत्र में किये जा रहे अनुसंधान महत्वपूर्ण हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीर भारत न्यास और सहयोगी संस्थाओं को इस सार्थक आयोजन के लिए बधाई दी। इस अवसर पर केंद्रीय भू-जल बोर्ड के प्रतिनिधि श्री अशोक विश्वास, मेपकास्ट के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी भी उपस्थित थे। वीर भारत न्यास के न्यासी सचिव श्री श्रीराम तिवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को स्मृति चिन्ह प्रदान किए।

कार्यक्रम में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल सहित बड़ी संख्या में जल संरक्षण क्षेत्र के विद्वान, विद्यार्थी, सहयोगी संस्थानों के प्रतिनिधि और अन्य राष्ट्रों के प्रतिनिधि और विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से जुड़े कलाधर्मी उपस्थित थे।

न्यूज ब्रीफ

बंगाल में हस्ताक्षर विवाद- शुभेंदु की प्रेस कॉन्फ्रेंस के 15 मिनट बाद तृणमूल का बड़ा एक्शन, दो विधायक निष्कासित

कोलकाता/ जीएनएस। बंगाल की राजनीति में विधानसभा के भीतर फर्जी हस्ताक्षर कांड ने राजनीतिक भूचाल ला दिया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी द्वारा सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस मामले में सीआईडी जांच के आदेश देने के महज 15 मिनट के भीतर, तृणमूल कांग्रेस ने अपने दो विधायकों, ऋब्रत बनर्जी (उलुबेरिया पूर्व) और संदीपन साहा (एंटाली) को पार्टी से निष्कासित कर दिया। 4 मई को चुनावी नतीजों के बाद टीएमसी को सदन में विपक्ष की भूमिका तय करनी थी। 6 मई की बैठक में ममता बनर्जी को नेता चुनने का अधिकार दिया गया, लेकिन तकनीकी तौर पर विधानसभा ने इस फैसले को खारिज कर दिया। इसके बाद 19 मई को बैकडेट (6 मई) में विधायकों के हस्ताक्षर लेने का खेल शुरू हुआ। निष्कासित विधायक ऋब्रत और संदीपन ने ही स्पीकर रवींद्रनाथ बोस से लिखित शिकायत की थी कि हाजिरी बही के हस्ताक्षरों को प्रस्ताव का समर्थन मान लिया गया। इसी शिकायत के आधार पर हेयर स्ट्रीट थाने में मामला दर्ज हुआ। इस हस्ताक्षर घोटाले में सीआईडी ने नयना बनर्जी, कुणाल घोष, तापस मैती और बहारुल इस्लाम के घरों पर दस्तक दी है। विधायक बहारुल इस्लाम ने स्वीकार किया कि 6 मई को वह बैठक में थे ही नहीं, फिर भी उनका हस्ताक्षर वहां मौजूद था। इसी सिलसिले में सीआईडी ने अभिषेक बनर्जी को भी तलब किया है। निष्कासन के बाद संदीपन साहा ने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पार्टी अनैतिक काम करने वालों का साथ देती है और नैतिक लोगों को निकालती है। वहीं, टीएमसी प्रवक्ता कुणाल घोष ने फेसबुक पर इसे विश्वासघात और कायरता करार दिया है। चुनावी शिकस्त के एक महीने के भीतर ही ममता ब्रिगेड ताश के पत्तों की तरह बिखरती दिख रही है। अब निष्कासित दोनों विधायक सदन में दलविहीन सदस्य के रूप में बैठेंगे और उन पर टीएमसी का व्हिप लागू नहीं होगा।

बिहार के सरकारी अस्पतालों से महंगी वैक्सीन और जीवन रक्षक दवा चोरी कर बांग्लादेश तक तस्करी

पटना/ जीएनएस। पटना पुलिस ने नशीली दवाओं और सरकारी दवाओं की अवैध खरीद-बिक्री के नेटवर्क का खुलासा करते हुए गिरोह के मास्टरमाइंड नीरज कुमार को गिरफ्तार किया है। उसे वैशाली के हाजीपुर स्थित कोन्हारा घाट से दबोचा गया। सिटी एसपी पूर्वी परिचय कुमार ने बताया कि नीरज पिछले 20 से 25 वर्षों से अवैध दवा कारोबार में सक्रिय था। पूछताछ में सामने आया है कि उसने बिहार और अन्य राज्यों में दवाओं की तस्करी का बड़ा नेटवर्क खड़ा कर रखा था। पुलिस अब उसके अन्य सहयोगियों की तलाश में जुटी है। जांच में खुलासा हुआ है कि गिरोह बिहार के कई जिलों के सरकारी अस्पतालों से जीवन रक्षक दवाएं और महंगी वैक्सीन खरीदता था। इसमें अस्पताल कर्मियों और स्थानीय मेडिकल दलालों की मिलीभगत सामने आई है। दरभंगा, मधुबनी, पूर्णिया, कटिहार, गया समेत कई जिलों से सरकारी दवाएं जुटाकर गिरोह उन्हें पूर्वोत्तर राज्यों तक पहुंचाता था। इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका भी जांच के दायरे में है। पुलिस के अनुसार सरकारी दवाओं को त्रिपुरा के अगरतला भेजा जाता था। वहां दवाओं के मूल रैपर हटाकर नए रैपर लगाए जाते थे और उन पर अधिक कीमत अंकित की जाती थी। इसके बाद इन्हें बांग्लादेश में तस्करी के जरिए ऊंचे दामों पर बेचा जाता था। इस पूरे नेटवर्क में कई राज्यों और सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों की संलिप्तता की आशंका है। हाल के महीनों में पटना पुलिस इस नेटवर्क से जुड़े एक दर्जन से अधिक कारोबारियों को गिरफ्तार कर चुकी है। अब तक 15 से ज्यादा मामले दर्ज किए गए हैं।

ISS से गगनयान तक... दूसरी अंतरिक्ष उड़ान की तैयारी में जुटे कैप्टन शुभांशु शुक्ला, भारत रचेगा इतिहास

नई दिल्ली/ जीएनएस। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर जाने वाले भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री कैप्टन शुभांशु शुक्ला का कहना है कि भारत के अंतरिक्ष अभियानों के लिए यह महत्वपूर्ण समय है। गगनयान मिशन के प्रशिक्षण में वह वायु सेना के पायलट के रूप में मिले अनुभवों का लाभ उठा रहे हैं।

जो भी नया विमान आए, उसे उड़ाकर यह साबित करना होता है कि उसकी परिचालन सीमाएं सुरक्षित हैं। अपनी दूसरी अंतरिक्ष यात्रा की तैयारी कर रहे शुभांशु ने इसरो की पहली मानवयुक्त अंतरिक्ष उड़ान को एक प्रोटोटाइप मिशन बताया।कैप्टन शुक्ला ने कहा कि वैश्विक स्तर पर भारतीय अंतरिक्ष बिरादरी, विशेष रूप से इसरो के प्रति बहुत सम्मान है।

मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन की ओर बढ़ना एक बहुत बड़ा बदलाव है। यह हमारे अब तक के कार्यों और भविष्य के कार्यों से बिल्कुल अलग है। गगनयान मिशन अंतरिक्ष अनुसंधान की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत को एक विशिष्ट स्थान दिलाएगा।

पिछले साल जून में तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के साथ कैप्टन शुक्ला ने नासा के एक्सिओम-4 मिशन के तहत अंतरिक्ष यात्रा की और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर 18 दिन बिताए। यह 41 वर्षों के बाद किसी भारतीय की अंतरिक्ष में वापसी थी। इससे पहले विंग कमांडर राकेश शर्मा 1984 में अंतरिक्ष यात्रा करने वाले पहले भारतीय बने थे। ठीक एक साल बाद शुक्ला अब बेंगलुरु में हैं। वह तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के साथ इसरो के गगनयान मिशन के लिए चुने गए हैं। वह अपने परिवार के साथ बेंगलुरु के अंतरिक्ष उड़ान केंद्र में रहते हैं और अपनी दूसरी अंतरिक्ष यात्रा की तैयारी कर रहे हैं। अनुमानित रूप से 2027 के मध्य में निर्धारित इस मिशन का उद्देश्य मानवयुक्त अंतरिक्ष उड़ान में भारत की क्षमता का प्रदर्शन करना है।

भारतीय समुद्री क्षेत्र- इसके तहत तीन अंतरिक्ष यात्रियों की एक टीम को तीन दिनों के लिए 400 किलोमीटर की निचली-पृथ्वी कक्षा में भेजकर उन्हें भारतीय समुद्री क्षेत्र में सुरक्षित रूप से वापस लाया जाएगा। यदि यह प्रयास सफल होता है, तो भारत अमेरिका, रूस और चीन के बाद मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन में सफलता हासिल करने वाला विश्व का चौथा देश बन जाएगा।

नालायक औलादों को समझा लो, वरना..., सूर्या हत्याकांड पर CM योगी की चेतावनी- दोस्ती में चाकूबाजी बर्दाश्त नहीं

सीएम योगी ने कहा कि बकरीद पर गाजियाबाद में हिंदू युवक की हत्या की गई लेकिन, इस पर विपक्ष चुप रहा। उन्होंने कहा, नालायक औलादों को समझा लो, नहीं तो उन्हें सबक सिखाना होगा।

गाजियाबाद/ जीएनएस। पिछले कई दिनों से मीडिया में सुर्खियां बने गाजियाबाद सूर्या हत्याकांड को लेकर मुख्यमंत्री योदी आदित्यनाथ ने कड़ी टिप्पणी की है।

सोमवार को बिजनौर के एक कार्यक्रम में गाजियाबाद सूर्या हत्याकांड को लेकर सीएम योगी ने कहा, सज्जन के लिए हम सज्जन हैं और दुर्जन के लिए दुर्जन।

इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह भी कहा, गाय को पशु मानने वाले इंसान नहीं है, गाय स्वाभाविक हमारी माता हैं।

बता दें कि ईद के दिन गाजियाबाद के खोड़ा थाना क्षेत्र में सूर्या नाम के युवक को चाकू से हमला करके घायल कर दिया गया था। इसके बाद सूर्या की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई थी।

क्या होती हैं कोबरा बटालियन? जातीय हिंसा रोकने के लिए केंद्र सरकार ने भेजा मणिपुर

नई दिल्ली/ जीएनएस। केंद्र सरकार ने सीआरपीएफ की दो कोबरा बटालियनों को मणिपुर में तैनात करने का आदेश दिया है। दोनों बटालियन कुछ सप्ताह में मणिपुर पहुंचेंगी और राज्य में हिंसा में शामिल सशस्त्र समूहों के खिलाफ विशेष अभियान चलाएंगी।

राज्य में मई 2023 से लेकर अब तक मैतेयी और कुकी-जो समूहों के बीच जातीय हिंसा में 260 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। पूर्वोत्तर के कुछ राज्यों में उग्रवाद के साथ ही कई राज्यों में वामपंथी उग्रवाद के खतरे से निपटने के लिए सीआरपीएफ ने 2008-09 में कमांडो बटालियन फार रेसोल्यूट एक्शन (कोबरा) का गठन किया था।

खाद से घटेगी आयात निर्भरता, किसानों का भरोसा सबसे बड़ी कसौटी

नई दिल्ली/ जीएनएस। उर्वरकों के कच्चे माल की बेतहाशा बढ़ती कीमतें, पश्चिम एशिया में जारी तनाव और आयात लागत कम करने के प्रयासों के बीच नैनो उर्वरक भारत के लिए नया विकल्प बन सकता है।

अभी देश में चार प्लांटों से उत्पादन हो रहा है। प्रत्येक वर्ष 29 करोड़ बोतल निर्माण की क्षमता हासिल कर ली गई है, जो करीब 13.50 लाख टन परंपरागत उर्वरक के बराबर है, लेकिन अभी तक के प्रयासों के बावजूद नैनो तकनीक पारंपरिक उर्वरकों का विकल्प नहीं बन सकी है, जिससे आत्मनिर्भरता की राह अभी लंबी दिख रही है।

नैनो उर्वरक जागरूकता अभियान- ऐसे में किसानों को जागरूक करने के लिए इफको ने पिछले महीने से देशभर में नैनो उर्वरक जागरूकता अभियान शुरू किया है।

केंद्र सरकार के ताजा आंकड़ों के अनुसार चालू खरीफ सीजन में 390.54 लाख टन उर्वरकों की जरूरत है। अभी देश में 200.47 लाख टन का स्टाक उपलब्ध है, जो कुल जरूरत का करीब 51 प्रतिशत ही उपलब्ध है। सामान्य वर्षों में मई-जून तक स्टॉक का स्तर लगभग 33 प्रतिशत रहता है। स्पष्ट है कि अग्रिम भंडारण और प्रबंधन के चलते हम बेहतर स्थिति में हैं।

सच्चाई यह है कि देश को अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए अभी भी उत्पादन और आयात दोनों का सहारा लेना पड़ रहा है। नैनो उर्वरकों की उपयोगिता यहीं पर सामने आती है।

पश्चिम एशिया संकटः यात्रा से पहले ट्रैवल इंश्योरेंस क्यों है जरूरी? फ्लाइट कैंसिलेशन से सामान खोने तक का मिलेगा कवर

नई दिल्ली/ जीएनएस। पश्चिम एशिया संकट के इस दौर में विदेश के साथ घरेलू यात्रा के दौरान ट्रैवल इंश्योरेंस लेना अधिक फायदेमंद साबित हो सकता है। मुख्य रूप से एयर टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की कमी को देखते हुए घरेलू फ्लाइट भी काफी अधिक संख्या में रद हो रहे हैं।

घरेलू यात्रा के दौरान यात्री कई बार नान रिफंडेबल टिकट लेते हैं। ऐसे में फ्लाइट रद होने पर यात्रियों को खासा नुकसान उठाना पड़ता है। हालांकि, ट्रैवल इंश्योरेंस है तो इस प्रकार के नुकसान से बचा जा सकता है। कई ऐसे यात्री होते हैं जो काफी अधिक यात्रा करते हैं, उनके लिए सालाना स्तर पर ट्रैवल इंश्योरेंस का प्लान भी बाजार में उपलब्ध है।

पालिसी बाजार के ट्रैवल इंश्योरेंस हेड मानस कपूर ने बताया कि घरेलू यात्रा के ट्रैवल इंश्योरेंस में मेडिकल कवरेज नहीं होता है, लेकिन इसमें यात्रा के दौरान दुर्घटना, सामान के खोने एवं यात्रा के रद होने की वजह से होने वाले नुकसान का कवरेज शामिल होता है। कुछ दिन पहले इंडिगो ने पायलट की कमी की वजह से बिना किसी पूर्व सूचना के कई उड़ानें रद कर दी थीं।

अब इंश्योरेंस कंपनियां इस प्रकार की अनिश्चितता का भी कवरेज दे रही हैं। पश्चिम एशिया संकट के बाद से घरेलू फ्लाइट के रद होने की संख्या बढ़ गई है। घरेलू ट्रैवल इंश्योरेंस अंतरराष्ट्रीय इंश्योरेंस के मुकाबले काफी सस्ता होता है। ट्रेन में सफर करने के दौरान भी ट्रैवल इंश्योरेंस लिया जा सकता है। आईआरसीटीसी की साइट से टिकट बुक कराते समय ट्रैवल इंश्योरेंस लिया जा सकता है। कपूर ने बताया रेलवे के विंडो से टिकट खरीदने पर ट्रैवल इंश्योरेंस की सुविधा नहीं है।

नागेंद्र नाथ त्रिपाठी कौन, जिनका BJP में बड़ा हुआ पद और कद; पर्दे के पीछे यूपी-बिहार में किया काम

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नितिन नवीन ने नागेंद्र नाथ त्रिपाठी को पार्टी का राष्ट्रीय संगठक नियुक्त किया है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पर्दे के पीछे रहकर कई बड़ी जिम्मेदारियों को अंजाम दे चुके त्रिपाठी अभी बिहार-झारखंड क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री के रूप में काम रहे थे। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) अरुण सिंह ने एक नोटिफिकेशन में कहा, राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने नागेंद्र नाथ त्रिपाठी को पार्टी का राष्ट्रीय संगठक ((वरिष्ठ कार्यकर्ता संपर्क) नियुक्त किया है।

उन्होंने बताया कि उनका केंद्र दिल्ली होगा और यह नियुक्ति तत्काल रूप से प्रभावी होगी। नागेंद्र नाथ त्रिपाठी की गिनती संगठन के उन प्रमुख नेताओं में होती है जिन्होंने वर्षों तक पर्दे के पीछे रहकर पार्टी को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है। वह अभी बिहार-झारखंड क्षेत्र में संगठन को मजबूत करने में जुटे हुए थे।

इससे पहले वह उत्तर प्रदेश में करीब 8 सालों तक भाजपा के संगठन महासचिव के रूप में काम कर चुके हैं। संत कबीर नगर जिले (तब बस्ती का हिस्सा) के किसान परिवार में जन्मे नागेंद्र गिरिजा पति त्रिपाठी और गणेशा देवी के सबसे बड़े बेटे हैं। त्रिपाठी बचपन से ही आरएसएस के साथ जुड़े रहे हैं। स्कूली दिनों में ही वह आरएसएस की शाखा से जुड़ गए थे। उम्र के साथ आरएसएस में उनकी सक्रियता और भूमिका बढ़ती गई और बाद में भाजपा के संगठन को मजबूत करने की जिम्मेदारी दी गई। भाजपा से पहले वह आरएसएस के छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में भी अहम जिम्मेदारी निभा चुके हैं। 2003 में उन्हें भाजपा के संगठन महासचिव के रूप में यूपी में अहम जिम्मेदारी दी गई। इस दौरान उन्होंने पार्टी को बूथ लेवल तक मजबूत किया। पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण और बेहतर चुनावी प्रबंधन पर उन्होंने खास ध्यान दिया। यूपी में 8 साल तक नागेंद्र के काम को देखते हुए पार्टी ने उन्हें 2011 में बिहार भेजा। नाथ ने पहली बार बिहार में सीएम बनाने वाली भाजपा को यहां तक लाने में कड़ी मेहनत की है। 2021 में उन्हें बिहार-झारखंड का क्षेत्रीय संगठन महासचिव नियुक्त किया था। क्षेत्रीय संगठन महासचिव का दायित्व बेहद महत्वपूर्ण है।

सिंहस्थ-2028 की तैयारियों में जुटी इंदौर पुलिस, विशेष प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्ष 2028 में उज्जैन में आयोजित होने वाले विश्व प्रसिद्ध सिंहस्थ महापर्व की तैयारियों को लेकर इंदौर पुलिस कमिश्नरेट ने व्यापक स्तर पर प्रशिक्षण अभियान की शुरुआत कर दी है। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन में डीआरपी लाइन इंदौर में विशेष सिंहस्थ प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया, जिसके माध्यम से पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आगामी महापर्व के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित किया जाएगा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) श्री आर.के. सिंह के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) श्रीमती सीमा अलावा तथा रक्षित निरीक्षक श्री दीपक कुमार पाटील द्वारा किया गया। अधिकारियों ने बताया कि सिंहस्थ विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक है, जिसमें करोड़ों श्रद्धालु देश-विदेश से शामिल होते हैं। ऐसे विशाल आयोजन में सुरक्षा, कानून-व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, यातायात संचालन और आपदा प्रबंधन जैसी व्यवस्थाओं को प्रभावी बनाने के लिए पुलिस बल का प्रशिक्षित एवं दक्ष होना आवश्यक है।

यह विशेष प्रशिक्षण अभियान 1 जून 2026 से दिसंबर 2026 तक संचालित किया जाएगा। प्रशिक्षण को चरणबद्ध तरीके से आयोजित करते हुए प्रत्येक बैच को छह दिवसीय विशेष मॉड्यूल के तहत प्रशिक्षित किया जाएगा। इस दौरान इंदौर पुलिस कमिश्नरेट के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा ताकि सिंहस्थ-2028 के दौरान वे अपनी जिम्मेदारियों का प्रभावी ढंग से निर्वहन कर सकें।

प्रशिक्षण में पुलिस कर्मियों को सिंहस्थ का इतिहास एवं धार्मिक महत्व, अखाड़ों और साधु-संत परंपराओं की जानकारी, मेला क्षेत्र की संरचना, पुलिस की भूमिका, भीड़ मनोविज्ञान, भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन, पार्किंग व्यवस्था, डायवर्जन योजना, आपदा प्रबंधन, अग्नि सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सहायता समन्वय, महिला एवं बाल सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, सोशल मीडिया प्रबंधन, मानवाधिकार, तनाव प्रबंधन तथा संकट की परिस्थितियों में प्रभावी संवाद जैसे विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन दिया जाएगा।

इसके साथ ही संभावित यातायात दबाव को देखते हुए पुलिस कर्मियों को ट्रैफिक डायवर्जन, वैकल्पिक मार्गों की योजना, पार्किंग प्रबंधन, आपातकालीन वाहनों की निर्बाध आवाजाही और विभिन्न विभागों के साथ समन्वय स्थापित करने संबंधी विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सेवा-भाव आधारित पुलिसिंग, श्रद्धालुओं के प्रति संवेदनशील व्यवहार, जनसंपर्क कौशल, त्वरित निर्णय क्षमता और तकनीक आधारित आधुनिक पुलिसिंग के विभिन्न पहलुओं पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

इंदौर पुलिस का मानना है कि यह प्रशिक्षण अभियान सिंहस्थ-2028 के दौरान बेहतर सुरक्षा व्यवस्था, सुचारु यातायात संचालन और श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

रोजगार मेले में 113 युवाओं को प्रतिष्ठित कंपनियों में मिला रोजगार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन और जिला प्रशासन के निर्देशानुसार बेरोजगार आवेदकों को एक छत के नीचे रोजगार और स्वरोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला रोजगार कार्यालय द्वारा आज सोमवार को रोजगार मेले (युवा संगम कार्यक्रम) का आयोजन किया गया। इस युवा संगम कार्यक्रम में कुल 11 कंपनियों द्वारा 113 युवाओं का चयन रिक्त पदों की पूर्ति हेतु किया गया। जिला रोजगार कार्यालय के उप संचालक श्री पी.एस. मण्डलोई ने बताया कि इस रोजगार मेले में कुल 237 उम्मीदवारों ने पंजीयन कराया था, जिसमें से कुल 172 युवक एवं 65 युवतियों शामिल है। कुल 113 आवेदकों का प्रारंभिक रूप से फार्मासिस्ट, एचआर, सेल्स एक्जीक्यूटिव, सहायक प्रबंधक, डिजिटल मार्केटिंग, टेलीकॉलर, बेक ऑफिस, ट्रेनी, फीटर, वेल्डर, इलेक्ट्रिशियन, कोपा, टर्नर, ऑपरेटर आदि पदों के लिए चयन किया गया। रोजगार मेले में जिला उद्योग केंद्र के मैनेजर द्वारा स्वरोजगार के इच्छुक 08 आवेदकों को शासन द्वारा संचालित स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी और मार्गदर्शन दिया गया। साथ ही स्वरोजगार हेतु प्रकरण तैयार करने के लिए प्रेरित किया गया। शासन की अप्रेन्टिशिप योजना अंतर्गत 04 आवेदकों का चयन कर कंपनी में भेजे गये। उक्त कार्यक्रम तीनों विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों की सहभागिता से सफलतापूर्वक संपन्न कराया।

2028 तक देश का मिल्क कैपिटल बनेगा मध्य प्रदेश, मालवा-निमाड़ क्षेत्र निभाएगा मुख्य भूमिका

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व दुग्ध दिवस (1 जून) के अवसर पर जब देश में दुग्ध उत्पादन और डेयरी क्षेत्र की भूमिका पर चर्चा हो रही है, तब मध्य प्रदेश भी एक बड़े लक्ष्य की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव वर्ष 2028 तक प्रदेश को देश की मिल्क कैपिटल बनाने का लक्ष्य घोषित कर चुके हैं। इस लक्ष्य को हासिल करने में मालवा-निमाड़ क्षेत्र की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जहां डेयरी गतिविधियां किसानों की आय का मजबूत आधार बनती जा रही हैं।

पशुपालन एवं डेयरी विभाग तथा बेसिक एनिमल हसबेंडरी स्टेटिस्टिक्स (बीएएचएस)-2025 के अनुसार मध्य प्रदेश देश का तीसरा सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक राज्य है। देश के कुल दुग्ध उत्पादन में प्रदेश की हिस्सेदारी 9.12 प्रतिशत है। इस सूची में केवल उत्तर प्रदेश और राजस्थान ही मध्य प्रदेश से आगे हैं। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के आंकड़ों के अनुसार, राज्य का वार्षिक दुग्ध उत्पादन पिछले दो दशकों में चार गुना से अधिक बढ़कर 2.13 करोड़ टन से ज्यादा हो चुका है।

मालवा-निमाड़ के इंदौर, उज्जैन, देवास, धार, रतलाम, खरगोन और खंडवा जिलों में डेयरी अब केवल पूरक गतिविधि नहीं रही। किसानों के लिए यह रोजाना नकद आय का सबसे भरोसेमंद जरिया बनती जा रही है। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि जहां फसल से आय साल में एक या दो बार मिलती है, वहीं दूध प्रतिदिन आय सुनिश्चित करता है। यही कारण है कि बड़ी संख्या में किसान डेयरी को व्यवसाय के रूप में अपना रहे हैं।

कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर आरटीओ का सघन चेकिंग अभियान, दो बसों पर एक लाख रुपये का जुर्माना

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार संभागीय आरटीओ उड़नदस्ता, इंदौर द्वारा आज रेडिसन चौराहा, तीन इमली चौराहा एवं नेमावर रोड पर सुबह सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व आरटीओ इंदौर एवं उड़नदस्ता प्रभारी द्वारा किया गया।

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री प्रदीप शर्मा ने बताया कि चेकिंग के दौरान 50 से अधिक बसों की गहन जांच की गई। इस दौरान बसों में उपलब्ध इमरजेंसी गेट, अग्निशामक यंत्र (फायर एक्सटिंग्विशर), फर्स्ट एड बॉक्स, आपातकालीन निकास व्यवस्था, वाहन के दस्तावेज, परमिट, फिटनेस, बीमा तथा अन्य सुरक्षा मानकों का परीक्षण किया गया, ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। जांच के दौरान एक बस ललितपुर से इंदौर तक बिना वैध परमिट के यात्रियों का परिवहन करते हुए पाई गई। इस पर मौके पर ही चालानी कार्रवाई करते हुए 50 हजार रुपये का जुर्माना वसूल किया गया।

इसी प्रकार एक अन्य बस मुंबई से इंदौर के अस्थायी (टेम्परेरी) परमिट पर संचालित पाई गई, जबकि वह नागपुर से इंदौर तक यात्रियों का परिवहन कर रही थी। परमिट की शर्तों के उल्लंघन पर संबंधित बस के विरुद्ध भी कार्रवाई करते हुए 50 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया। अभियान के दौरान दो लोक परिवहन बसों के विरुद्ध कार्रवाई कर कुल एक लाख रुपये का राजस्व वसूल किया गया। आरटीओ अधिकारियों ने बस संचालकों को यात्री सुरक्षा संबंधी सभी नियमों एवं परमिट शर्तों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए तथा भविष्य में अनियमितता पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

गंभीर नदी के लिए प्रशासन का मेगाप्लान, इंदौर में पानी की किल्लत खत्म करने में मिलेगी मदद

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा भगवान परशुराम जन्मोत्सव के अवसर पर पवित्र जानापाव धाम से की गई गंभीर नदी पुनर्जीवन की घोषणा अब धरातल पर प्रभावी रूप से आकार ले रही है। इसी क्रम में प्रशासनिक स्तर पर सक्रियता तेज हो गई है। गंभीर नदी के उद्गम क्षेत्र सहित विभिन्न जल संरक्षण संरचनाओं, नदी तटों, प्रस्तावित चेकडैम स्थलों, जलग्रहण क्षेत्र उपचार कार्यों तथा भूजल पुनर्भरण के लिए बड़े स्तर पर योजना प्रस्तावित की गई है। सीएम के निर्देशानुसार स्थानीय अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि नदी पुनर्जीवन कार्यों को मिशन मोड में संचालित करते हुए जल संरक्षण एवं भूजल संवर्धन के स्थायी परिणाम सुनिश्चित किए जाएं। इस पूरी योजना का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में पानी की कमी को दूर करना और जल स्रोतों को दीर्घकालिक मजबूती प्रदान करना है।मालवा अंचल की जीवनरेखा और जनभागीदारी

इसी सप्ताह कलेक्टर शिवम वर्मा ने गंभीर नदी पुनर्जीवन परियोजना के अंतर्गत विभिन्न स्थलों का विस्तृत निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति और संभावनाओं का जायजा लिया है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मैदानी हकीकत को देखा और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

कलेक्टर शिवम वर्मा का कहना है कि गंभीर नदी केवल एक जलधारा नहीं, बल्कि मालवा अंचल की जीवनरेखा है। इसके संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए प्रशासन, जनप्रतिनिधियों, ग्राम पंचायतों, स्वयंसेवी संगठनों तथा स्थानीय नागरिकों की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देशानुसार जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देकर गंभीर नदी को पुनः अविरल और निर्मल बनाने की दिशा में प्रभावी प्रयास किए जाएंगे।

आकाशीय बिजली एवं सर्पदंश से बचाव के लिये परामर्श जारी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गृह विभाग, द्वारा प्रदेश में लू-तापघात, आकाशीय बिजली एवं सर्पदंश जैसी मौसमी एवं प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली जनहानि एवं दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से संचार माध्यमों से जनजागरूकता करते हुए परामर्श दिया जा रहा है।

सचिव (गृह) एवं समन्वयक मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण श्रीमती कृष्णावेणी देशावतु ने बताया कि विभिन्न संचार माध्यमों के जरिए आमजन तक सुरक्षा संबंधी संदेश पहुँचाए जा रहे हैं, जिससे शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के अधिकाधिक नागरिकों को समय रहते आवश्यक जानकारी उपलब्ध हो सके। अभियान का उद्देश्य लोगों में जोखिमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा आपदा की स्थिति में त्वरित एवं उचित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना है।

प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में ग्रीष्मकाल में बढ़ता तापमान लू-तापघात की स्थिति उत्पन्न कर सकता है। विशेष रूप से बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों, श्रमिकों तथा स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से ग्रसित व्यक्तियों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की आवश्यकता है। नागरिकों को पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, धूप में अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचने, हल्के एवं सूती वस्त्र पहनने तथा शरीर में जल की कमी न होने देने संबंधी आवश्यक सावधानियों के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

मानसून अवधि में आकाशीय बिजली गिरने की घटनाएँ अनेक बार गंभीर दुर्घटनाओं का कारण बनती हैं। इस संबंध में नागरिकों को सलाह दी गई है कि मौसम में अचानक परिवर्तन, तेज गर्जना एवं बिजली की चमक को संभावित खतरे के संकेत के रूप में गंभीरता से लें। ऐसे समय में खुले स्थानों, खेतों, जलाशयों, विद्युत खंभों तथा बड़े वृक्षों के नीचे रुकने से बचें तथा सुरक्षित भवनों में शरण लें। नागरिकों को आकाशीय बिजली संबंधी पूर्व चेतावनी प्राप्त करने के लिए ÷दामिनी÷ मोबाइल ऐप के उपयोग के लिये भी प्रेरित किया जा रहा है। किसानों एवं पशुपालकों को विशेष सतर्कता बरतने तथा पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर रखने की सलाह दी गई है।

वर्षा ऋतु के दौरान सर्पदंश की घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। जलभराव एवं प्राकृतिक आवास प्रभावित होने के कारण साँप मानव बस्तियों के समीप आ सकते हैं। ऐसी परिस्थितियों में घर एवं आसपास स्वच्छता बनाए रखना, झाड़ियों एवं कबाड़ को हटाना, जूते एवं कपड़ों को उपयोग से पूर्व सावधानीपूर्वक जांचना तथा खेतों, जंगलों एवं जल स्रोतों के समीप अतिरिक्त सतर्कता बरतना आवश्यक है। सर्पदंश की स्थिति में प्रभावित व्यक्ति को तत्काल निकटतम स्वास्थ्य केंद्र ले जाने तथा किसी भी प्रकार के अंधविश्वास अथवा अप्रमाणित उपचार से बचने की सलाह दी गई है।

मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने नागरिकों से अपील की है कि वे मौसम विभाग एवं प्रशासन द्वारा समय-समय पर जारी चेतावनियों एवं परामर्शों का पालन करें तथा किसी भी आपात स्थिति, दुर्घटना अथवा संकट की स्थिति में तत्काल डायल-112 पर संपर्क कर सहायता प्राप्त करें।

सतर्कता, जागरूकता एवं समय पर अपनाई गई सावधानियाँ जनहानि एवं दुर्घटनाओं की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसी उद्देश्य से राज्य स्तर पर निरंतर जनजागरूकता गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं।

बच्चों की सुरक्षा और जागरूकता के लिए इंदौर पुलिस की अनोखी पहल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा तथा उनके विरुद्ध होने वाले अपराधों की रोकथाम के लिए इंदौर पुलिस लगातार नवाचारपूर्ण पहल कर रही है। इसी क्रम में पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन में पुलिस कमिश्नरेट द्वारा जनजागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। पुलिस उपायुक्त जोन-1 श्री नरेंद्र सिंह रावत के निर्देशन में एसीपी गांधी नगर और थाना प्रभारी राजेंद्र नगर की टीम ने थाना क्षेत्र स्थित कल्याण मार्ट में ÷ऑपरेशन सेफ स्माइल÷ अभियान का आयोजन किया। अभियान के तहत सादे वस्त्रों में मौजूद पुलिसकर्मियों ने गेम ज़ोन में खेल रहे बच्चों को चॉकलेट, उपहार और खरगोश देने का लालच देकर अपने साथ चलने के लिए कहा।

हैरानी की बात यह रही कि कई बच्चे बिना किसी पहचान या जानकारी के उनके साथ जाने को तैयार हो गए। इस प्रयोग के माध्यम से बच्चों की सुरक्षा संबंधी जागरूकता की वास्तविक स्थिति को समझने का प्रयास किया गया।

इसके बाद पुलिस टीम ने पार्किंग क्षेत्र में बच्चों, अभिभावकों और अन्य लोगों के साथ संवाद किया। इस दौरान बच्चों को अनजान व्यक्तियों से दूरी बनाए रखने, किसी भी प्रकार का लालच स्वीकार नहीं करने तथा माता-पिता की अनुमति के बिना कहीं भी नहीं जाने की समझाइश दी गई। साथ ही गुड टच-बैड टच, स्ट्रेंजर डेंजर और व्यक्तिगत सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण नियमों की जानकारी भी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बच्चों और अभिभावकों को सतर्क एवं जागरूक बनाना है, ताकि किसी भी संभावित खतरे या अपराध से बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

इंदौर-खंडवा राजमार्ग की बड़ी बाधा दूर, 22 टावर और हाइटेंशन लाइन होगी शिफ्ट, कटेंगे 1000 पेड़

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर-खंडवा राजमार्ग के बीच से गुजर रही हाईटेंशन लाइन और टावर को हटाने का रास्ता साफ हो गया है। बाधक पेड़ों को कटाने की भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) को वन व पर्यावरण मंत्रालय से अनुमति मिल गई है।

लाइन व टावर को नए स्थान पर लगाने के लिए निर्माण एजेंसी को एक हजार पेड़ काटने पड़ेंगे। जबकि वनभूमि के लिए अभी थोड़ा इंतजार करना होगा, क्योंकि कागजी प्रक्रिया होने में पंद्रह से पच्चीस दिनों का समय लगेगा। इस बीच एनएचएआइ को वनभूमि के बदले राशि जमा करना है।

परियोजना की स्थिति और टावर शिफ्टिंग में देरी

900 करोड़ की लागत से बनने वाले 216 किमी इस राजमार्ग को दिसंबर 2024 को पूरा होना था, मगर अभी तलाई-भेरुघाट और चोरल के बीच 1300 मीटर लंबी तीन सुरंग बन रही हैं। इनका काम अभी खत्म नहीं हुआ है। राजमार्ग का 70 फीसद काम पूरा होने के बाद एनएचएआइ को मार्ग

इंदौर में 7 कुख्यात बदमाश जिलाबदर, 3 को थाना हाजिरी के आदेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में अपराध एवं आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह ने 10 आदतन अपराधियों के विरुद्ध सख्त प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए सात बदमाशों को जिलाबदर तथा तीन अन्य को निर्बंधन आदेश के तहत थाना हाजिरी के लिए पाबंद किया है।

इंदौर पुलिस द्वारा सक्रिय अपराधियों के विरुद्ध लगातार की जा रही कार्रवाई के तहत संबंधित पुलिस अधिकारियों के प्रतिवेदन के आधार पर यह निर्णय लिया गया। पुलिस आयुक्त कार्यालय में प्रस्तुत प्रकरणों की जांच एवं विचारण के बाद मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम, 1990 के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए सात कुख्यात बदमाशों को निर्धारित अवधि के लिए जिला इंदौर एवं उससे लगे सीमावर्ती जिलों की राजस्व सीमाओं से निष्कासित करने के आदेश जारी किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार संबंधित बदमाशों के विरुद्ध हत्या, मारपीट, अवैध वसूली, धमकी, शांति भंग एवं अन्य गंभीर धाराओं में कई आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। प्रतिबंधात्मक कार्रवाई के बावजूद उनकी आपराधिक गतिविधियां लगातार जारी थीं, जिससे क्षेत्र की लोक व्यवस्था एवं आमजन की शांति प्रभावित हो रही थी। इसी को ध्यान में रखते हुए पुलिस आयुक्त ने इमरान उर्फ बच्चा, विजय उर्फ लाला, सुमित उर्फ सरदार, विकास उर्फ विक्का, ऋषभ उर्फ कालू, राजेश उर्फ राजा उर्फ राजाबाबू तथा विजय उर्फ बल्लू उर्फ बलिया के विरुद्ध जिलाबदर आदेश जारी किए हैं। इनमें से पांच बदमाशों को छह माह तथा दो बदमाशों को तीन माह की अवधि के लिए इंदौर एवं आसपास के सीमावर्ती जिलों से बाहर रहने के निर्देश दिए गए हैं।

इसके अलावा तीन अन्य आदतन अपराधियों सुमित उर्फ लड्डू, लोकेश उर्फ प्यानो तथा कार्तिक उर्फ कारतूस के विरुद्ध निर्बंधन आदेश जारी किए गए हैं। आदेश के तहत इन्हें निर्धारित अवधि तक संबंधित थानों में नियमित रूप से हाजिरी देना होगी तथा किसी भी प्रकार की अवैधानिक गतिविधि में संलिप्त नहीं रहने और लोकशांति भंग नहीं करने की शर्तों का पालन करना होगा।

पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निर्बंधन आदेश की किसी भी शर्त का उल्लंघन किए जाने पर संबंधित बदमाशों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि इन प्रकरणों में शासन की ओर से एडीपीओ श्री अजय प्रताप बुंदेला द्वारा प्रभावी पैरवी की गई।

इंदौर पुलिस का कहना है कि शहर में अपराधियों के विरुद्ध इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी, ताकि आमजन को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके और कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाया जा सके।

इंदौर में दस्तक देगा मानसून, तेज हवाओं के साथ भारी वर्षा का अलर्ट

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर सहित प्रदेशभर में बादल व वर्षा के दौर के कारण प्री मानसून की गतिविधियां दिखाई दे रही हैं। इन स्थितियों के कारण ही पिछले कुछ दिनों से इंदौर सहित प्रदेश के अन्य शहर जो गर्मी से तप रहे थे, उन्हें राहत मिली है। मौसम विभाग द्वारा इस बार पूरे देश में सामान्य से कम वर्षा होने की आशंका व्यक्त की गई हैं।

इंदौर में अमूमन 14 से 15 जून के आसपास मानसून दस्तक देता है। मानसून अभी तक केरल तट पर भी नहीं पहुंचा है। ऐसे में इंदौर में मानसून के 18 जून बाद ही पहुंचने की संभावना है। इंदौर में पिछले दो दिनों से छाए बादल, बूंदाबांदी व तेज हवाओं की स्थिति के कारण गर्मी का असर कम हुआ। इंदौर में बीते पांच दिन में अधिकतम तापमान में 5.5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट देखने को मिली।

इंदौर शहर के साथ पूरे इंदौर संभाग में अगले चार से पांच दिन तक गरज-चमक के साथ वर्षा की गतिविधियां दिखाई देगी। संभाग के आलीराजपुर, धार, बड़वानी और झाबुआ जिले में तेज वर्षा की स्थितियां भी दिखाई देगी। आगामी दिनों में इंदौर शहर में 50 से 70 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से तेज हवाएं भी चलेगी।

मौसम विज्ञानियों के मुताबिक वर्तमान में एक पश्चिमी विक्षोभ उत्तर प्रदेश पर चक्रवात के रूप में बना है, इसके प्रभाव से इंदौर सहित प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में वर्षा की गतिविधियां जारी रहेगी।

संजीवनी बाल मित्र केंद्र में सात दिवसीय समर कैंप का सफल समापन, बच्चों को मिले संस्कार और सुरक्षा के पाठ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा सामुदायिक पुलिसिंग के अंतर्गत संचालित संजीवनी बाल मित्र केंद्र, छत्रीपुरा में आयोजित सात दिवसीय समर कैंप का उत्साहपूर्ण एवं सफल समापन किया गया। समापन समारोह में बच्चों को प्रमाण-पत्र, मिठाइयां एवं उपयोगी उपहार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया तथा उन्हें जिम्मेदार और आदर्श नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया गया।

इंदौर पुलिस द्वारा कमजोर, जरूरतमंद एवं उपेक्षित वर्ग के बच्चों के सर्वांगीण विकास तथा उन्हें सकारात्मक जीवन मूल्यों, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति से जोड़ने के उद्देश्य से संजीवनी बाल मित्र केंद्र का संचालन किया जा रहा है। पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन में केंद्र में समय-समय पर विभिन्न रचनात्मक एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री आर.के. सिंह, पुलिस उपायुक्त जोन-4 श्री सुनील मेहता, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त श्री दिशेष अग्रवाल, नोडल अधिकारी सामुदायिक पुलिसिंग श्रीमती सीमा अलावा, सहायक पुलिस आयुक्त सराफा श्री विजय तिवारी के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी छत्रीपुरा श्री संजीव श्रीवास्तव के नेतृत्व में सात दिवसीय समर कैंप का आयोजन किया गया। शिविर का संचालन प्रधान आरक्षक श्री संजय राठौर ने किया।

कैंप के दौरान बच्चों को योग एवं ध्यान, कला एवं शिल्प, चित्रकला, साइबर सुरक्षा, नशे के दुष्परिणाम, गुड टच-बैड टच, पॉक्सो अधिनियम, बाल अधिकार एवं संरक्षण सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण और मार्गदर्शन दिया गया।

समाज को अपने अधिकारों से अधिक महत्व अपने देश के प्रति कर्तव्यों को देना होगा-डॉ. प्रकाश शास्त्री

संघ शिक्षा वर्ग (विद्यार्थी) का प्रकट एवं समापन समारोह का आयोजन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, मालवा प्रांत का संघ शिक्षा वर्ग (विद्यार्थी) का प्रकट एवं समापन समारोह का आयोजन दिनांक 31 मई, रविवार को किया गया। इस कार्यक्रम में 28 जिलों के 215 स्थान से आये 297 शिक्षार्थियों ने सहभाग किया। शारीरिक कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने समता, योग, आसान, घोष, दंड (लाठी) संचालन प्रयोगों का प्रदर्शन किया। जिसे देखने के लिए जिलेभर से बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए। प्रकटोत्सव स्थल पर प्रशिक्षण प्राप्त कुशलताओ का प्रदर्शन करते हुए स्वयंसेवक आम लोगो के चेहरों पर आत्मविश्वास की अनुभूति करवा रहे थे। पूरे परिसर स्थल को रंगोली से सजाया गया था जहाँ बड़ी संख्या में समाज, मातृशक्ति, बच्चे, बुजुर्ग शामिल हुए। सर्वाधिकारी जिनेंद्र जैन, समाज सेवी मुख्य अतिथि के रूप मे डॉ. समरथमल जैनं, जिला संघचालक दशरथसिंह झाला व मुख्य वक्ता मालवा प्रान्त संघचालक डॉ. प्रकाश शास्त्री मंचासीन रहे।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुऐं मुख्य अतिथि डॉ. समरथमल जैन ने कहा कि मन्दसौर की पुण्य भूमि पर राष्ट्र भक्ति का महासागर उमड़ पड़ा है। आज हमारे देश का भविष्य सुरक्षित है ऐसा सभी को विश्वास है। संघ 100 वर्षो से राष्ट्र प्रथम के मंत्र को लेकर कार्य करता आ रहा है। डॉ. श्री प्रकाश शास्त्री मुख्य वक्ता ने बौद्धिक देते हुए कहा कि संघ का शताब्दी वर्ष चल रहा है। किसी भी संस्था के 100 वर्ष पूर्ण होने पर वह धूमधाम से मनाते है। परंतु संघ ऐसा कुछ नहीं करता है। संघ के शताब्दी वर्ष को समाज ने मनाया है। शताब्दी वर्ष में कई हिन्दू सम्मेलन हुऐं जिसमें लाखों हिन्दूओं ने सहभागिता की। 1925 में जब संघ की स्थापना हुई तब लोग अपने आप को हिन्दू कहने में भी घबराते थे आज हम कहतें हैं कि गर्व से कहों हम हिन्दू है। इस परिवर्तन की यात्रा में कई उतार-चढ़ाव आयें है। वर्तमान में 80 हजार से ज्यादा दैनिक संघ की शाखाऐं लग रही है, करीब 40 देशों में संघ अपना कार्य कर रहा है। समाज के प्रत्येक क्षैत्र में जाकर कार्यकर्ताओं ने कार्य किया है। व्यवस्था परिवर्तन पर्याप्त नहीं है, समाज का मन परिवर्तन करना आवश्यक है। अच्छी सरकार या अच्छे नेता से समाज में परिवर्तन नहीं हो सकता ये सहायक हो सकते हैं। परिवर्तन तो समाज से ही होना है। वर्तमान समय में हम कर्तव्यों को भूल गये है। अधिकारों की बात करने से पहले कर्तव्यों पर ध्यान देना होगा। संघ के बारें में अनेक भ्रम समाज में फैलायें गये है। संघ को समझना है तो संघ के निकट आने की आवश्यकता है। निकट आकर अनुभव प्राप्त करना व अनुभव के आधार पर निर्णय समाज को करना है। संघ महत्वकांक्षी नहीं है पर समाज में बड़ा परिवर्तन लाना आवश्यक है। हिन्दू जीवन पद्धति को जीवन में उतारना आवश्यक है। अगर राष्ट्र को बलशाली बनाना है तो समरस समाज बनाने की आवश्यकता है। यह समरस मजबूरी में नहीं होना चाहिए।

पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दामों एवं महंगाई के विरोध में जिला युवा कांग्रेस का प्रदर्शन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पेट्रोल-डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों एवं बढ़ती महंगाई के विरोध में जिला युवा कांग्रेस द्वारा गांधी चौराहा, मंदसौर पर विरोध प्रदर्शन किया गया। जिसका नेतृत्व जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष दुर्गेश सिंह पटेल ने किया। इस अवसर पर युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दामों एवं महंगाई पर चिंता व्यक्त की। वक्ताओं ने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई से आम जनता का जीवन प्रभावित हो रहा है तथा सरकार को तत्काल राहत देने के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए। कार्यक्रम में संभाग प्रभारी जावेद पटेल, जिला सहप्रभारी जीतू पाटीदार, मुश्तकीम कुरैशी, प्रदेश सचिव शिबू गुज, जिला महासचिव जीवन चौहान, नेहा जैन, विधानसभा अध्यक्ष गोविंद सिंह , उपाध्यक्ष राहुल यादव अहीर, समीर खान, कुमकुम सिसोदिया, ब्लॉक अध्यक्ष सम्यक जैन, संदीप दास, नितिन शर्मा, जयंतीलाल चौधरी, जीतू बैरागी, आदर्श जोशी, एनएसयूआई ब्लॉक अध्यक्ष ओमप्रकाश रारोटिया, नितेश गुर्जर, निहाल दया, दीपक प्रजापति, अनिल पाटीदार, अक्षय सेठिया, प्रणय धाकड़, भाविक संचेती सहित बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में युवा कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि बढ़ती महंगाई और पेट्रोल-डीजल के लगातार बढ़ते दामों से आमजन परेशान है। यदि सरकार ने शीघ्र ही राहत प्रदान नहीं की तो युवा कांग्रेस जनहित में अपने आंदोलन को और व्यापक रूप देगी।

राज नेताओं को अपनी भाषा पर नियंत्रण रखना चाहिए-डॉ. आरएस तोमर

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. राघवेन्द्र सिंह तोमर ने राजनीतिक दलों के नेताओं द्वारा सार्वजनिक मंचों से एक दूसरे के खिलाफ की जा रही अमर्यादित टिप्पणियों पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि राज नेताओं को अपनी भाषा पर कन्ट्रोल रखना चाहिए। किसी भी राज नेता को अन्य किसी राज नेता के बारे में अमर्यादित बयान देना स्वस्थ लोकतंत्र के लिए घातक है।

डॉ. तोमर ने कहा कि लोकतंत्र में मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन मनभेद और व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति से जनता का विश्वास कमजोर होता है। नेता समाज के लिए आदर्श होते हैं। उनकी भाषा से युवा पीढ़ी सीखती है। इसलिए सार्वजनिक जीवन में मर्यादा और शालीनता बनाए रखना हर जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि वे चुनावी या गैर-चुनावी समय में भी भाषा की गरिमा बनाए रखें। मुद्दों पर आधारित सकारात्मक राजनीति ही देश और प्रदेश के विकास का रास्ता है। अमर्यादित बयानों से केवल वैमनस्य बढ़ता है और लोकतंत्र की नींव कमजोर होती है। डॉ. राघवेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि जनता अब जागरूक है। वह काम और चरित्र देखकर वोट करती है, बयानबाजी देखकर नहीं। इसलिए नेताओं को संयमित भाषा में अपनी बात रखनी चाहिए।

सम्मान के साथ सेवानिवृत पंचायत सचिव श्री राव को दी गई विदाई

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंगोली तहसील की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत झांतला परिसर पर सोमवार को सेवा, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा के प्रतीक रहे सेवानिवृत झांतला के पंचायत सचिव जगन्नाथ राव को भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में नगर के गणमान्य नागरिक, कर्मचारियों एवं जनप्रतिनिधियों व मीडिया साथियों ने उनके योगदान को याद करते हुए उन्हें अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए सरपंच प्रतिनिधि विनोद कुमार धाकड़ ने कहा कि हमारी पंचायत के सचिव जगन्नाथ राव का संपूर्ण सेवाकाल ईमानदारी, अनुशासन और जनसेवा के प्रति समर्पण का उदाहरण रहा है। उन्होंने कहा कि एक सरकारी सेवक के रूप में उनकी कार्यशैली आने वाली पीढ़ी के कर्मचारियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगी।

कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेस के वरिष्ट नेता एवं पत्रकार एमडी मंसूरी ने भी उनके अनुभव साझा किए और उनके मिलनसार व्यवहार व कार्यकुशलता की प्रशंसा की। श्री मंसूरी ने बताया कि सचिव श्री राव ने बिना किसी भेदभाव के नगर के पात्रधारी गरीबो के घर घर जाकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाया ।मंसूरी ने उनके स्वस्थ, सक्रिय एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

इस अवसर पर क्षेत्र के वरिष्ट पत्रकार राजेश शर्मा ने अपने सम्बोधन में बताया कि गांव के विकास में सचिव श्री राव का बहुत बड़ा योगदान रहा। इनके कार्यकाल में नगर के प्रत्येक वार्ड में विकास तेजी से हुआ। ये अपने कर्तव्यों के प्रति हमेशा सजग रहे। श्री शर्मा ने कहा कि इनके कार्यकाल को कभी भुलाया नही जा सकता

में जनपद सदस्य प्रतिनिधि बतौर सेवा निर्वत सचिव श्री राव साहब के उज्ज्वल भविष्य की ईश्वर से कामना करता हु की इनका शेष जीवन समाज सेवा, धार्मिक कार्य मे व्यतीत हो

बिदाई समारोह के दौरान नल चालक जय प्रकाश टेलर ने भी सचिव श्री राव के कार्यकाल की भूरी भूरी प्रशंसा व्यक्त करते हुए बताया कि ग्राम पंचायत झांतला के सचिव पद पर रहकर प्रथम व्यक्ति श्री जगन्नाथ राव है जो अपने ग्रह क्षेत्र राजपुरा झवर के समीप झांतला ग्राम पंचायत से ही अपनी सेवा निर्वत होकर इनकी बिदाई होने जा रही है। इनकी ईमानदारी को में प्रणाम करता हु

इस अवसर पर नगर के सतीश सैन ने भी पंचायत सचिव श्री जगन्नाथ राव को बिदाई देते हुए अपने सम्बोधन में बताया कि भले ही हम सरकारी नोकरी में नही है लेकिन मेरा मानना है कि नोकरी की अवधि का सबसे बड़ा आभूषण व गौरव की बात सुरक्षित सेवा निर्वति है।

न्यायालय के आदेशों की अवहेलना कर,नूतन स्टेडियम में टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित

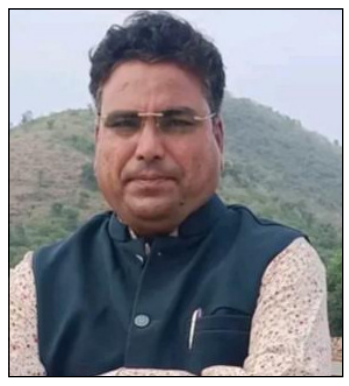

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 30 मई को नूतन स्टेडियम परिसर मंदसौर में रात्रिकालीन टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित किए जाने को लेकर एक बार फिर विवाद खड़ा हो गया है। अधिवक्ता विनोद सालवी, मंदसौर ने आरोप लगाया है कि माननीय न्यायालय के स्पष्ट आदेश के बावजूद स्टेडियम परिसर में टेनिस बॉल क्रिकेट मैच आयोजित कराया गया।

अधिवक्ता विनोद सालवी ने बताया कि पूर्व में नूतन स्टेडियम परिसर में तत्कालीन युवा सिंधी समाज अध्यक्ष शंकर शौंकी ककनानी द्वारा टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित करवाई गई थी, जिसके विरुद्ध न्यायालय में याचिका दायर की गई थी। प्रकरण में न्यायालय द्वारा आदेश पारित करते हुए स्टेडियम परिसर में केवल लेदर बॉल क्रिकेट गतिविधियों की अनुमति दिए जाने तथा टेनिस बॉल क्रिकेट पर रोक लगाए जाने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद दिनांक 30 मई 2026 को नूतन स्टेडियम में टेनिस बॉल क्रिकेट मैच आयोजित किया गया। सालवी का आरोप है कि जिला शिक्षा विभाग द्वारा नियुक्त स्टेडियम प्रभारी राहुल शर्मा एवं स्टेडियम मैनेजर शाहीन कुरैशी ने नियमों के विपरीत जाकर उक्त प्रतियोगिता को अनुमति प्रदान की। जबकि जिला शिक्षा अधिकारी स्तर से किसी भी व्यक्ति या संस्था को टेनिस बॉल क्रिकेट आयोजित करने की अनुमति प्रदान नहीं की गई है। सालवी ने यह भी कहा कि प्रतियोगिता के फोटो एवं वीडियो उपलब्ध हैं, जो पूरे घटनाक्रम की पुष्टि करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ पुलिसकर्मी भी उक्त मैच में भाग लेते हुए दिखाई दे रहे हैं। संबंधित पुलिसकर्मियों को यह जानकारी होने के बावजूद कि स्टेडियम परिसर में टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतिबंधित है, प्रतियोगिता में शामिल होना न्यायालय के आदेशों की अवहेलना तथा पद के दुरुपयोग की श्रेणी में आता है। अधिवक्ता विनोद सालवी ने मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों एवं संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि न्यायालय के आदेशों का पालन कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है तथा किसी भी स्तर पर उनकी अवहेलना स्वीकार्य नहीं अगर जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा कार्यवाही नहीं की गई तो संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध अवमानना की कार्यवाही की जावेगी।

ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, चीताखेडा मेन रोड नीमच द्वारा 9 जून से कम्प्यूटर टैली प्रशिक्षण एवं 10 जून 2026 से प्लंबिंग एंड सेनेटरी वर्क्स का निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया जा रहा है।

जिसके रजिस्ट्रेशन प्रारंभ हो चुके है प्रवेश पहले आओ पहले पाओ के आधार पर दिया जाएगा इस प्रशिक्षण का लाभ जिले की ग्रामीण अंचल के युवक / युवतियां, जिनकी आयु 18 से 50 वर्ष के बीच हो को मिलेगा इस 30 दिवसीय प्रशिक्षण में आवास, भोजन व नाश्ते की व्यवस्था निःशुल्क रहेगी ।

ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान नीमच द्वारा 6 जून 2026 से कृषि उद्यमी प्रशिक्षण (डेयरी फार्मिंग × वर्मी कम्पोस्ट एवं कृषि) का निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया जा रहा है । प्रवेश पहले आओ पहले पाओ के आधार पर दिया जाएगा इस प्रशिक्षण का लाभ केवल ग्रामीण अंचल की युवक / युवतियां जिनकी आयु 18 से 50 वर्ष के बीच हो को मिलेगा इस 13 दिवसीय प्रशिक्षण में आवास, भोजन व नाश्ते की व्यवस्था निःशुल्क रहेगी । प्रशिक्षण में पशु चिकित्सालय, कृषि, बागवानी एवं अन्य विभागो से प्रतिदिन अलग-अलग अनुभवी वैज्ञानिकों / अधिकारियों द्वारा प्रशिक्षण दिया जायेगा । बैंकिग संबंधी सभी जानकारियां एवं समस्याओं का समाधान भी इस प्रशिक्षण में किया जायेगा।

'कर चोरी पर लगेगी डिजिटल लगाम': उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने किया वाणिज्यिक कर विभाग के इन्फॉर्मेशन मॉड्यूल का शुभारंभ

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उप मुख्यमंत्री एवं वाणिज्यिक कर मंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा है कि वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा प्रारंभ किए गए ÷इन्फॉर्मेशन मॉड्यूल÷ से वित्तीय चोरी को रोका जा सकेगा। इसका सीधा लाभ प्रदेश को राजस्व वृद्धि के रूप में मिलेगा। श्री देवड़ा आज मंत्रालय में वाणिज्यिक कर विभाग के ÷इन्फॉर्मेशन मॉड्यूल÷ के शुभारंभ अवसर पर अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे।

मॉड्यूल के प्रमुख उद्देश्य- उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि राज्य में कर अपवंचन की रोकथाम, राजस्व संग्रहण में वृद्धि तथा नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए यह मॉड्यूल विकसित किया गया है। यह मॉड्यूल कर चोरी, फर्जी बिलिंग, बिना बिल के व्यापार, अवैध गोदाम, कर संबंधी अनियमितताओं एवं अन्य संदिग्ध गतिविधियों की सूचना सीधे विभाग तक सुरक्षित एवं सरल माध्यम से उपलब्ध कराने की सुविधा प्रदान करेगा।

पारदर्शी प्रक्रिया- श्री देवड़ा ने विभाग को मॉड्यूल की बेहतर मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि मॉड्यूल से प्राप्त सूचनाओं का विभाग द्वारा विश्लेषण एवं सत्यापन किया जाएगा तथा आवश्यकतानुसार नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्राप्त सूचनाओं के निराकरण की स्थिति एवं विभाग द्वारा की गई कार्रवाई से संबंधित जानकारी नागरिक पोर्टल पर उपलब्ध डैशबोर्ड के माध्यम से साझा की जाएगी। इससे प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित हो सकेगी।

नागरिकों से अपील- आयुक्त वाणिज्यिक कर श्री अनय द्विवेदी ने नागरिकों से अपील की है कि राज्यहित में इस मॉड्यूल का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करें तथा कर अपवंचन की रोकथाम एवं राजस्व वृद्धि में सहभागी बनें। नागरिकों द्वारा प्रदान की गई उपयोगी एवं तथ्यात्मक जानकारी राज्य के राजस्व संरक्षण, कर अपवंचन पर प्रभावी नियंत्रण तथा कर प्रशासन को अधिक पारदर्शी एवं उत्तरदायी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। नागरिकों की सक्रिय सहभागिता से राज्य में निष्पक्ष एवं पारदर्शी व्यापारिक वातावरण को बढ़ावा मिलेगा तथा शासन की विकासात्मक योजनाओं के लिए आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। विस्तृत जानकारी के लिए लिंक- mptax.mp.gov.in पर क्लिक करें।

कलेक्टर ने दिए चिह्नित जर्जर भवनों को डिस्मेंटल करने के निर्देश

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर अदिती गर्ग की अध्यक्षता में साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक सुशासन भवन स्थित सभागार में आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर एकता जायसवाल, जिला पंचायत सीईओ अनुकूल जैन सहित सभी जिला अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि संबल पंजीयन अंतर्गत अनुग्रह सहायता राशि से संबंधित लंबित प्रकरणों का सीएमओ एवं जनपद पंचायतों के सीईओ प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें, ताकि पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ मिल सके। कलेक्टर ने शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि सभी स्कूलों में जर्जर भवनों का सर्वे कर उन्हें चिन्हित किया जाए। जर्जर भवनों में विद्यार्थियों को न बैठाया जाए और न ही वहां शैक्षणिक गतिविधियां संचालित की जाएं। साथ ही स्कूल भवनों के आवश्यक मरम्मत एवं मेंटेनेंस कार्य समय पर कराए जाएं। सभी नगरीय निकायों को भी अपने क्षेत्र के जर्जर भवनों को चिन्हित कर आवश्यकतानुसार उन्हें ध्वस्त (डिस्मेंटल) करने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि जून माह से जिले के सभी विकासखंडों में राहगीर अभियान प्रारंभ किया जाएगा। अभियान के सफल संचालन हेतु सभी एसडीएम को आवश्यक तैयारियां करने तथा पटवारियों को प्रशिक्षित कर अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने लोक सेवा गारंटी अधिनियम की समीक्षा करते हुए कहा कि ऐसे प्रकरण जो निर्धारित समय सीमा के बाद निराकृत किए गए हैं, उनमें संबंधित अधिकारियों पर प्रति प्रकरण 5 हजार रुपये का जुर्माना अधिरोपित किया जाएगा। उन्होंने सभी अधिकारियों को समय-सीमा में प्रकरणों के निराकरण के निर्देश दिए। बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति एवं लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए गए।

जीतू पटवारी, हरीश चौधरी और मीनाक्षी नटराजन समेत कई दिग्गज नेता नीमच में, कांग्रेस का दो दिवसीय मंथन

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने और आगामी राजनीतिक चुनौतियों के लिए कार्यकर्ताओं को तैयार करने के उद्देश्य से जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा 2 एवं 3 जून को शहर के मंगलम रिसोर्ट में दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है। करीब दस वर्षों बाद जिले में इस स्तर का बड़ा संगठनात्मक आयोजन होने जा रहा है, जिसे लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों में उत्साह का माहौल है। शिविर में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन, प्रदेश प्रशिक्षण प्रभारी महेंद्र जोशी सहित कई वरिष्ठ नेता भाग लेंगे और विभिन्न सत्रों में कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन देंगे। आयोजन में जिलेभर के ब्लॉक अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, नगर अध्यक्ष और संगठन के प्रमुख पदाधिकारी शामिल होंगे। करीब 110 प्रतिनिधियों की सहभागिता प्रस्तावित है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर में कांग्रेस की विचारधारा, संगठन विस्तार, नेतृत्व विकास, जनसंपर्क कौशल, चुनावी प्रबंधन और जनहित के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। कार्यकर्ताओं को संगठन की रीति-नीति और भविष्य की कार्ययोजना से अवगत कराया जाएगा ताकि वे अधिक प्रभावी ढंग से जनता के बीच अपनी भूमिका निभा सकें। शिविर ऐसे समय आयोजित हो रहा है जब प्रदेश की राजनीति में भाजपा और कांग्रेस के बीच बयानबाजी का दौर तेज है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के हालिया बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए तरुण बाहेती ने कहा कि इस तरह की भाषा मुख्यमंत्री के राजनीतिक संस्कारों को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि जीतू पटवारी लगातार जनता से जुड़े मुद्दे उठा रहे हैं और सरकार की नाकामियों को उजागर कर रहे हैं, जिससे भाजपा नेतृत्व असहज दिखाई दे रहा है। बाहेती ने बताया कि आयोजन की लगभग सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उनका कहना है कि यह प्रशिक्षण शिविर केवल संगठनात्मक कार्यक्रम नहीं बल्कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को नई वैचारिक दिशा, ऊर्जा और राजनीतिक समझ देने का महत्वपूर्ण मंच साबित होगा। कांग्रेस नेतृत्व को उम्मीद है कि इस मंथन शिविर से निकलने वाली रणनीति जिले में संगठन को नई मजबूती प्रदान करेगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना में गड़बड़ी पर बड़ी कार्रवाई: थड़ोद पंचायत की तत्कालीन सरपंच-सचिव पर वसूली के आदेश

28 पृष्ठीय आदेश में जिला पंचायत सीईओ अमन वैष्णव ने तय की जवाबदेही, लाखों रुपये की अनियमितताओं का मामला

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में नीमच जिला पंचायत ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जावद जनपद की ग्राम पंचायत थड़ोद में सामने आई वित्तीय अनियमितताओं पर सख्त निर्णय लिया है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अमन वैष्णव ने विस्तृत जांच और पक्षकारों की सुनवाई के बाद 28 पृष्ठों का आदेश जारी कर तत्कालीन सरपंच, पंचायत सचिव एवं संबंधित जिम्मेदार व्यक्तियों की जवाबदेही निर्धारित की है।

मामला प्रधानमंत्री आवास योजना, पंचायत निधि एवं विभिन्न विकास कार्यों में कथित वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ा है। ग्रामीणों की शिकायत पर प्रारंभ हुई जांच में कई ऐसे तथ्य सामने आए, जिनमें हितग्राहियों के खातों से राशि निकासी, भुगतान संबंधी अभिलेखों में विसंगतियां, निर्माण कार्यों के भुगतान में अनियमितता तथा पंचायत निधि के उपयोग को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े हुए। आदेश में इन बिंदुओं पर विस्तृत परीक्षण के बाद जिम्मेदार अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की भूमिका का परीक्षण किया गया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों की शिकायत बनी जांच का आधार

प्रकरण की शुरुआत ग्राम पंचायत थड़ोद के ग्रामीणों और हितग्राहियों द्वारा की गई शिकायतों से हुई। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों से राशि की मांग की गई तथा कुछ मामलों में उनके खातों से निकाली गई राशि का समुचित उपयोग नहीं हुआ। जांच के दौरान लाभार्थियों के बयान, बैंक खातों से संबंधित दस्तावेज, पंचायत रिकॉर्ड एवं अन्य अभिलेखों का परीक्षण किया गया।

जांच में यह भी सामने आया कि कई भुगतानों के संबंध में पर्याप्त दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके, जबकि कुछ मामलों में भुगतान और कार्य निष्पादन के बीच स्पष्ट विसंगतियां पाई गईं। जिला पंचायत ने इन्हें प्रशासनिक और वित्तीय दृष्टि से गंभीर माना है।

विकास कार्यों के भुगतान पर भी उठे सवाल

आदेश में पंचायत द्वारा कराए गए निर्माण एवं विकास कार्यों की वित्तीय प्रक्रिया का भी परीक्षण किया गया। जांच के दौरान कई ऐसे भुगतान सामने आए जिनके समर्थन में आवश्यक तकनीकी दस्तावेज, माप पुस्तिका अथवा कार्य पूर्णता संबंधी रिकॉर्ड संतोषजनक रूप से उपलब्ध नहीं थे। कुछ मामलों में राशि व्यय होने के बावजूद नियमानुसार अभिलेखों का संधारण नहीं पाया गया।

सीईओ अमन वैष्णव ने तय की वित्तीय जवाबदेही

जिला पंचायत सीईओ अमन वैष्णव द्वारा पारित आदेश में तत्कालीन सरपंच मुन्नीबाई पति कैलाशचंद धाकड़, तत्कालीन पंचायत सचिव तथा अन्य संबंधित व्यक्तियों की भूमिका का परीक्षण करते हुए वित्तीय उत्तरदायित्व निर्धारित किया गया है। आदेश में विभिन्न मदों में हुई वित्तीय क्षति की राशि की वसूली तथा नियमानुसार विभागीय कार्रवाई की अनुशंसा की गई है।

सूत्रों के अनुसार आदेश में पंचायत स्तर पर वित्तीय अनुशासन, अभिलेखों के रख-रखाव और शासकीय योजनाओं की राशि के उपयोग में जवाबदेही सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया है।

जिले में बना चर्चा का विषय

थड़ोद पंचायत का यह मामला अब जिले में चर्चा का विषय बन गया है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से जुड़े अधिकारियों का मानना है कि यह आदेश प्रदेशभर की पंचायतों के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश है कि शासकीय योजनाओं में अनियमितता और सार्वजनिक धन के दुरुपयोग को अब गंभीरता से लिया जा रहा है।

विशेषज्ञों का कहना है कि जिला पंचायत द्वारा जारी यह 26 पृष्ठीय आदेश भविष्य में पंचायतों की वित्तीय जवाबदेही तय करने वाले महत्वपूर्ण प्रशासनिक दस्तावेजों में गिना जाएगा। वहीं ग्रामीणों को उम्मीद है कि इस कार्रवाई से पंचायत स्तर पर पारदर्शिता बढ़ेगी और योजनाओं का लाभ वास्तविक हितग्राहियों तक पहुंचेगा।

जनभागीदारी अध्यक्ष नरेश चंदवानी की मेहनत से पीजी कॉलेज में स्वीकृत हुआ एमबीए और एमसीए कोर्स

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय महाविद्यालय मंदसौर में अब विद्यार्थी प्रोफेशनल कोर्स एमबीए और एमसीए भी कर सकेंगे इसके लिए स्वीकृति 1 जून 2026 सोमवार को उज्जैन से मंदसौर महाविद्यालय को प्राप्त हुई। मंदसौर शासकीय महाविद्यालय की जनभागीदारी के पूर्व अध्यक्ष नरेश चंदवानी ने बताया कि लम्बी कागजी लड़ाई के बाद मंदसौर को यह उपलब्धि मिली है। अब मंदसौर के कमजोर वर्ग के छात्र छात्राएं भी एमबीए, एमसीए जैसे प्रोफेशनल कोर्स बेहद नाम मात्र की फीस में करके अपना भविष्य बना सकेंगे। श्री चंदवानी ने बताया कि पूर्व में जनभागीदारी के प्रयासों से बीबीए और बीसीए जैसे कोर्स महाविद्यालय में संचालित हो रहे थे अब मास्टर डिग्री के रूप में एमबीए और एमसीए की स्वीकृति भी मिल गई इससे जिले भर के विद्यार्थियों में खुशी की लहर है। अभी दोनों कोर्स के लिए 30 - 30 सीटें आवंटित हुई है। इस बडी उपलब्धि को देने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केन्द्रीय उच्च शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान, ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ टेक्नीकल एजुकेशन के चेयरमेन सीतारमणजी, उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, उच्च शिक्षा मंत्री इंदरसिंह परमार, लोकसभा सांसद सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसौदिया का आभार जिनका इस कार्य में सरहानीय योगदान रहा।

सुश्री अंकिता पण्डया को मिला उप संचालक सामाजिक न्याय का अतिरिक्त प्रभार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा कार्यालयीन आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, जिला नीमच एवं रेडक्रास का प्रभार परिवर्तित किया गया है। कलेक्टर द्वारा कार्यालयीन आदेश दिनांक 23 सितंबर 2025 द्वारा डिप्टी कलेक्टर श्री पराग जैन को उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग जिला नीमच एवं रेडक्रास का प्रभार सौंपा गया था। अब उक्त आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए यह प्रभार सुश्री अंकिता पण्डया, प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला बाल विकास, नीमच को अपने वर्तमान कार्य के साथ-साथ आगामी अन्य आदेश होने तक सौंपा गया है। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

सम्पादकीय

एचडीएफसी बैंक पर फिर उठे सवाल, नियामकीय पारदर्शिता पर बढ़ी चिंता

देश में निजी क्षेत्र के सबसे बड़े ऋणदाता और भारतीय शेयर बाजारों में सूचीबद्ध दूसरी सबसे बड़ी इकाई एचडीएफसी बैंक को इस वर्ष दूसरी बार संचालन संबंधी चिंताओं का सामना करना पड़ रहा है। ताजा मामले की बात करें तो द इंडियन एक्सप्रेस की पिछले हफ्ते की रिपोर्ट के अनुसार एक आंतरिक जांच में पाया गया कि बैंक ने 2023-24 और 2024-25 के दौरान महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम (एमएसआरडीसी) को विपणन खर्चों से लगभग 45 करोड़ रुपये का भुगतान किया जिसे 'ब्याज अंतर' के रूप में दिखाया गया।

ऐसा लगता है कि बैंक ने एमएसआरडीसी को थोक जमा प्राप्त करने के लिए उच्च ब्याज दर का वादा किया था, लेकिन राशि को ब्याज के रूप में जमा करने के बजाय विपणन खर्चों के माध्यम से भेजा गया। यह भी रिपोर्ट किया गया कि बैंक का शीर्ष प्रबंधन इस घटनाक्रम से अवगत था। जमा जुटाने में अक्सर तीव्र प्रतिस्पर्धा होती है, विशेषकर चालू खाते और बचत खाते (कासा) के लिए।

नियम यह अनुमति नहीं देते कि जमा करने वालों के साथ ब्याज दरों पर मोलतोल की जाए। भारतीय रिजर्व बैंक के जमा पर ब्याज दरों संबंधी मास्टर निर्देश में कहा गया है कि वाणिज्यिक बैंकों को थोक जमा के लिए ब्याज दर कार्ड बनाए रखने होंगे जिन पर जमाकर्ता और बैंक के बीच मोलतोल नहीं की जा सकती। स्वाभाविक रूप से पिछले सप्ताह की समाचार रिपोर्ट पर शेयर बाजार ने नकारात्मक प्रतिक्रिया दी।

यद्यपि बैंक ने एक बयान जारी किया लेकिन उसने हितधारकों की चिंताओं का पर्याप्त समाधान नहीं किया। बैंक ने तर्क दिया कि सभी मुद्दों का निपटारा स्थापित मानदंडों के अनुसार किया गया है और उसने किसी भी गलत काम की धारणा को खारिज कर दिया।

हालात का तकाजा था कि स्पष्ट रूप से बताया जाए कि रिपोर्ट सही है या नहीं और क्या ऋणदाता ने किसी नियामक मानदंड का उल्लंघन किया है। यदि बैंक ने वास्तव में भुगतान किया है, जैसा कि रिपोर्ट में कहा गया है, तो यह प्रश्न बना रहता है कि क्या अन्य खातों को प्राप्त करने के लिए भी इसी मॉडल का पालन किया गया या यह एक अलग घटना थी।

वास्तव में, केवल बैंक ही नहीं बल्कि रिजर्व बैंक को भी अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। चूंकि केंद्रीय बैंक समय-समय पर बैंकों के बहीखातों का निरीक्षण करता है तो सवाल उठेगा कि क्या नियामक ने इस तरह की किसी चीज पर ध्यान दिया? यदि नहीं तो उसे अपनी विनियमित संस्थाओं पर पर्यवेक्षण के दायरे का विस्तार करने पर विचार करना चाहिए।

रिपोर्ट की गई घटना गंभीर चिंता पैदा करती हैं क्योंकि बैंक के अंशकालिक अध्यक्ष और स्वतंत्र निदेशक अतनु चक्रवर्ती ने मार्च में इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने अपने इस्तीफे में उल्लेख किया कि बैंक की कुछ प्रथाएं उनके मूल्यों और नैतिक मानकों के अनुरूप नहीं थीं। चक्रवर्ती के इस्तीफे के कुछ दिनों बाद बैंक ने गलत तरीके से उत्पाद बेचने की चिंताओं के चलते कुछ अधिकारियों से पद छोड़ने को कहा। अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि चक्रवर्ती की वास्तविक चिंताएं क्या थीं। इस मामले में नियामक की भूमिका पर भी सवाल उठे।

अब नए प्रश्न उठे हैं तो बैंक को सभी संबंधित मुद्दों का समाधान करना चाहिए। यह मानना आवश्यक है कि बैंकिंग कोई साधारण व्यवसाय नहीं है। बैंकिंग व्यवसाय की बुनियादी संरचना विश्वास पर आधारित है और इसे हर समय बनाए रखना महत्वपूर्ण है। संचालन संबंधी चिंताएं हितधारकों के विश्वास को प्रभावित कर सकती हैं, जिससे बैंक के लिए गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। यह भी ध्यान देने योग्य है कि किसी एक बैंक में भी कमजोरी व्यापक वित्तीय प्रणाली के लिए प्रणालीगत जोखिम पैदा कर सकती है।

इसी कारण से बैंक सख्ती से विनियमित होते हैं और यह जिम्मेदारी नियामक पर भी आती है कि वह सुनिश्चित करे कि प्रणाली सुचारु रूप से कार्य करे। यह समझा जा सकता है कि नियामक किसी विशेष बैंक की कमियों को सार्वजनिक नहीं करना चाहता, क्योंकि इससे घबराहट फैल सकती है। लेकिन नियामक को हितधारकों को आश्वस्त करना चाहिए कि वह विनियमित इकाई के भीतर उन मुद्दों को संबोधित कर रहा है जिनकी व्यापक रूप से रिपोर्ट की गई है। वर्तमान संदर्भ में, बैंक प्रबंधन को सामने आकर सभी चिंताओं का समाधान करना चाहिए। यदि लापरवाही हुई है, तो उचित कार्रवाई की जानी चाहिए और प्रणालियों को मजबूत किया जाना चाहिए ताकि पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

महंगाई की चक्की में पिसता वो अनाज, जिसकी रोटी सब खा रहे हैं

भारत की आर्थिक कहानी में एक ऐसा पात्र है जो हर अध्याय में मौजूद रहता है, लेकिन जिसकी पीड़ा अक्सर फुटनोट बनकर रह जाती है। यह पात्र है–मध्य वर्ग। यह वही जीवन है जो हर सुबह उम्मीद जोड़ता है और हर रात हिसाब में उलझकर टूटता थोड़ा और है। विकास, कर और उपभोग की सबसे भारी जिम्मेदारी इसी के कंधों पर है, फिर भी सुविधाएँ इसके हिस्से में हमेशा कम पड़ जाती हैं। न यह इतना कमजोर है कि योजनाओं का पूरा लाभ ले सके, न इतना सक्षम कि महंगाई और करों का दबाव सहज झेल पाए–इसलिए, यह लगातार सिकुड़ती आर्थिक खाई में फँसता जा रहा है। वर्ष 2026 में स्थिर आय, बढ़ती कीमतें और ईंधन का बोझ इसे और अधिक नीरव पीड़ा में धकेल रहे हैं।

अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाने वाला मध्य वर्ग आज उसी व्यवस्था के सबसे तीखे दबाव में है–विडंबना यह कि जिस मशीन को वह चलाता है, उसका सबसे भारी बोझ भी वही उठाता है। उपभोग, कर और नकदी प्रवाह की धुरी होने के बावजूद उसकी आय का अधिकांश हिस्सा रोज़मर्रा खर्चों में ही समाप्त हो जाता है; शहरों में किराया कमाई को निगलता है, ईएमआई आय को जकड़ती है, राशन और शिक्षा का बढ़ता खर्च लगातार दबाव बनाता है। कर राहतें महंगाई की रफ्तार के आगे कमजोर पड़ जाती हैं, जिससे बचत घटती है और भविष्य और अधिक अनिश्चित होता जाता है।

कीमतों की चुपचाप उठती लहरें सबसे पहले मध्य वर्ग की जेब से टकराती हैं, क्योंकि उसके पास बचाव की गुंजाइश सबसे कम होती है। पेट्रोल–डीजल महँगा होता है तो असर सिर्फ गाड़ी तक नहीं रहता–परिवहन से लेकर रसोई, बाजार और हर जरूरी सेवा की कीमतें ऊपर चढ़ जाती हैं। सब्जी, दूध, दाल और रोज़मर्रा का सामान लगातार बजट को अस्थिर करता रहता है, जबकि आय उसी रफ्तार से नहीं बढ़ती। चिकित्सा खर्च तेज़ी से बढ़ रहा है और शिक्षा की लागत भी हर साल नई ऊँचाई छू रही है। न मुफ्त इलाज का सहारा है, न पूरी तरह सस्ती शिक्षा का विकल्प–हर सेवा का पूरा मूल्य चुकाकर ही यह वर्ग अपनी जरूरतें पूरी करता है।

करों की अदृश्य परतें जब आम जीवन पर चढ़ती हैं, तो सबसे पहले मध्य वर्ग की सांसें भारी हो जाती हैं। आयकर का सबसे बड़ा हिस्सा देने के बावजूद यह वर्ग लाभों की कतार में अक्सर पीछे रह जाता है। एक ओर गरीब वर्ग को योजनाओं और सब्सिडी का सहारा मिलता है, दूसरी ओर संपन्न वर्ग कर-योजनाओं से राहत निकाल लेता है–पर इनके बीच खड़ा मध्य वर्ग न पर्याप्त सहायता पा पाता है, न कर बचाने की सुविधा। बिजली, पानी, किराया और हर उपभोग वस्तु पर सीधे-परोक्ष करों का दबाव उसकी जेब को लगातार हल्का करता रहता है। नतीजतन, आय बढ़ने के बावजूद उसकी वास्तविक खरीद क्षमता धीरे-धीरे घटती जाती है।

सपनों की बुनियाद माने जाने वाले आवास और शिक्षा आज मध्य वर्ग के लिए सबसे बड़ी आर्थिक चुनौती बन चुके हैं। महानगरों में किराया इतना बढ़ गया है कि आय का बड़ा हिस्सा सिर्फ छत बचाने में ही निकल जाता है, जबकि घर खरीदने का सपना लंबी ईएमआई और भारी ब्याज के बोझ में उलझकर रह जाता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा भी अब सस्ती नहीं रही–स्कूल फीस, परिवहन, कोचिंग और गतिविधियों के खर्च मिलकर परिवार के बजट को लगातार दबाते रहते हैं। इसी तरह स्वास्थ्य क्षेत्र में बढ़ते बीमा प्रीमियम और सीमित कवरेज हर अचानक बीमारी को आर्थिक अस्थिरता का कारण बना देते हैं, जिससे वर्षों की योजना पल भर में बिखर सकती है।

आर्थिक दबाव अब सिर्फ खातों की गणना नहीं रहा, यह जीवन की सोच और मनोस्थिति तक उतर आया है। बेहतर जीवन की चाह में लोग कर्ज और ईएमआई के ऐसे जाल में उलझते जा रहे हैं, जहाँ इच्छाएँ बार-बार टलती हैं और जरूरतें लगातार आगे खिसकती जाती हैं। भविष्य के लिए बचत और निवेश की योजनाएँ आज के खर्चों के सामने कमजोर पड़ जाती हैं, जिससे सुरक्षा की भावना धीरे-धीरे धुंधली होती जाती है। युवा पीढ़ी इस असंतुलन को देखकर भरोसे की जगह उलझन महसूस कर रही है–शिक्षा, नौकरी और स्थिरता के पुराने भरोसे अब पहले जैसे मजबूत नहीं रहे। यह स्थिति केवल आय-व्यय का अंतर नहीं, बल्कि उम्मीदों और हकीकत के बीच गहराती खामोश दूरी का संकेत है।

यह स्थिति केवल घरों की सीमाओं में कैद नहीं रहती, बल्कि पूरे देश की आर्थिक धड़कन को प्रभावित करती है। जैसे ही मध्य वर्ग की क्रय शक्ति घटती है, बाजार की रफ्तार धीमी पड़ने लगती है, उपभोग कम होता है और विकास की गति पर सीधा असर दिखता है। इसलिए इसकी समस्याओं को व्यक्तिगत बोझ मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जरूरत है वास्तविक कर सुधार, महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण, स्वास्थ्य–शिक्षा में लक्षित राहत, ईंधन करों में संतुलन और किफायती आवास नीतियों की। अगर अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहे जाने वाले इस वर्ग को स्थिरता नहीं मिली, तो विकास की पूरी संरचना धीरे-धीरे कमजोर पड़ सकती है।

राष्ट्र निर्माण की धुरी अब एक नए दृष्टिकोण की माँग कर रही है, जहाँ मध्य वर्ग को केवल करदाता नहीं बल्कि वास्तविक भागीदार माना जाए। वर्षों से यह वर्ग विकास की कीमत चुकाता आया है, लेकिन अब उसके धैर्य और क्षमता दोनों की सीमाएँ स्पष्ट होने लगी हैं। जो वर्ग अर्थव्यवस्था को गति देता है, वही यदि असुरक्षा, कर्ज और अनिश्चितता के दबाव में आ जाए, तो यह स्थिति पूरे देश के लिए चेतावनी बन जाती है। जैसे शरीर की ताकत रीढ़ पर टिकी होती है, वैसे ही किसी राष्ट्र की स्थिरता मध्य वर्ग पर निर्भर करती है–और यदि यही रीढ़ कमजोर पड़ जाए, तो विकास की चमक भी लंबे समय तक कायम नहीं रह सकती।

-प्रो. आरके जैन

शहरी विकास का अधूरा आधार

अधिकांश विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में शहर वह जगह होती हैं जहां उत्पादकता से जुड़े काम होते हैं, मजदूरी-पगार ज्यादा होती है और आर्थिक वृद्धि तेजी से होती है। भारत तेजी से शहरीकरण की ओर बढ़ रहा है और इसके शहरी केंद्र इस वृद्धि को बड़े पैमाने पर समायोजित करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन एक ऐसा क्षेत्र है जहां शहरी नीतियां, इस अवसर के पैमाने के अनुसार नहीं ढल पाई हैं- वह है आवासीय क्षेत्र। समस्या यह नहीं है कि इसे नजरअंदाज किया गया बल्कि अक्सर इसे गलत तरीके से समझा गया और कभी-कभी तो इसे गलत श्रेणी में रखा गया है। सस्ते शहरी आवास को अक्सर कल्याणकारी नीति या सब्सिडी और परोपकार जैसे काम के बीच एक सामाजिक पुनर्वितरण व्यवस्था के रूप में देखा गया। यह दृष्टिकोण पूरी तरह से यह समझने में चूक करता है कि आवासीय क्षेत्र वास्तव में अर्थव्यवस्था में क्या भूमिका निभाता है। जैसे सड़कें या बिजली की आपूर्ति, शहर की उत्पादकता बढ़ाने के लिए आधार बनती हैं, वैसे ही आवास भी उस आधार का हिस्सा है जो एक उत्पादक शहर को सक्षम बनाता है। भारत में इसका अभाव केवल एक सामाजिक समस्या नहीं है बल्कि यह व्यापक आर्थिक अवसर से जुड़ी समस्या भी है और फिलहाल इस अवसर को भुनाने की कोशिश काफी हद तक नहीं हुई है। दिसंबर 2025 में नीति आयोग की एक समिति ने, संयुक्त राष्ट्र के घरेलू संकट प्रारूप का उपयोग करते हुए, महानगरों, शहरी और कस्बाई क्षेत्रों में 5 से 7 करोड़ आवास की कमी का अनुमान लगाया। वहीं, सीआईआई-नाइट फ्रैंक की एक अनुमान वाली रिपोर्ट में इस समस्या को और गंभीर बताया गया। सबसे रूढ़िवादी अनुमान के अनुसार, वर्ष 2030 तक शहरों में करीब 3.12 करोड़ आवास की कमी होगी। सरकार की 'सबके लिए आवास' कार्यक्रम की योजना के तहत वर्ष 2029 तक 1 करोड़ शहरी आवास जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है जो कुछ हिस्से की जरूरतों को पूरा करेगा लेकिन अधिकांश अंतर वास्तव में संरचनात्मक सुधारों की मांग करता है। आर्थिक तर्क भी स्पष्ट और केवल भारत तक सीमित नहीं है। किसी भी अर्थव्यवस्था में आवास सबसे अधिक नेटवर्क वाले क्षेत्रों में से एक है। इसके तार सीमेंट, स्टील, लॉजिस्टिक्स, पेंट और वित्तीय सेवाओं तक फैले हैं। वर्ष 1995 से 2009 के बीच 45 देशों में किए गए आईएलओ के एक महत्वपूर्ण अध्ययन में पाया गया कि निर्माण क्षेत्र में आर्थिक उत्पादन का गुणक हमेशा पूरे अर्थव्यवस्था के औसत से अधिक रहा, चाहे किसी भी आय वर्ग का देश हो। मध्य आय वाले देशों में हर 10 लाख डॉलर निवेश पर लगभग 3.6 गुना आर्थिक उत्पादन हुआ। भारत के अपने आंकड़े भी इस क्षेत्र की ताकत को दिखाते हैं। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में निर्माण क्षेत्र ने 8.6 फीसदी वास्तविक जीवीए वृद्धि दर्ज की जो प्रमुख क्षेत्रों में सबसे अधिक थी। सवाल यह नहीं है कि निर्माण से वृद्धि होती है या नहीं बल्कि सवाल यह है कि क्या भारत यह निवेश उस हिस्से में कर रहा है जहां जरूरत और गुणक सबसे अधिक हैं।

-धनंजय राजौरा

क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता कोरा बुलबुला है या वास्तविक चुनौती?

मानव सभ्यता के इतिहास में कुछ ऐसी क्रांतियां हुई हैं जिन्होंने जीवन की दिशा और दशा दोनों को बदल दिया। कृषि क्रांति ने मनुष्य को स्थायित्व दिया, औद्योगिक क्रांति ने उत्पादन और श्रम की परिभाषा बदली, सूचना क्रांति ने ज्ञान और संचार की सीमाएं समाप्त कर दीं। अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई की क्रांति मानव इतिहास के एक नए मोड़ पर खड़ी है। यह केवल एक तकनीकी परिवर्तन नहीं है, बल्कि मनुष्य की बुद्धि, निर्णय क्षमता, रोजगार, सामाजिक संरचना, शासन व्यवस्था और यहां तक कि उसके अस्तित्व और अस्मिता से जुड़ा प्रश्न बन चुकी है। यही कारण है कि आज विश्वभर में यह बहस तेज हो रही है कि क्या एआई मानव जीवन के लिए वरदान सिद्ध होगी या यह धीरे-धीरे मनुष्य के महत्व को ही चुनौती देने लगेगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल मशीनों को चलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह उन कार्यों को भी करने लगी है जिन्हें लंबे समय तक केवल मनुष्य की विशिष्ट क्षमता माना जाता था। लेखन, चित्र निर्माण, संगीत रचना, रोगों का निदान, न्यायिक विश्लेषण, वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रशासनिक निर्णय जैसे क्षेत्रों में इसकी बढ़ती उपस्थिति ने अनेक नए प्रश्न खड़े कर दिए हैं। यदि मशीनें सोचने, सीखने और निर्णय लेने लगेंगी तो मनुष्य की विशिष्टता क्या रह जाएगी? यह प्रश्न केवल तकनीकी नहीं, बल्कि दार्शनिक और नैतिक भी है।

मानव अस्मिता का आधार उसकी चेतना, संवेदना, रचनात्मकता और नैतिक विवेक है। एआई के पास विशाल सूचनाओं का भंडार और तीव्र गणनात्मक क्षमता अवश्य है, लेकिन उसके पास अनुभवजन्य चेतना, करुणा, आत्मबोध और मूल्यबोध नहीं है। फिर भी जब मशीनें कविता लिखती हैं, चित्र बनाती हैं और संवाद करती हैं, तब यह भ्रम उत्पन्न होने लगता है कि वे मनुष्य का स्थान ले सकती हैं। वास्तव में चुनौती यह नहीं है कि मशीनें मनुष्य बन जाएंगी, बल्कि यह है कि कहीं मनुष्य स्वयं मशीनों की तरह व्यवहार करने न लगे। यदि जीवन का प्रत्येक निर्णय गणनात्मक दक्षता और आंकड़ों के आधार पर होने लगे, तो मानवीय संवेदनाएं और नैतिक मूल्य हाशिये पर जा सकते हैं। इसी संदर्भ में एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उभरता है कि क्या भविष्य में एक नई मानव संरचना का निर्माण होगा? विश्व के अनेक वैज्ञानिक और तकनीकी चिंतक यह मानते हैं कि आने वाले दशकों में जैविक मनुष्य और डिजिटल तकनीक के बीच की दूरी लगातार कम होगी। मस्तिष्क और कंप्यूटर के प्रत्यक्ष संपर्क, कृत्रिम अंगों, स्मृति-विस्तार तकनीकों और जैव-तकनीकी हस्तक्षेपों के माध्यम से एक ऐसे युग की कल्पना की जा रही है जहां मनुष्य और मशीन का सम्मिलित स्वरूप विकसित हो सकता है। यह संभावना जितनी आकर्षक दिखाई देती है, उतनी ही चिंताजनक भी है। यदि तकनीकी रूप से उन्नत मनुष्य और सामान्य मनुष्य के बीच गहरी खाई बन गई तो सामाजिक असमानता का एक नया रूप सामने आ सकता है।

एआई के बढ़ते प्रभाव के साथ रोजगार और अर्थव्यवस्था में भी व्यापक परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं। अनेक क्षेत्रों में नियमित और दोहराव वाले कार्य मशीनों द्वारा किए जाने लगे हैं। इससे यह आशंका उत्पन्न हुई कि बड़ी संख्या में रोजगार समाप्त हो जाएंगे। विश्व की कई बड़ी तकनीकी कंपनियों ने लागत कम करने और उत्पादकता बढ़ाने के नाम पर कर्मचारियों की संख्या घटाई है। किंतु हाल के अनुभव यह भी बताते हैं कि एआई मानव श्रम का पूर्ण विकल्प नहीं बन सकी है। जटिल निर्णय, नवाचार, मानवीय संबंधों का प्रबंधन और परिस्थितिजन्य विवेक जैसे क्षेत्रों में मनुष्य की भूमिका अभी भी केंद्रीय बनी हुई है। यहीं पर वैश्विक शोध संस्था गार्टनर की हालिया रिपोर्ट विशेष महत्व रखती है। गार्टनर ने अपनी नवीनतम विश्लेषणात्मक रिपोर्ट में संकेत दिया है कि एआई अब अत्यधिक अपेक्षाओं के शिखर से आगे बढ़कर मोहभंग के चरण में प्रवेश कर रही है। अनेक कंपनियों ने इससे तत्काल आर्थिक लाभ और उत्पादकता में चमत्कारी वृद्धि की उम्मीद की थी, लेकिन वास्तविक परिणाम अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं मिले। परियोजनाओं की ऊंची लागत, आंकड़ों की सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं, गलत या भ्रामक उत्तर देने की प्रवृत्ति और स्पष्ट उपयोगिता सिद्ध न कर पाने जैसी समस्याएं सामने आई हैं। रिपोर्ट में यह आशंका भी व्यक्त की गई है कि लगभग एक-तिहाई परियोजनाएं प्रारंभिक चरण के बाद बंद हो सकती हैं क्योंकि वे अपने निवेश के अनुरूप परिणाम देने में असफल रही हैं। यह निष्कर्ष इस धारणा को चुनौती देता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता तत्काल सभी समस्याओं का समाधान बन जाएगी।

हालांकि इसका अर्थ यह नहीं है कि एआई एक अस्थायी बुलबुला है जो शीघ्र ही समाप्त हो जाएगा। इतिहास बताता है कि हर बड़ी तकनीकी क्रांति के प्रारंभिक चरण में उत्साह और अतिशयोक्ति दोनों मौजूद रहते हैं। बाद में वास्तविक उपयोगिता के आधार पर उसका संतुलित विकास होता है। इंटरनेट के साथ भी यही हुआ था। प्रारंभिक उत्साह के बाद अनेक कंपनियां समाप्त हो गईं, लेकिन इंटरनेट स्वयं विश्व व्यवस्था का आधार बन गया। एआई के साथ भी कुछ ऐसा ही होने की संभावना है। अतः इसका अतिशयोक्तिपूर्ण महिमामंडन भी उचित नहीं है और इसके शीघ्र समाप्त हो जाने की कल्पना भी यथार्थवादी नहीं है। व्यापार जगत में एआई की भूमिका निरंतर बढ़ेगी। उत्पादन, विपणन, ग्राहक सेवा, वित्तीय विश्लेषण और आपूर्ति प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में इसका व्यापक उपयोग होगा। इससे कार्यों की गति और दक्षता बढ़ेगी, किंतु साथ ही कार्यबल के स्वरूप में परिवर्तन आएगा। भविष्य में केवल तकनीकी ज्ञान पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि समस्या समाधान, रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और भावनात्मक समझ जैसे गुण अधिक महत्वपूर्ण बनेंगे। इसलिए शिक्षा और कौशल विकास की पूरी व्यवस्था को नए सिरे से तैयार करना होगा।

प्रशासनिक क्षेत्र में भी एआई शासन को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने की क्षमता रखती है। नीतिगत विश्लेषण, संसाधनों का वितरण, स्वास्थ्य और शिक्षा योजनाओं का संचालन तथा आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में इसका उपयोग लाभकारी हो सकता है। लेकिन इसके साथ एक बड़ा खतरा भी जुड़ा है। यदि नागरिकों के व्यक्तिगत आंकड़ों का अत्यधिक संग्रह और विश्लेषण होने लगे तो निजता और स्वतंत्रता पर गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है। इसलिए, तकनीकी दक्षता और नागरिक अधिकारों के बीच संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक होगा। सैन्य क्षेत्र में एआई का प्रयोग सबसे अधिक चिंताजनक माना जा रहा है। स्वायत्त हथियार प्रणालियां, मानव रहित युद्धक उपकरण और लक्ष्य चयन करने वाली मशीनें युद्ध की प्रकृति को पूरी तरह बदल सकती हैं। यदि किसी मशीन को जीवन और मृत्यु का निर्णय करने की शक्ति मिल जाए तो नैतिक और मानवीय प्रश्न अत्यंत गंभीर हो जाएंगे। इसलिए विश्व स्तर पर ऐसी तकनीकों के नियमन और नियंत्रण की आवश्यकता लगातार महसूस की जा रही है।

इन सबके बीच सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि मानव जीवन सुरक्षित, संतुलित और सार्थक कैसे बना रहे? इसका उत्तर तकनीक के विरोध में नहीं, बल्कि उसके विवेकपूर्ण उपयोग में निहित है। एआई को मानव जीवन का स्वामी नहीं, सहायक बनाना होगा। शिक्षा प्रणाली में नैतिकता, संवेदनशीलता, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों को अधिक महत्व देना होगा। मनुष्य की भावनात्मक बुद्धिमत्ता, करुणा, सहानुभूति और आध्यात्मिक चेतना ही वे क्षेत्र हैं जिन्हें कोई मशीन प्रतिस्थापित नहीं कर सकती। साथ ही, वैश्विक स्तर पर ऐसे नियमों और नीतियों की आवश्यकता है जो एआई के विकास को मानव कल्याण की दिशा में नियंत्रित करें। यदि यह तकनीक केवल कुछ शक्तिशाली कंपनियों या राष्ट्रों के हितों तक सीमित रह गई तो असमानता और संघर्ष बढ़ सकते हैं। इसके विपरीत यदि इसका उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक विकास के लिए किया जाए तो यह मानवता के लिए अभूतपूर्व अवसरों का द्वार खोल सकती है।

अंततः एआई न तो पूर्णतः वरदान है और न ही अनिवार्य रूप से अभिशाप। यह एक शक्तिशाली साधन है जिसकी दिशा और परिणाम मनुष्य के विवेक पर निर्भर करेंगे। चुनौती मशीनों से नहीं, बल्कि इस बात से है कि क्या मनुष्य अपनी मानवीयता, संवेदनशीलता और नैतिक चेतना को सुरक्षित रख पाएगा। भविष्य का प्रश्न यह नहीं है कि एआई कितनी शक्तिशाली होगी, बल्कि यह है कि मनुष्य कितना सजग, उत्तरदायी और मूल्यनिष्ठ बना रहेगा। यदि मानवता तकनीकी प्रगति और मानवीय मूल्यों के बीच संतुलन स्थापित कर सकी, तो एआई मानव विकास का नया अध्याय लिखेगी अन्यथा वही तकनीक असंतुलन, असमानता और अस्तित्वगत संकट का कारण भी बन सकती है। यही हमारे समय की सबसे बड़ी चुनौती और सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

-ललित गर्ग

सहजयोग ध्यान अपने सत्य-असत्य स्वरूप को पहचानने में सहायक होता है

सहजयोग केवल एक ध्यान पद्धति नहीं, बल्कि आत्मसाक्षात्कार की एक जीवंत प्रक्रिया है। परम पूज्य माताजी श्री निर्मला देवी द्वारा स्थापित इस दिव्य साधना में मनुष्य अपने भीतर स्थित कुंडलिनी शक्ति के जागरण के माध्यम से चैतन्य का अनुभव करता है। जब साधक नियमित रूप से सहजयोग ध्यान करता है, तब उसके भीतर एक सूक्ष्म परिवर्तन प्रारंभ होता है। इसी परिवर्तन के साथ असत्य स्वरूप की पहचान होने लगती है।

सामान्य जीवन में मनुष्य स्वयं को शरीर, विचार, पद, प्रतिष्ठा और अहंकार तक सीमित मान लेता है। वह बाहरी संसार की वस्तुओं में सुख खोजता है और परिस्थितियों के अनुसार कभी प्रसन्न तो कभी दुखी होता रहता है। परंतु सहजयोग ध्यान के पश्चात साधक धीरे-धीरे अनुभव करता है कि यह सब स्थायी नहीं है। क्रोध, भय, लोभ, ईर्ष्या, असुरक्षा और अहंकार, ये सभी मन की अस्थायी अवस्थाएँ हैं, वास्तविक आत्मस्वरूप नहीं। जब कुंडलिनी जागृत होकर सहस्रार में चैतन्य प्रवाहित करती है, तब साधक के भीतर साक्षीभाव विकसित होने लगता है। वह अपने विचारों को देखने लगता है, उनसे जुड़ता नहीं। इसी अवस्था में मन के भ्रम और असत्य स्वरूप स्पष्ट दिखाई देने लगते हैं। जो बातें पहले अत्यंत महत्वपूर्ण लगती थीं, वे अब क्षणिक और माया का भाग प्रतीत होने लगती हैं।

सहजयोग में माया का अर्थ केवल संसार नहीं, बल्कि वह भ्रम है जो आत्मा और परमचैतन्य के बीच दूरी उत्पन्न करता है। जब ध्यान गहरा होता है, तब यह माया धीरे-धीरे हटने लगती है। साधक अनुभव करता है कि वास्तविक आनंद बाहरी उपलब्धियों में नहीं, बल्कि भीतर की शांति और चैतन्य में है। ध्यान के पश्चात व्यक्ति के व्यवहार में भी परिवर्तन दिखाई देता है। वह अधिक शांत, संतुलित और करुणामय बनता है। प्रतिक्रियाएँ कम होने लगती हैं और क्षमा का भाव बढ़ता है। अब वह दूसरों की कमियों में उलझने के बजाय स्वयं के आत्मचिंतन की ओर अग्रसर होता है। यही सहजयोग की निर्मल चेतना का प्रभाव है।

सहजयोग सिखाता है कि सत्य को केवल पढ़ा या समझा नहीं जा सकता, बल्कि उसे अनुभव किया जाता है। जब आत्मा का प्रकाश भीतर प्रकट होता है, तब असत्य अपने आप नष्ट होने लगता है। उस समय साधक को यह अनुभव होता है कि वास्तविक पहचान न शरीर है, न मन, बल्कि शुद्ध आत्मा है।

जब ट्रेंड तय करने लगे जनमत

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति जनमत होता है। यह जनमत किसी एक दिन या एक चुनाव के दौरान निर्मित नहीं होता, बल्कि समाज में निरंतर चलने वाले संवाद, बहस, विचार-विमर्श, सामाजिक अनुभवों, राजनीतिक चेतना और नागरिक भागीदारी की लंबी प्रक्रिया से आकार लेता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिकों का सूचित निर्णय, विभिन्न विचारों का आदान-प्रदान और असहमति के प्रति सम्मान अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। लंबे समय तक भारत में जनमत के निर्माण का आधार प्रत्यक्ष संवाद, जनसभाएँ, सामाजिक संगठन, समाचार-पत्र, पुस्तकें, शिक्षण संस्थान और जनआंदोलन रहे। लेकिन डिजिटल क्रांति के बाद यह परिदृश्य तेजी से बदला है। आज सोशल मीडिया केवल संवाद का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि वह जनमत निर्माण की सबसे प्रभावशाली शक्ति के रूप में उभरा है। ऐसे समय में यह प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या अब जनमत नागरिकों के स्वतंत्र चिंतन से अधिक सोशल मीडिया ट्रेंड और एल्गोरिदम द्वारा निर्धारित होने लगा है?

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और साथ ही दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल उपभोक्ता समूहों में से एक भी। करोड़ों लोग प्रतिदिन फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स, यूट्यूब, व्हाट्सएप और अन्य डिजिटल मंचों का उपयोग करते हैं। समाचारों से लेकर राजनीतिक विचारों तक, समाज के बड़े वर्ग की प्राथमिक जानकारी अब इन्हीं प्लेटफॉर्मों से प्राप्त होती है। यह परिवर्तन केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। पहले जहाँ नागरिक किसी मुद्दे पर अखबार पढ़कर, बहस सुनकर या स्थानीय स्तर पर चर्चा करके राय बनाते थे, वहीं अब राय निर्माण की प्रक्रिया काफी हद तक डिजिटल मंचों पर निर्भर हो गई है। इस प्रक्रिया में सोशल मीडिया एल्गोरिदम की भूमिका केंद्रीय हो गई है।

एल्गोरिदम ऐसे तकनीकी तंत्र हैं जो यह तय करते हैं कि किसी उपयोगकर्ता को कौन-सी सामग्री दिखाई जाएगी और कौन-सी नहीं। वे उपयोगकर्ता की पसंद, गतिविधियों, खोज इतिहास और ऑनलाइन व्यवहार का विश्लेषण करके सामग्री का चयन करते हैं। तकनीकी दृष्टि से उनका उद्देश्य उपयोगकर्ता को अधिक समय तक प्लेटफॉर्म पर बनाए रखना होता है, क्योंकि डिजिटल कंपनियों का आर्थिक मॉडल इसी पर आधारित है। लेकिन लोकतांत्रिक दृष्टि से यह प्रक्रिया कई गंभीर प्रश्न खड़े करती है। यदि नागरिकों को वही सामग्री दिखाई जाए जो उनकी पूर्व मान्यताओं से मेल खाती हो, तो क्या वे विविध विचारों से परिचित हो पाएँगे? यदि एल्गोरिदम यह तय करने लगें कि कौन-सा मुद्दा महत्वपूर्ण है, तो क्या लोकतांत्रिक विमर्श स्वतंत्र रह पाएगा?

आज सोशल मीडिया पर ट्रेंड होना किसी विषय की लोकप्रियता का प्रमुख संकेतक माना जाता है। कोई हैशटैग लाखों बार साझा हो जाए तो वह राष्ट्रीय चर्चा का विषय बन जाता है। कई बार ऐसा प्रतीत होता है कि जो ट्रेंड कर रहा है वही जनभावना का प्रतिनिधित्व कर रहा है। किंतु यह आवश्यक नहीं कि ट्रेंड वास्तव में समाज की व्यापक राय का प्रतिबिंब हो। अनेक बार ट्रेंड संगठित डिजिटल अभियानों, राजनीतिक प्रचार, भुगतान आधारित प्रचार रणनीतियों या बॉट नेटवर्क द्वारा भी निर्मित किए जाते हैं। ऐसे में यह समझना आवश्यक है कि डिजिटल दृश्यता और वास्तविक जनसमर्थन हमेशा समानार्थी नहीं होते।

जमीनी स्तर की राजनीतिक भागीदारी और डिजिटल सक्रियता के बीच का अंतर भी इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण है। भारत का लोकतांत्रिक इतिहास प्रत्यक्ष जनसहभागिता के अनेक उदाहरणों से भरा हुआ है। स्वतंत्रता आंदोलन में लोगों ने जेल यात्राएँ कीं, सत्याग्रह किए और सामाजिक परिवर्तन के लिए व्यक्तिगत जोखिम उठाए। बाद के दशकों में भी अनेक आंदोलनों ने नागरिकों को प्रत्यक्ष रूप से संगठित किया। इन आंदोलनों में लोगों के बीच संवाद, विश्वास और सामूहिकता का निर्माण होता था। इसके विपरीत डिजिटल सक्रियता अक्सर प्रतीकात्मक भागीदारी तक सीमित रह जाती है। किसी पोस्ट को साझा करना, किसी हैशटैग का समर्थन करना या प्रोफाइल फोटो बदलना आसान है, लेकिन यह हमेशा वास्तविक सामाजिक हस्तक्षेप में परिवर्तित नहीं होता। परिणामस्वरूप राजनीतिक भागीदारी का एक नया स्वरूप विकसित हुआ है जिसमें दृश्यता अधिक और प्रत्यक्ष सामाजिक प्रतिबद्धता अपेक्षाकृत कम दिखाई देती है।

सोशल मीडिया एल्गोरिदम का एक महत्वपूर्ण प्रभाव तथाकथित «इको चैंबर» और «फिल्टर बबल» के रूप में सामने आता है। जब कोई व्यक्ति किसी विशेष प्रकार की सामग्री देखता या पसंद करता है, तो एल्गोरिदम उसे उसी प्रकार की और सामग्री दिखाने लगते हैं। धीरे-धीरे वह व्यक्ति ऐसे डिजिटल वातावरण में पहुँच जाता है जहाँ उसे मुख्यतः वही विचार दिखाई देते हैं जिनसे वह पहले से सहमत होता है। इससे वैचारिक विविधता कम हो जाती है और विरोधी विचारों के प्रति असहिष्णुता बढ़ने लगती है। लोकतंत्र की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि नागरिक विभिन्न दृष्टिकोणों को सुनने और समझने के लिए तैयार हों। लेकिन यदि एल्गोरिदम नागरिकों को वैचारिक रूप से अलग-अलग खेमों में बाँट दें, तो लोकतांत्रिक संवाद की गुणवत्ता प्रभावित होना स्वाभाविक है।

भारत में राजनीतिक ध्रुवीकरण की बढ़ती प्रवृत्ति को भी इसी संदर्भ में देखा जा सकता है। सोशल मीडिया पर विभिन्न राजनीतिक समूह अपने-अपने डिजिटल समुदायों में सक्रिय रहते हैं। इन समुदायों के भीतर साझा की जाने वाली सामग्री अक्सर एक विशेष दृष्टिकोण को पुष्ट करती है और विरोधी विचारों को संदेह, उपहास या शत्रुता की दृष्टि से प्रस्तुत करती है। इससे समाज में संवाद की जगह टकराव की प्रवृत्ति बढ़ सकती है। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक और आवश्यक है, लेकिन जब असहमति संवाद के बजाय वैमनस्य का रूप लेने लगे तो लोकतांत्रिक संस्कृति कमजोर पड़ने लगती है।

फेक न्यूज़ और दुष्प्रचार का प्रश्न भी सोशल मीडिया एल्गोरिदम से गहराई से जुड़ा हुआ है। एल्गोरिदम उन सामग्रियों को अधिक बढ़ावा देते हैं जिन पर लोग तेजी से प्रतिक्रिया देते हैं। अक्सर भावनात्मक और सनसनीखेज सामग्री तथ्यात्मक और संतुलित सामग्री की तुलना में अधिक तेजी से फैलती है। यही कारण है कि झूठी खबरें, आधे-अधूरे तथ्य, भ्रामक वीडियो और मनगढ़ंत दावे सोशल मीडिया पर अत्यंत तेजी से वायरल हो जाते हैं।

-डॉ. प्रियंका सौरभ

अंतर्राष्ट्रीय तम्बाकू निषेध दिवस पर गायत्री परिवार की नशाबंदी हुंकार

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में देशभर में गायत्री परिवार की शाखाओं द्वारा 31 मई को अंतर्राष्ट्रीय तम्बाकू निषेध दिवस पर जोश और उमंग के साथ नशाबंदी आयोजनों के विविध कार्यक्रम संपन्न किए द्य कहीं रैलियां निकली, तो कहीं नुक्कड़ नाटक, तो कहीं स्कूल, कालेजों में नशाबंदी सेमिनार संपन्न हुए । दैनिक प्रभात फेरी में भी नारों के माध्यम से नशा मुक्ति का सन्देश दिया गया।

गायत्री परिवार के मीडिया प्रभारी विक्रमसिंह चौधरी ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी गायत्री शक्तिपीठ साकेत नगर देवास के मार्गदर्शन एवं सामाजिक न्याय विभाग की उप संचालक संगीता राठौर व नशा मुक्ति आंदोलन प्रभारी डॉ. रूपसिंह नागर के नेतृत्व में बाल संस्कार शाला के नन्हे मुन्ने बच्चों एवं गायत्री परिवार की बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं द्वारा गायत्री शक्तिपीठ की आसपास की कॉलोनी में जोरदार नारों के साथ रैली संपन्न हुई । नशा मुक्ति रैली में बच्चों के हाथ में नशा बंदी तख्तियां और जुबान पर जोरदार नशा मुक्ति नारे गूंज रहे थे जिससे हर कोई आमजन प्रभावित हुए बिना नहीं रह पा रहे थे । रैली गायत्री शक्तिपीठ से शुरू होती हुई गजरा गियर्स चौराहा, नूतन नगर, चामुंडा नगर, आदर्श नगर एवं साकेत नगर होती हुई पुनः गायत्री शक्तिपीठ पर सम्पन्न हुई द्य रैली में गायत्री शक्तिपीठ की देवकन्याएं और युग गायक डॉ. रूपसिंह नागर व दिनेश चौधरी द्वारा लगातार नशा बंदी गीतों ओर नारों की हुंकार भरी गई.....

नशा न करना मन को कहना- मेरे प्यारे भाई बहना होगी बड़ी खराबी।

बीड़ी पीकर खांस रहा हैं, मौत के आगे नाच रहा है-

गुटखा खाओ गाल गलाओ- अपनी अर्थी खुद सजवाओ-

जैसे नारों से गलियां और सड़के गूंज उठी द्य गजरा गियर्स चौराहे पर मानव श्रृंखला बनाकर दिया नशा बंदी का दिव्य संदेश द्य प्रातः दैनिक प्रभात फेरी में भी नारों के माध्यम से नशा मुक्ति का सन्देश देकर गीत और नारे के माध्यम से लोगों को जागृत करने का प्रयास किया गया द्य

गायत्री परिवार युवा प्रकोष्ठ के जिला समन्वयक प्रमोद निहाले ने अभियान पर जानकारी देते हुए बताया कि युवा प्रकोष्ठ गायत्री परिवार द्वारा विगत कई वर्षों से अनवरत रूप से इस अभियान पर कार्य कर रहा है, अभी तक लगभग 201 नशा मुक्ति आयोजन के माध्यम से लोगों को नशा बन्दी के संकल्प दिलाने में गायत्री परिवार युवा प्रकोष्ठ सफल हुआ है । प्रोजेक्टर फिल्म के माध्यम से स्कूल, कालेज एवं गांव गांव में लगातार नशा मुक्ति सेमिनार का आयोजन भी गायत्री परिवार देवास कर रहा है, जिसका बड़ा लाभ आमजन को प्राप्त हो रहा है द्य रैली के अन्त में उपस्थित आमजन को नशा मुक्त रहने की शपथ दिलाई गई द्य आयोजन को सफल बनाने में गायत्री परिवार के जिला समन्वयक बाबूलाल खंडेलवाल, देवास तहसील समन्वयक कांतिलाल पटेल, रमेशचन्द्र मोदी, सुभाष जैन, प्रदीप दुबे, विक्रमसिंह राजपूत, भरत चौधरी, राजेंद्र चौधरी, दिलीप सोलंकी, राधेश्याम चौधरी, श्रद्धा निहाले, मंजू पटेल, टीना सोलंकी, लक्ष्मण पटेल एवं महेंद्र राठौड़ सहित सैकड़ों परिजनों का सहयोग रहा द्य इस अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ के बाल संस्कार शाला के नन्हे मुन्ने बच्चों एवं गायत्री परिवार के परिजन उपस्थित थे द्य गायत्री शक्तिपीठ के सहायक मुख्य प्रबंध ट्रस्टी कन्हैयालाल मोहरी एवं प्रज्ञापीठ विजय नगर के मुख्य प्रबंध ट्रस्टी राजेंद्र पोरवाल ने आयोजन को सफल बनाने हेतु सभी का आभार व्यक्त किया।

क्षिप्रा स्थित प्लांट की 33 केवी विद्युत लाईन तेज हवा के कारण बंद होने से जलवितरण होगा प्रभावित

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आंधी-तूफान से 33 केवी लाइन बंद होने से टंकियों में पर्याप्त पानी नहीं होने से देवास में इन वार्डो मे होगा जल प्रदाय प्रभावित।

1 जून सोमवार को दोपहर 3ः35 बजे आए आंधी-तूफान के कारण शिप्रा प्लांट की 33 केवी लाइन शाम 8 बजे तक बंद रही। लाइन बंद होने से शिप्रा प्लांट से पानी की पंपिंग नहीं हो पाई, जिसके चलते शहर को मिलने वाला पानी टंकियों में पर्याप्त मात्रा में नहीं भर सका। नगर निगम जलप्रदाय विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार टंकियों में पानी की कमी के कारण मंगलवार और बुधवार को शहर के कई वार्डों में जल वितरण बाधित रहेगा। विभाग ने प्रभावित क्षेत्रों के लिए संशोधित शेड्यूल जारी किया है।

बड़ी टंकी क्षेत्रः मंगलवार 2 जून को होने वाला जल वितरण अब बुधवार 3 जून को सुबह किया जाएगा। इसमें वार्ड 33 राधागंज, वार्ड 34 गवली मोहल्ला, कृष्णापुरा, कवि कालिदास मार्ग, वार्ड 37 पुरानी जेल रोड, बकोरा बाखल, वार्ड 38 भवानी सागर, फर्सी वाली गली, वार्ड 40 पुराना राजवाडा, वार्ड 42 तोड़ी, खेत कॉलोनी शामिल हैं।

बडी टंकी क्षेत्र से बुधवार 3 जून को होने वाला जल वितरण गुरुवार 4 जून को सुबह होगा। इसके अंतर्गत वार्ड 29 बिहारीगंज, वार्ड 38 रघुनाथपुरा, पीठारोड, चूड़ी बाखल, वार्ड 39 ईदगाह रोड, शेख क्लब, गोया, तहसील चौराहा, वार्ड 40 जोशीपुरा, शांतिपुरा, वार्ड 23 चिमनाबाई स्कूल के पास के क्षेत्र मे जल वितरण होगा।

शंखद्वार टंकी क्षेत्र से मंगलवार 2 जून को सुबह होने वाला जल वितरण बुधवार 3 जून को सुबह किया जाएगा। इसमें वार्ड 31 अंबेडकर नगर, इंदिरा नगर, वार्ड 30 गजरा गियर की झुग्गी, शिवम स्टेट, वार्ड 29 गीताभवन, वार्ड 28 नई आबादी, कर्मचारी कॉलोनी, वार्ड 27 आनंद नगर शामिल हैं। इसी तरह बुधवार 3 जून का वितरण गुरुवार 4 जून को सुबह होगा। इसमें वार्ड 31 भोंसले कॉलोनी, वार्ड 32 पुलिस लाइन, मोदी किराना, वार्ड 30 उमाकांत कॉलोनी स्टेशन रोड, वार्ड 29 कंजर मोहल्ला, वासुदेवपुरा के क्षेत्र शामिल हैं।

निगम ने नागरिकों से अपील की है कि टंकियों में पर्याप्त पानी नहीं होने से हो रही असुविधा को देखते हुए पानी का स्टोरेज कर लें। सामान्य जलप्रदाय शुक्रवार से बहाल होने की संभावना है।

15 जून से पूर्व नालों की सफाई कार्य पूरा करें–आयुक्त

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्षाकाल मे नागरिकों को जल जमाव जैसी समस्या उत्पन्न ना हो इस हेतु निगम द्वारा किये जा रहे नालों की सफाई कार्य का सोमवार 1 जून को आयुक्त दलीप कुमार ने औचक निरीक्षण किया। जिसके अन्तर्गत वार्ड 27, 28, 29 एवं वार्ड 30 के अन्तर्गत नालों के चल रहे सफाई कार्य का निरीक्षण किया जिसमें रेलवे स्टेशन, उज्जैन रोड ब्रिज, नई आबादी से एबी रोड, कंजर मोहल्ला से एसबीआई बैंक तक एवं रविदास मोहल्ले से आनंद नगर नाले का निरीक्षण आयुक्त ने किया। आयुक्त ने 15 जून के पूर्व सभी कच्चे, पक्के नालों की सफाई का कार्य पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इसी के साथ वार्डो मे सफाई व्यवस्था भी देखी तथा सभी स्वच्छता निरीक्षकों एवं दरोगाओं को वार्डों में निरंतर सफाई व्यवस्था बनी रहे, खुले प्लाटों मे कचरा ना डले इस हेतु निर्देश दिए साथ ही वार्ड उपयंत्रियों को अपने अपने वार्डो में जीर्णशीर्ण ऐसे भवन जो बारिश मे गिर सकते है या उनसे जानमाल को खतरा हो सकता है ऐसे भवनों को चिन्हीत कर उन्हें तोडने की कार्रवाई किए जाने हेतु कहा।

शासकीय कार्यालय के परिसर में काट दिया हराभरा पेड़

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। एबी रोड स्थित एक शासकीय आईटीआई कार्यालय परिसर में लगे एक हरे भरे पेड़ को कुछ लोगों ने जेसीबी की मदद से गिरा दिया। जब प्राचार्य पहुंचे और वीडियो बनाने लगे तो वे लोग उस समय तो वहां से चले गए। लेकिन बाद में वे पेड़ की लकड़ियों को ट्रेक्टर-ट्राली में भरकर ले गए।

घटना की सूचना के बाद जब परिसर का निरीक्षण किया गया तो वहां पेड़ की कटी हुई लकड़ियां और ताजी कटाई के निशान पाए गए। बताया जा रहा है कि इन दिनों क्षेत्र में हाईवे चौड़ीकरण का कार्य चल रहा है, जिसके कारण सड़क किनारे के कई पेड़ों की कानूनी रूप से कटाई की जा रही है। अवैध लकड़ी माफियाओं ने इसी स्थिति का लाभ उठाकर आईटीआई परिसर के भीतर लगे पेड़ को भी निशाना बना लिया। आईटीआई कालेज के प्राचार्य राजाराम कटारिया ने बताया कि हाईवे निर्माण कार्य के दौरान हो रही पेड़ों की कटाई की आड़ में कुछ लोगों ने कालेज परिसर में स्थित एक पेड़ को जेसीबी की मदद से उखाड़कर गिरा दिया। इसके बाद बदमाशों ने उसे टुकड़ों में काटा और लकड़ी ले गए। प्राचार्य कटारिया ने बताया कि इस पूरी अवैध गतिविधि की जानकारी संबंधित उच्च अधिकारियों को दी जा रही है। कालेज परिसर में घुसकर इस तरह पेड़ काटने वाले दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की जाएगी।

इंडेक्स और अमलतास समूह ने 35 हजार से अधिक प्रतिभागियों के सामूहिक योग से बनाया विश्व कीर्तिमान

योग कार्यक्रमों के माध्यम से 30 करोड़ लोगों को जोड़ने का लक्ष्य – योग गुरू पद्मश्री डॉ.एच आर नागेंद्र

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) 2026 के उपलक्ष्य में मालवांचल, अमलतास यूनिवर्सिटी तथा इंडेक्स एवं अमलतास समूह संस्थानों द्वारा योग महोत्सव आयोजित किया गया। इंडेक्स कैम्पस नेमावर रोड़ में संपन्न आयोजन में समूह संस्थानों के विद्यार्थियों, इंदौर शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों, विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं आमजन की बड़ी भागीदारी की। इंडेक्स कैम्पस में 11 जोन मालवांचल योग महोत्सव में 35 हजार से अधिक प्रतिभागियों ने शामिल होकर विश्व रिकॉर्ड बनाया है। यह आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर आयुष मंत्रालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के अंतर्गत देशभर में आयोजित किए जा रहे 'योग महोत्सव' एवं काउंटडाउन कार्यक्रमों की श्रृंखला का हिस्सा है।

इस कार्यक्रम में 51 हजार से अधिक प्रतिभागियों ने रजिस्ट्रेशन किए थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रधानमंत्री के योग गुरु एवं एस-व्यासा यूनिवर्सिटी बेंगलुरु के कुलाधिपति पद्मश्री डॉ. एच.आर. नागेंद्र , कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय,उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा और आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार,जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट,सांसद शंकर लालवानी,मयंक वेलफेयर फाउंडेशन के चेयरमैन सुरेशसिंह भदौरिया,वाइस चेयरमैन मयंकराज सिंह भदौरिया,नगर उपाध्यक्ष भाजपा डॉ.दीप्ति सिंह हाड़ा की उपस्थिति में वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड लंदन की टीम ने सर्टिफिकेट और ए क्यू सी क्वालिटी सर्टिफाइड भी किया। योग विशेषज्ञों की उपस्थिति में सामूहिक योगाभ्यास, प्राणायाम एवं ध्यान सत्र आयोजित किए गए। मालवांचल और अमलतास यूनिवर्सिटी के इस योग महोत्सव कार्यक्रम के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आयुष मंत्रालय ने भी विशेष संदेश दिया।

इस अवसर पर पद्मश्री डॉ. एच.आर. नागेंद्र ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी और आयुष मंत्रालय का मुख्य उद्देश्य योग को जन-आंदोलन का स्वरूप देना तथा नागरिकों को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है। मालवांचल और अमलतास यूनिवर्सिटी जैसे समूह यदि इस तरह योगा के ऐसा महाकुंभ का आयोजन करेंगे तो शायद स्वस्थ इंदौर और मप्र की संकल्पना को हम पूरा कर सकते है। आज देशभर में योग कार्यक्रमों के माध्यम से 30 करोड़ लोगों को जोड़ने का लक्ष्य है। आज की युवा पीढ़ी से कहना चाहता हूं कि बीमारी के पहले ही यदि आप योग करें तो शायद आपको कभी बीमार नहीं होंगे आज बदलती जीवनशैली में योग हमारी पहली प्राथमिकता है। आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर आयुष मंत्रालय द्वारा 'योग महोत्सव' एवं काउंटडाउन कार्यक्रमों की श्रृंखला का हिस्सा यह कार्यक्रम है। योग केवल आज एक कार्यक्रम तक सीमित नहीं है बल्कि यह हमारी जीवनशैली का अभिन्न अंग है। कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि हमारा सौभाग्य है कि आज प्रधानमंत्री के योग गुरु एवं एस-व्यासा यूनिवर्सिटी बेंगलुरु के कुलाधिपति पद्मश्री डॉ. एच.आर. नागेंद्र के मार्गदर्शन में युवा पीढ़ी को योग के महत्व को जानने का मौका मिला। कैबिनेट मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि मालवांचल और अमलतास यूनिवर्सिटी के साथ सभी प्रतिभागियों को इस वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड की शुभकामनाएं देता हूं। यह भव्य आयोजन केवल हमारी युवा शक्ति के कारण ही संभव हो सका है। मयंक वेलफेयर फाउंडेशन के चेयरमैन सुरेशसिंह भदौरिया और वाइस चेयरमैन मयंकराज सिंह भदौरिया ने कहा कि इंडेक्स और अमलतास समूह संस्थान के छात्रों और शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों के सहयोग से योग का विश्व कीर्तिमान बनाने में हम कामयाब हुए है। इस अवसर पर वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड लंदन की टीम अपूर्वा मैनन,तिथि भल्ला और हिमांशु तिवारी ने पैरामेडिकल प्राचार्या डॉ.रेशमा खुराना ने स्मृति चिन्ह प्रदान किया। योग महोत्सव में विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों के सरपंच,जनपद सचिव और नेमावर इंडस्ट्री एसोसिएशन कई गणमान्य नागरिकों ने हिस्सा लिया।

देवी अहिल्या बाई होल्कर जयंती पर निकली भव्य शोभायात्रा, विशाल सभा का हुआ आयोजन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विमुक्त घुमंतू एवं अर्ध घुमंतू जनजाति महासंघ द्वारा देवी अहिल्या बाई होल्कर की जयंती के अवसर पर शांतिपुरा स्थित बाबा रामदेवजी मंदिर परिसर में विशाल सभा का आयोजन किया गया। सभा के पश्चात समाजजनों द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जो शहर के प्रमुख मार्गो से होकर पुनः बाबा रामदेवजी मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई। महासंघ के जिलाध्यक्ष जगदीश चौधरी ने बताया कि देवी अहिल्या बाई होलकर की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत देवी अहिल्या जी के चित्र पर अतिथियों द्वारा माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। सभा में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष रायसिंह सेंधव, महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल, नेता सत्तापक्ष मनीष सेन, धर्मेंद्र सिंह बैस, गणेश पटेल, मंडल अध्यक्ष देवेंद्र नवगोत्री, शुभम चौहान, सुरेश सिरोदिया, मधु शर्मा, नवीन सोलंकी एवं जुगनू गोस्वामी सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। सभी अतिथियों का स्वागत विमुक्त घुमंतू एवं अर्ध घुमंतू जनजाति महासंघ के प्रदेश संगठन मंत्री अर्जुन चौधरी, दिलीप दरबार, जयप्रकाश चौधरी, रामदेव चौधरी, भैरू पहलवान, मानसिंह चौधरी, राजीव चौधरी, आनंद चौधरी और संदीप चौधरी सहित समाज के वरिष्ठजनों ने किया। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने देवी अहिल्या बाई होल्कर के जीवन, उनके आदर्शों तथा जनकल्याणकारी कार्यों पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि देवी अहिल्या बाई ने अपने शासनकाल में जनहित एवं समाज सेवा के अनेक कार्य कर भारतीय इतिहास में अमिट पहचान बनाई। सभा के उपरांत क्षत्रिय धनगर गाड़ी समाज के समाजजनों द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में महिला, पुरुष एवं युवा शामिल हुए। शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गो से होते हुए पुनः शांतिपुरा स्थित बाबा रामदेवजी मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई। कार्यक्रम का संचालन ऑल इंडिया धनगर महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रहलाद सिंह धनगर ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन मनोज डोडिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम की जानकारी अमन चौधरी ने दी।

कांग्रेसियों पर पुलिस ने दर्ज की नामजद एफआईआर, बस स्टैंड पर जलाया सीएम का पुतला, पुलिस ने की कार्रवाई

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ पुलिस ने दूसरी बार एफआईआर दर्ज की है। पहले कलेक्टर कार्यालय में उत्पात मचाने के मामले में कांग्रेसियों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की थी। इसके बाद सोमवार को सीएम का पुतला जलाने पर पुलिस ने 9 कांग्रेसियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

कोतवाली पुलिस ने यह कार्रवाई रविवार रात बस स्टैंड क्षेत्र में हुए विरोध प्रदर्शन के बाद की। रविवार रात कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शाजापुर बस स्टैंड पर प्रदेश के मुखिया डॉ. मोहन यादव का पुतला जलाया और नारेबाजी की। पुलिस के मौके पर पहुंचने से पहले ही पुतला दहन हो चुका था। पुलिस को घटनास्थल पर पुतले के अवशेष मिले और कार्यकर्ता मुख्यमंत्री विरोधी नारे लगा रहे थे। इस पर कोतवाली पुलिस ने पुतला दहन में शामिल मांगीलाल नायक, दीपक तालोदिया, इरशाद नागोरी, नरेश्वरप्रताप सिंह, आशुतोष शर्मा, सीताराम पवैया, इरशाद खान, अकिल वारसी और सरलेश चतुर्वेदी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। इसके पूर्व भी 9 अप्रैल को कांग्रेसियों ने किसानों के नाम पर कलेक्टर कार्यालय में पहुंचकर जमकर उत्पात मचाया था और गेट तोड़कर अंदर घुसने का प्रयास किया था। कांग्रेसियों के इस तरह उत्पात मचाने से वहां लोग घबरा गए थे। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कांग्रेसियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया था।

बकाया कर वसुली को लेकर निगम ने की तालाबंदी की कार्रवाई

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। निगम करों की वसुली के लिए आयुक्त दलीप कुमार के द्वारा बकाया संपत्तिकर दाताओं से बकाया करो की वसुली को लेकर सभी वार्ड के वसुलीकर्ताओं को दिशा निर्देश जारी किए तथा बकाया संपत्तिकर एवं जलकर की शत प्रतिशत वसुली हेतु बकायादारों से सतत सम्पर्क करने के निर्देश दिए। जिन बकायादारों द्वारा अपना बकाया कर जमा नही किया है उनके नामों को समाचार पत्रों मे सार्वजनिक करने तथा उनके विरूद्ध कुर्की की कार्रवाई करने हेतु आयुक्त ने कहा।

कुर्की की कार्रवाई भी की ओर राशि भी वसुली- इसी क्रम में वार्ड 30 मोतीलाल नेहरू मार्ग में श्रीमती राजेन्द्र कौर पति परमजीत कौर पर संपत्तिकर की बकाया राशि 3 लाख 24 हजार 225, वार्ड 37 अखाडा रोड पर मनोरमा बाई पति जगन्नाथ पर 22 हजार 7 सौ 91, वार्ड 39 में जगदीशचन्द्र रामाजी पटेल पर 56 हजार 2 सौ 24 की राशि बकाया होने पर इनके विरूद्ध कुर्की की कार्रवाई की गई। कुर्की की कार्रवाई के दौरान राजेन्द्र कौर द्वारा मौके पर ही 1 लाख 50 हजार तथा जगदीशचन्द्र रामाजी द्वारा 29 हजार 7 सौ 85 रूपये की वसुली निगम की टीम के द्वारा की गई तथा शेष राशि के लिए उनकी मांग पर समय दिया गया। बकायादार से सम्पर्क के दौरान 2 लाख 50 की राशि वसुली गई।

इसी के साथ श्रीमती मनोरमा जगन्नाथ के द्वारा राशि जमा नही करने पर उनके भवन पर तालाबंदी की गई। कुर्की की कार्रवाई में राजस्व उप निरीक्षक संजय सांगते, राम ठाकुर, मनोरमा बर्मन व निगम राजस्व की टीम उपस्थित रही।

तुफान में भी डटे रहे 300 से अधिक स्वयंसेवक

योग, दंड-योग का किया प्रदर्शन, नगर में हुआ संघ शिक्षा वर्ग के प्रकटोत्सव का आयोजन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के मालवा प्रांत के 15 दिवसीय संघ शिक्षा वर्ग (व्यवसायी) का समापन रविवार को प्रकट उत्सव के साथ हुआ। छत्रपति शिवाजी स्टेडियम में आयोजित इस कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने अपने प्रशिक्षण का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इस दौरान मौसम बदला और तेज आंधी चलने लगी। इसके बाद भी सैकड़ों स्वयंसेवक अपने स्थान पर डटे रहे।

शाम करीब 5 बजे से शुरू हुए इस कार्यक्रम में शिक्षार्थियों ने योग, दंड-योग, समता और व्यायाम की विभिन्न रचनाओं का प्रदर्शन किया। घोष दल (बैंड) की धुन और सामूहिक गीतों ने पूरे मैदान को देशभक्ति के वातावरण से भर दिया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता मध्य क्षेत्र कार्यवाह अशोक अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि संघ का मूल उद्देश्य व्यक्ति निर्माण के जरिए समाज को संगठित करना है। उन्होंने स्वयंसेवकों को अनुशासन, सेवा और समर्पण का पाठ पढ़ाया। साथ ही उन्होंने संघ के पंच परिवर्तन-परिवार प्रबोधन, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक कर्तव्य और स्वदेशी भाव-को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अपनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत के दम पर भारत विश्व का मार्गदर्शन करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक समस्याओं के समाधान के लिए भारत का विश्वगुरु बनना जरूरी है। मुख्य अतिथि गोवर्धनलाल गुवाहाटिया ने भी राष्ट्रभक्ति और सामाजिक समरसता के लिए संघ के प्रयासों की प्रशंसा की।

निजी वाहन छोड़ सार्वजनिक साधनों से पहुंचे कार्यकर्ता- इस आयोजन के जरिए समाज को ईंधन संरक्षण और पर्यावरण जागरूकता का संदेश भी दिया गया। संघ के आह्वान पर बड़ी संख्या में लोग निजी वाहनों के बजाय बसों और सामूहिक वाहनों से कार्यक्रम स्थल तक पहुंचे, जो सामाजिक सहभागिता की एक अनूठी मिसाल रही। कार्यक्रम में वर्ग कार्यवाह राधेश्याम पाटीदार ने प्रतिवेदन पढ़ा, जबकि वर्ग सर्वाधिकारी प्रवीण सैनी और जिला संघ चालक हुकम धनगर सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नौतपा की तपिश को बारिश ने किया ठंडा

एक माह बाद 40 के नीचे आया तापमान, डेढ़ घंटे में हुई 10 एमएम बारिश, रात में भी बारिश की संभावना

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। एक माह से नवतपा की तपिश से झुलस रहे नगरवासियों को सोमवार को भीषण गर्मी से राहत मिली। इस दिन दोपहर बाद चली तेज आंधी और उसके साथ हुई करीब डेढ़ घंटे की बारिश ने नवतपा की तपिश को ठंडा कर दिया। मौसम विभाग की माने तो आगामी 5 जून तक मौसम ऐसा ही बना रहेगा और दोपहर बाद बारिश की संभावना बनी हुई है।

इसके पूर्व 6 मई से नगर का तापमान लगातार 40 डिग्री से अधिक दर्ज किया जा रहा था। तो रात का तापमान भी 30 डिग्री के आंकड़े तक पहुंच चुका था। जिससे लोगों का बुरा हाल हो रहा था और नगरवासी आसमान की ओर ताकते हुए राहत बरसने का इंतजार कर रहे थे। जिनकी उम्मीद रविवार शाम को पूरी हुई और आसमान पर छाए बादल बरस पड़े। लेकिन इस मामूली बारिश ने राहत के बजाए संकट खड़ा कर दिया और लोगों का उमस से बुरा हाल होने लगा। सोमवार सुबह कुछ देर के लिए आसमान पर बादल छाए जिसके कुछ देर बाद आसमान साफ हो गया। लेकिन दोपहर बाद मौसम में फिर बदलाव हुआ और आसमान पर काले व घने बादल छा गए। जिसके बाद तेज आंधी चलने लगी और कुछ देर बाद झमाझम बारिश शुरू हो गई जो डेढ़ घंटे तक जारी रही। ठंडी हवाओं के साथ हुई इस बारिश से लोगों ने राहत की सांस ली। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि बारिश का दौर जारी रहेगा और सोमवार रात को भी इसी तरह की बारिश की संभावना है और ऐसा मौसम आगामी 5 जून तक बना रहेगा।

एक माह बाद 40 से नीचे आया तापमान- अप्रैल माह से ही नगरवासी भीषण गर्मी की चपेट में हैं। नगर का तापमान इसी अवधि से 40 से 45 डिग्री बना हुआ था। आखरी बार 5 मई को नगर का अधिकतम तापमान 39 डिग्री दर्ज किया गया था। इसके बाद से नगरवासी लगातार 40 डिग्री से अधिक के तापमान में ही दिन गुजार रहे थे। सोमवार को डेढ़ घंटे तक चली बारिश से नगर का अधिकतम तापमान 41.4 से घटकर 39.3 डिग्री दर्ज किया गया। वही न्यूनतम तापमान 25.2 डिग्री दर्ज किया गया। आगामी दिनों में भी तापमान गिरने की संभावना मौसम विभाग ने जताई है।

सड़कों पर भराया पानी, बेरछा रोड पर बीच सड़क पर गिरा पेड़- नगर में डेढ़ घंटे तक हुई बारिश से जहां लोगों को राहत मिली। वहीं प्री-मानसून की इस बारिश ने कई जगह समस्या भी खड़ी कर दी। सोमवार दोपहर को हुई बारिश से हाईवे पर ही जलभराव की स्थिति बन गई। जिससे हाईवे से गुजरने वाले वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं बेरछा रोड पर तेज आंधी के कारण एक विशाल वृक्ष बीच सड़क पर आ गिरा। इससे कोई जनहानि तो नहीं हुई लेकिन कुछ देर के लिए सड़क के दोनो ओर वाहनों की कतार लग गई।

दत्तीगांव ट्रॉफी में रोमांचक मुकाबलों का दौर जारी, मिक्स इलेवन ने जवासिया को हराकर सेमीफाइनल में किया प्रवेश

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय नंदराम चौपड़ा विद्यालय खेल मैदान पर पूर्व विधायक स्व. प्रेमसिंह दत्तीगांव की स्मृति में यूथ स्पोर्ट्स क्लब एवं ओल्ड इलेवन के तत्वावधान में आयोजित रात्रिकालीन क्रिकेट टूर्नामेंट में प्रतिदिन रोमांचक मुकाबले देखने को मिल रहे हैं। प्रतियोगिता में विधानसभा क्षेत्र की टीमें हिस्सा ले रही हैं।

आयोजन के छठवें दिन पहला मुकाबला सकतली इलेवन एवं राइजिंग स्टार भैंसोला के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए सकतली इलेवन ने 8 ओवर में 7 विकेट खोकर 46 रन बनाए। जवाब में भैंसोला की टीम ने मात्र 2 ओवर 4 गेंद में एक विकेट खोकर 49 रन बनाते हुए आसान जीत दर्ज की। मैच का शुभारंभ शहर काजी सलीम उल्ला एवं मुजफ्फर अली ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया।

दूसरे मुकाबले में यूथ स्पोर्ट्स क्लब और प्रथम एग्रो एवं प्रणवी क्लिनिक के बीच मैच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए यूथ स्पोर्ट्स क्लब की टीम 8 ओवर में 9 विकेट खोकर केवल 27 रन ही बना सकी। लक्ष्य का पीछा करते हुए प्रथम एग्रो की टीम ने 2 ओवर 3 गेंद में एक विकेट के नुकसान पर 28 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया।

क्वार्टर फाइनल दौर में प्रवेश के लिए खेले गए मुकाबले में प्रथम एग्रो ने 8 ओवर में 2 विकेट खोकर 146 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में भैंसोला की टीम 8 ओवर में 6 विकेट खोकर 53 रन ही बना सकी। प्रथम एग्रो ने 93 रन से शानदार जीत दर्ज कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। मैच में शानदार प्रदर्शन के लिए दीपक सिर्वी को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

इसके बाद क्वार्टर फाइनल का पहला मुकाबला जवासिया इलेवन और मिक्स इलेवन के बीच खेला गया। जवासिया इलेवन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 ओवर में 4 विकेट खोकर 104 रन बनाए। जवाब में मिक्स इलेवन ने 7 ओवर 5 गेंद में 5 विकेट के नुकसान पर 108 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम किया और सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

इस अवसर पर भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा जिलाध्यक्ष राकेश चौहान, नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि शेखर यादव, उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह पवार, शहर काजी सलीम उल्ला, मुजफ्फर अली एवं भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष मनीष गुर्जर अतिथि रूप में उपस्थित थे। यूथ स्पोर्ट्स क्लब के अध्यक्ष संतोष राव, विजय गोयल, अखिलेश शर्मा, राजा माली, गणेश नागरू, हेमराज भाटी एवं दिनेश राणा सहित अन्य सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत किया।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष राकेश चौहान ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और संघर्षशीलता का भी पाठ पढ़ाते हैं। ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों की प्रतिभाओं को ऐसे आयोजनों के माध्यम से अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय प्रेमसिंह दत्तीगांव की स्मृति में आयोजित यह प्रतियोगिता युवाओं को खेलों से जोड़ने का सराहनीय प्रयास है। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने और अपने क्षेत्र का नाम रोशन करने का आह्वान किया। संचालन मनोज सोलंकी ने किया। 10 दिवसीय इस टूर्नामेंट का समापन फाइनल मुकाबले के साथ 4 जून को होगा।

इंदौर कांग्रेस जिला अध्यक्ष विपिन वानखेड़े के नेतृत्व में देपालपुर ब्लॉक कांग्रेस ने किया धरना प्रदर्शन

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी पर की गई अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में इंदौर जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेड़े के नेतृत्व मे,देपालपुर में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री का पुतला दहन करने की कोशिश की गई, जिसे प्रशासन द्वारा छिन्न लिया गया, ब्लॉक कांग्रेस द्वारा विरोध प्रदर्शन मे ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजेश बड़वाया, पार्षद जितेंद्र ठाकुर, मिथलेश जोशी, मंडलम अध्यक्ष राजीव यादव, आजम खान, देवनारायण चौधरी, मुंसी गौड़, सईद मंसूरी, रामचरण ठाकुर, मानसिंह नकुम, जितेंद्र बड़वाया, दिनेश यादव, संजय मकवाना, मोहन ठाकुर, राजू जायसवाल, पूर्व पार्षद निराला डागर, दीपक नकुम, गणेश पटैल, शाहिद मंसूरी, मेहरबानसिंह दांगी, रायसिंह मौर्य, गणेश चौधरी लीलाधर पटैल, आदि कांग्रेस जन उपस्थित थे, अंत मे दिलीप सिंह खेर ने आभार व्यक्त किया।

रवि परमार का ग्रामीण जनों ने भव्य स्वागत कर बधाई शुभकामनाएं दी

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उन्हेल ग्राम रूपाखेड़ी मध्य प्रदेश पुलिस में चयन होने के बाद ट्रेनिंग पर जाने से पहले गांव रूपा खेड़ी के रवि परमार का ग्रामीण जनों ने भव्य स्वागत कर बधाई शुभकामनाएं दी जिसमें प्रमुख रूप से समाजसेवी लखन वर्मा देवीलाल प्रजापत कैलाश गरासिया भेरूलाल वर्मा पारस सोनी भेरूलाल चौधरी विशाल वर्मा आदि ग्राम वासियों ने ढेर सारी शुभकामनाएं दी।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समयावधि एवं अंतर्विभागीय समन्वय बैठक आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में सोमवार को समयावधि एवं अंतर्विभागीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं, लंबित प्रकरणों एवं जनहित से जुड़े विषयों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में कलेक्टर डॉ. भरसट ने सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का संतोषजनक एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने 1000, 500, 100 एवं 50 दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों का शीघ्र निराकरण करने तथा ग्रेडिंग माह के अंतर्गत शत-प्रतिशत शिकायतों के समाधान पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। लोक सेवा गारंटी अधिनियम अंतर्गत समाधान एक दिवस प्रकरणों में समय-सीमा से बाहर मामलों पर नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए गए। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा बताया गया कि सर्पदंश उपचार हेतु आवश्यक इंजेक्शन एवं वायल जिले की सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में उपलब्ध करा दिए गए हैं। इस पर कलेक्टर ने सर्पदंश उपचार संबंधी प्रोटोकॉल सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि किसी भी परिस्थिति में अस्पताल पहुंचने के बाद सर्पदंश पीड़ित की उपचार के अभाव में मृत्यु नहीं होनी चाहिए। साथ ही झाड़-फूंक के माध्यम से सर्पदंश का उपचार करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने आगामी 14 जून को विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय रक्तदान शिविर आयोजित करने तथा अधिकारियों, सामाजिक संस्थाओं, स्वयंसेवी संगठनों एवं आम नागरिकों को अधिकाधिक रक्तदान के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए।

पुलिस ने अंधे कत्ल का 24 घंटे में किया खुलासा ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन का किया स्वागत

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उन्हेल उन्हेल पुलिस द्वारा ग्राम पिपलिया डाबी के 24 घंटे के भीतर एक सनसनीखेज अंधे कत्ल का पर्दाफाश करने पर ग्रामीणों ने उन्हेंल पुलिस टीम का भव्य स्वागत किया और उनकी त्वरित कार्रवाई की सराहना की 30 मई को ग्राम पिपलिया डाबी में 38 वर्षीय किसान भारत सिंह का खून से लथपथ शव उनके ही खेत में मिला था उनके सिर पर किसी भारी वस्तु पत्थर से वार कर हत्या की गई थी उज्जैन पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर उन्हेल थाना प्रभारी संतोष चौहान और उनकी टीम ने तकनीकी साक्ष्यों तथा मुकबरी की सूचना के आधार पर 24 घंटे के भीतर मामले को सुलझा लिया आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली पुलिस प्रशासन की इस मुस्तैदी और त्वरित न्याय प्रक्रिया को देखकर गांव के लोगों ने आकर थाना प्रभारी संतोष चौहान और उनकी टीम का पुष्पमाला मिठाई खिलाकर भव्य स्वागत किया और पुलिस का आभार।

सफलता की कहानी एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना नागदा जिला उज्जैन

दादा-दादी के प्यार से मिली आंगनवाड़ी को सौगात, बच्चों के चेहरे खिले

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नागदा जं पोती रक्षिता सोनी के जन्मदिन को यादगार बनाने के लिए दादा प्रकाश चंद्र सोनी एवं दादी मधुबाला सोनी ने एक अनूठी पहल की। उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्र वार्ड 29/70, सेक्टर नागदा 4 में बच्चों के खेलने हेतु झूला दान किया दिनांक 01/06/2026 को आंगनवाड़ी कार्यकर्ता कौशल्या यादव एवं पर्यवेक्षक नीता बागड़ी की उपस्थिति में झूला लगवाया गया झूला मिलते ही बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे बच्चों ने उत्साह के साथ झूला झूला और खूब आनंद लिया इस अवसर पर सोनी परिवार द्वारा केंद्र के समस्त बच्चों को चिप्स व टॉफी का वितरण भी किया गया। दादा-दादी ने कहा कि पोती के जन्मदिन पर बच्चों को खुश देखकर हमें बहुत संतोष मिला है आंगनवाड़ी ही बच्चों की पहली पाठशाला है, यहाँ सुविधाएं बढ़ें यही हमारी इच्छा है'पर्यवेक्षक नीता बागड़ी' ने बताया कि समुदाय की सहभागिता से आंगनवाड़ी केंद्रों का माहौल बदल रहा है। इस प्रकार के दान से केंद्र पर बच्चों का नामांकन एवं उपस्थिति बढ़ती है बच्चे नियमित केंद्र आने के लिए उत्साहित रहते हैं, जिससे उनका शारीरिक एवं मानसिक विकास बेहतर होता है'आंगनवाड़ी कार्यकर्ता कौशल्या यादव'ने सोनी परिवार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि झूले से बच्चों की शारीरिक गतिविधि बढ़ेगी खेल-खेल में सीखने की अवधारणा को बल मिलेगा यह पहल अन्य नागरिकों के लिए भी प्रेरणादायक है जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ जैसे अवसरों पर आंगनवाड़ी में दान कर हम नौनिहालों का भविष्य संवार सकते हैं इस प्रकार के जनसहयोग से पोषण भी पढ़ाई भी अभियान को गति मिल रही है एवं समुदाय और आंगनवाड़ी के बीच जुड़ाव मजबूत हो रहा है उक्त जानकारी महिला बाल विकास विभाग नागदा की नीता सूयल के द्वारा दी गई।

जीतू पटवारी के लिए अभद्र शब्दों का प्रयोग करने पर महामहिम राज्यपाल के नाम तहसीलदार सुरेश नागर को ज्ञापन दिया

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर कांग्रेस द्वारा आज मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के लिए अभद्र शब्दों का प्रयोग करने पर महामहिम राज्यपाल के नाम तहसीलदार सुरेश नागर को ज्ञापन दिया।

ज्ञापन में महामहिम राज्यपाल से मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के सार्वजनिक रूप से दो कौडी का एवं रद्दी जैसे अमर्यादित और अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया गया है। प्रदेश के सर्वोच्च संवैधानिक पदों में से एक पर आसीन मुख्यमंत्री द्वारा इस प्रकार की भाषा का उपयोग लोकतांत्रिक मूल्यों, राजनीतिक मर्यादाओं तथा सार्वजनिक जीवन की गरिमा के विपरीत है। श्री जीतू पटवारी प्रदेश की जनता, किसानों, युवाओं, महिलाओं, दलितों, आदिवासियों तथा विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर निरंतर आवाज उठाते रहे हैं। विपक्ष का दायित्व सरकार से जनहित के मुद्दों पर प्रश्न पूछना और जनता की समस्याओं को सामने रखना है। किंतु मुख्यमंत्री द्वारा राजनीतिक जवाब देने के स्थान पर व्यक्तिगत एवं अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया जाना लोकतांत्रिक परंपराओं को आहत करता है।

लोकतंत्र में वैचारिक मतभेद स्वाभाविक हैं, परंतु राजनीतिक विरोधियों के प्रति सम्मानजनक भाषा का प्रयोग प्रत्येक जनप्रतिनिधि का दायित्व है। मुख्यमंत्री जैसे संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति से प्रदेश की जनता शालीनता, संयम और मर्यादा की अपेक्षा करती है।

अतः आपसे विनम्र निवेदन है कि इस प्रकरण को संज्ञान में लेते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव से सार्वजनिक रूप से क्षमा याचना करवाने तथा भविष्य में इस प्रकार की अमर्यादित भाषा के प्रयोग को रोकने हेतु आवश्यक निर्देश प्रदान करने की कृपा करें।

इस मौके पर नगर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश होती, विधायक प्रतिनिधि कैलाश गुप्ता, संदीप महेश्वरी, निर्मल वर्मा, महेश मुकाती, देवेंद्र सिंह पंवार,अनूप जैन, प्रकाश निनामा,बद्रीलाल पाटीदार, परमानंद गुर्जर, गुड्डू चौधरी, चेतन बना, पार्षद हरीश मंगलिया, नितेश वैष्णव सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे। ज्ञापन का वचन पूर्व नगर कांग्रेस अध्यक्ष अतुल बाफना ने किया।

विश्व के पांचवें धाम देपालपुर के दिनेश पांडे ने पवित्र कैलाश मानसरोवर जी की यात्रा सफलतापूर्वक पूर्ण की

देपालपुर / अंकित भोला परमार / दैनिक मालवा हेराल्ड। भक्ति अगर सच्चे दिल से हो तो दुरी मायने नहीं रखती, देपालपुर के एक सच्चे भक्त ने लगभग 5000 किलोमीटर की कठिन यात्रा कर दर्शन के लिए भारत से बाय रोड़, चीन मे स्थित पवित्र बाबा कैलाश मानसरोवर जी के दर्शन किये, कैलाश मानसरोवर, जो कि चीन (तिब्बत क्षेत्र) में स्थित है, हिंदू धर्म का अत्यंत पवित्र तीर्थ स्थल माना जाता है।

इस यात्रा को धार्मिक आस्था और साहस का प्रतीक माना जाता है।

कठिन परिस्थितियों और ऊँचाई वाले मार्गों को पार करते हुए उन्होंने यह यात्रा पूरी की।

भगवान शिव के धाम कैलाश पर्वत के दर्शन करना उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण पल रहा। मानसरोवर झील के दर्शन किए।

इस यात्रा ने उन्हें मानसिक और आध्यात्मिक रूप से और अधिक मजबूत बनाया।

परिवार और क्षेत्र के लोगों में इस यात्रा को लेकर गर्व और खुशी का माहौल है।

सभी मित्रो ने उनके स्वस्थ और सुरक्षित लौटने की कामना की।

उनकी यह यात्रा अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनी है। हमारे क्षेत्र के यहां पहले भक्त है जिन्होंने श्री कैलाश मानसरोवर जी की पवित्र यात्रा पूरी की।

क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित लेदर बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन-7 का शुभारंभ रविवार को राष्ट्रीय गीत गान के साथ हुआ

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बड़ी चौपाटी स्थित क्रिकेट ग्राउंड पर बदनावर क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित लेदर बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन-7 (राइजिंग कप-2026) का शुभारंभ रविवार को राष्ट्रीय गीत गान के साथ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आर्याव्रत पत्रकार संघ राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र अग्निहोत्री, विधायक प्रतिनिधि महेश पाटीदार, सुजीत धोड़पकर, विक्रम सिंह जी चोहान, राजेश द्विवेदी रहे। अतिथियों ने विधिवत पूजन-अर्चन कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। सुजीत धोड़पाकर ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट को अधिक महत्व दिया जा रहा है, जबकि खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने के लिए लेदर बॉल क्रिकेट को प्राथमिकता मिलना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि लेदर बॉल क्रिकेट से खिलाड़ियों की तकनीक, अनुशासन और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता विकसित होती है, जिससे उन्हें जिला, संभाग, प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का अवसर मिलता है।

धर्मेंद्र अग्निहोत्री एवं महेश पाटीदार ने कहा कि इस प्रकार के खेल आयोजन बड़े स्तर पर लगातार होते रहने चाहिए। खेल प्रतिभाओं को उचित द्द×मंच मिलने से ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों के खिलाड़ी भी अपनी क्षमता का प्रदर्शन कर सकते हैं। लेदर बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन कर निकलने वाली प्रतिभाएं भविष्य में प्रदेश और देश का नाम रोशन करेंगे ।

आयोजक जयदीप सिंह पवार ने बताया कि इस टूर्नामेंट में अलग-अलग तहसील एवं जिले की कुल 8 टीम भाग ले रही हैं। प्रत्येक मैच 20-20 ओवर का खेला जाएगा प्रतिदिन दो मुकाबले होंगे। चार दिन चलने वाले इस लेदर बॉल टूर्नामेंट में प्रतिदिन 80 ओवर के मैच होंगे।

इसके पहले टॉस जीतकर डीसेंट राजगढ़ ने पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया 20 ओवर के निर्धारित मैच में राजगढ़ ने 123 रन का लक्ष्य दिया जवाब में VSA क्रिकेट क्लब ने 10 औवर में ही जीत हासिल कर ली, VSA ने Decent Rajgarh को 60 रनों से हराया, vsa के खिलाड़ी जयादित्य सिंह पंवार ने 81 रनों की विस्फोटक पारी खेलकर दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी और टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत स्कोर बनाया।

दूसरा मुकाबला Decent Rajgarh ओर BCA के बीच हुआ जिसमें राजगढ़ ने BCA को 5 विकेट से पराजित किया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता को लेकर खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में विशेष उत्साह बना हुआ है। खेल मैदान पर बड़ी संख्या में दर्शक पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन कर रहे हैं।

आंधी-पानी से ठप हुई बिजली व्यवस्था, पोल टूटे, तार हुए क्षतिग्रस्त

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। सोमवार दोपहर करीब 2 बजे आई तेज आंधी और बारिश के कारण क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो गई। कई स्थानों पर बिजली के पोल टूट गए, ट्रांसफार्मर अपने स्ट्रक्चर से नीचे गिर गए तथा विद्युत तार क्षतिग्रस्त हो गए। इसके चलते नगर सहित आसपास के क्षेत्रों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई।

समाचार लिखे जाने तक रात 9 बजे तक बिजली बार बार बंद होने के कारण सुचारू रूप से विद्युत आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी थी। बिजली बंद रहने से लोगों को गर्मी और उमस के बीच परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं मोबाइल चार्जिंग, पेयजल आपूर्ति सहित दैनिक कार्य भी प्रभावित हुए।

विद्युत विभाग के अधिकारियों के अनुसार आंधी और बारिश से हुए नुकसान के बाद विभागीय कर्मचारी एवं अधिकारी लगातार विद्युत व्यवस्था को सुचारु करने के प्रयास में जुटे रहे। विभिन्न स्थानों पर क्षतिग्रस्त पोल, ट्रांसफार्मर और तारों की मरम्मत का कार्य लगातार जारी रहा। विभाग ने बताया कि बिजली आपूर्ति को जल्द से जल्द बहाल करने के लिए टीमें युद्धस्तर पर कार्य करती रही। साथ ही आमजन से अपील की गई है कि टूटे हुए बिजली के तारों और पोलों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें तथा किसी भी प्रकार की सूचना तत्काल विभाग को दें।

धर्मेन्द्र बम बनें जैन साहित्य संगम-मध्यप्रदेश के अध्यक्ष

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. श्री सी. एम. मेहता के सेवानिवृत्ति के अवसर पर आयोजित कर्मयोगी अभिनंदन समारोह में जावरा पधारे जैन साहित्य संगम के पदाधिकारियों की बैठक में सर्वानुमति से श्री धर्मेन्द्र बम-नागदा जं. को मध्यप्रदेश इकाई का अध्यक्ष मनोनीत किया गया । धर्मेन्द्र बम के नाम का प्रस्ताव वरिष्ठ गीतकार कैलाश जैन तरल - उज्जैन ने रखा, इसका अनुमोदन वरिष्ठ साहित्यकार यशवंत भंडारी यश-झाबुआ ने किया। उल्लेखनीय है कि श्री बम जैन साहित्य संगम के समर्पित सदस्य है। आप जैन सोश्यल ग्रुप-नागदा जं. के अध्यक्ष पद पर सेवाएँ देते हुए शहर में शिक्षा, सेवा एवं साहित्य के क्षेत्र में अनेक कार्य कर रहे हैं । इस अवसर पर वरिष्ठ संरक्षक राजेन्द्र कांठेड, राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीप जैन हर्षदर्शी, चंदा डाँगी, पुखराज बोहरा पथिक, जैनेन्द्र खमेसरा, अजय डाँगी आदि उपस्थित थे । धर्मेन्द्र बंम के मनोनयन पर अनेक साहित्यकारों एवं इष्टमित्रों ने बधाइयां दी।

आंधी-तूफान और बारिश ने मचाई तबाही, कई पेड़ गिरे, टिन शेड उड़े

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। सोमवार दोपहर करीब 2 बजे अचानक मौसम ने करवट ली और तेज आंधी, तूफान तथा बारिश का दौर शुरू हो गया। कुछ ही देर में चली तेज हवाओं ने नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक नुकसान पहुंचाया। आंधी का वेग इतना तेज था कि कई स्थानों पर बड़े-बड़े पेड़ धराशायी हो गए, टिन शेड उड़ गए और निर्माणाधीन भवनों की दीवारें गिर गईं। अचानक बदले मौसम से लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि समाचार लिखे जाने तक किसी प्रकार की जनहानि की सूचना सामने नहीं आई थी। नगर के विभिन्न क्षेत्रों में पेड़ गिरने की कई घटनाएं सामने आईं। तेज हवाओं के कारण सड़क किनारे और सार्वजनिक स्थानों पर लगे पेड़ उखड़कर गिर गए कई स्थानों पर पेड़ों की शाखाएं बिजली लाइनों पर गिरने से विद्युत व्यवस्था भी प्रभावित हुई। आंधी के दौरान उड़ रही धूल के कारण दृश्यता कम हो गई और लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। आंधी का असर बाजार क्षेत्र में भी देखने को मिला। तेज हवा के झोंकों से दुकानों के बाहर रखा सामान इधर-उधर बिखर गया। कई दुकानों और प्रतिष्ठानों पर लगे टिन शेड उड़ गए, जिससे व्यापारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। अचानक आई आंधी के कारण लोग दुकानों और मकानों में सुरक्षित स्थान तलाशते नजर आए। कुछ समय के लिए बाजार क्षेत्र में अफरा-तफरी जैसी स्थिति बनी रही।

तेज हवाओं ने निर्माणाधीन भवनों को भी नुकसान पहुंचाया। नगर के विभिन्न क्षेत्रों में नव निर्माण की कई दीवारें गिर गईं। हवा का दबाव अधिक होने के कारण कई कमजोर संरचनाएं क्षतिग्रस्त हो गईं जिससे लोगों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। ग्रामीण क्षेत्रों में भी मौसम का असर देखा गया और खेतों व मकानों को नुकसान पहुंचने की सूचनाएं सामने आईं।

आंधी-तूफान का असर बिजली व्यवस्था पर भी पड़ा। कई स्थानों पर पेड़ गिरने से बिजली के तार टूट गए और कुछ जगह विद्युत पोल भी क्षतिग्रस्त हो गए। इसके चलते नगर के कई हिस्सों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। विद्युत विभाग का अमला तत्काल मैदान में उतर गया और विभिन्न स्थानों पर सुधार कार्य शुरू किया। कर्मचारियों ने लगातार मेहनत कर टूटे तारों, पोलों और अन्य फॉल्ट को दुरुस्त करने का कार्य किया।

आंधी और बारिश से लोगों को भीषण गर्मी से राहत जरूर मिली, लेकिन इसके कारण हुए नुकसान ने कई परिवारों और व्यापारियों की चिंता बढ़ा दी। प्रशासन, नगर परिषद और विद्युत विभाग की टीमों ने स्थिति पर नजर बनाए रखी और प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं सुधार कार्य जारी रखे। राहत की बात यह रही कि समाचार लिखे जाने तक किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं मिली थी।

सांसद अनिल फिरोजिया की बड़ी पहल रंग लाई

कोटा- चौमहला मेमू ट्रेन का विस्तार अब उज्जैन तक, क्षेत्र में खुशी की लहर

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्रवासियों की वर्षों पुरानी मांग आखिरकार पूरी हो गई है। लगातार जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने वाले सांसद अनिल फिरोजिया के अथक प्रयासों से गाड़ी संख्या 61624/61623 कोटाङ्कचौमहला मेमू ट्रेन का विस्तार अब उज्जैन तक करने की स्वीकृति मिल गई है। इस निर्णय से कोटा से उज्जैन तक यात्रा करने वाले हजारों यात्रियों को बड़ी सुविधा मिलेगी।

इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर सांसद अनिल फिरोजिया ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव तथा मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने जनता की भावनाओं और आवश्यकताओं का सम्मान करते हुए यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया है।

सांसद फिरोजिया ने कहा कि यह केवल एक ट्रेन का विस्तार नहीं, बल्कि हजारों विद्यार्थियों, व्यापारियों, कर्मचारियों और आम यात्रियों के लिए सुविधा एवं विकास का नया द्वार है। लंबे समय से क्षेत्र के नागरिक इस रेल सेवा को उज्जैन तक बढ़ाने की मांग कर रहे थे, जिसे केंद्र एवं प्रदेश सरकार ने स्वीकार कर जनहित में बड़ा निर्णय लिया है।

कोटा से उज्जैन तक मिलेगी सीधी रेल सुविधा- ट्रेन विस्तार की स्वीकृति के बाद अब यात्रियों को कोटा, रामगंजमंडी, भवानीमंडी, शामगढ़, चौमहला, सुवासरा, नागदा और उज्जैन के बीच सीधी रेल सेवा का लाभ मिलेगा। इससे दैनिक यात्रियों, विद्यार्थियों, व्यापारियों एवं कर्मचारियों की आवाजाही और अधिक सुगम होगी।

सांसद फिरोजिया ने विश्वास व्यक्त किया कि यह जनकल्याणकारी निर्णय लाखों यात्रियों के लिए वरदान साबित होगा तथा क्षेत्र के समग्र विकास में मील का पत्थर सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि जनता की सुविधा और विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा क्षेत्र की हर जायज मांग को सरकार तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए उनके प्रयास निरंतर जारी रहेंगे।

सकलेचा सहित गणमान्य नागरिकों ने जताया आभार - ट्रेन विस्तार की स्वीकृति मिलने पर क्षेत्र के नागरिकों, सामाजिक संगठनों एवं जनप्रतिनिधियों ने प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर राजेश सकलेचा, विजय शर्मा, गजेन्द्र गुरु, विजय संघवी, अभिषेक शर्मा, अमित बम, सुनील सकलेचा, अक्षय नाहर, दीपक जैन, प्रमोद कोठारी, प्रकाश मालपानी, दिनेश सोलंकी, जीवनलाल जैन, जितेन्द्र काकरिया, जितेश भण्डारी, एव मनीष भंडारी सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने सांसद अनिल फिरोजिया का आभार व्यक्त किया।

सभी ने इसे क्षेत्र के विकास, जनसुविधा और बेहतर रेल संपर्क की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए सांसद के प्रयासों की सराहना की।

गोपाल गोशाला में श्री सांवरिया सेठ की भजन संध्या आज शाम 7.30 बजे

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गौ सेवा ग्रुप महिला मंडल के द्वारा श्री सांवरिया सेठ जी की भजन संध्या का आयोजन 2 जुन शाम को 7.30 बजे पाडल्या रोड स्थित गोपाल गोशाला में होगी। भजन संध्या में गायक शीतल योगी एवं पंडित दीपक रावल के द्वारा भजनो की प्रस्तुति दी जावेगी।

भजन संध्या का आयोजन देर रात्रि तक चलेगा तथा सभी सांवरिया सेठ के भक्त भजनो का आनंद उठायेंगे। गौपाल गौशाला समिति ने जानकारी देते हुए नगर के सभी धर्मप्रेमी नागरिको से अनुरोध किया है कि आज शाम को गौपाल गौशाला में होने वाली भजन संध्या में अधिक से अधिक संख्या में पधार कर गौमाता के दर्शन पाकर होने वाले आयोजन में शामिल होवे । यह जानकारी गौसेवक प्रकाश मालपानी ने दी।

मन में स्वार्थ और पाप रखने वाल का दान किसी के काम नहीं आता-अभयमुनिजी म.सा.

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मीडिया प्रभारी नितिन बुडावनवाला ने बताया कि ब्राम्ही बहुमण्डल के चल रहे धार्मिक शिविर के तीसरे दिन पूज्य अभयमुनिजी म.सा. द्वारा उपस्थित महिलाओं को पानी के सदुपयोग करने का नियम एवं किसी भी विपरीत परिस्थिति, आपत्ती में, क्रोध आवेश में आकर नासमझ होकर आत्महत्या नहीं करने का नियम दिलाया। पूज्य अभयमुनिजी ने धर्मसभा में कहा कि ज्ञान की युनिवर्सिटी 4 माह चातुर्मास में खुलती है जहां धार्मिक ज्ञान, त्याग, दान, तपस्याएँ, रहन, सहन, क्रोध पर काबू आदि का ज्ञान सिखाया जाता है। आत्मा की पूंजी एकत्रित करने के लिए आपकी कमाई का कुछ प्रतिशत दान कीजिए।

याद रखिये जैसा आपका आचरण होगा आपका प्रीााव भी वैसा ही होगा। मन में स्वार्थ, पाप, राग, द्वेश रखने वाले इंसान द्वारा किसी को भी दिये गये दान का फल न तो स्वयं को न किसी ओर को प्राप्त होता है। जो मन से और खुले दिल से दान करता है, मर्यादा में रहकर कार्य करता है वो ही जीवन में सम्मान और सफलता पाता है। धर्म तो अनेक है पर अहिंसा केवल जैन धर्म में ही है। इस धर्म में नवकार महामंत्र का अपने आाप में बहुत बड़ा प्रभाव है। श्रद्धा से, सद्भावना से, मन में किया गया नवकार महामंत्र का जाप हमेशा सुरक्षा कवच का काम करता है। जैसे जल ही जीवन है तो धर्म भी जीवन है। बिना धर्म के इस जग में किसी का उद्धार नहीं हुआ है। संचालन सुरेन्द्र पितलिया ने किया एवं आभार सुनिल जैन ने माना। धार्मिक प्रभावना का भव्य लाभ पावेचा परिवार द्वारा लिया गया।

सिंहस्थ-2028 की तैयारियों को लेकर रतलाम पुलिस ने शुरू किया विशेष प्रशिक्षण अभियान

रतलाम प्रवीण व्यास दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी सिंहस्थ-2028 के सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आयोजन को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा प्रदेशभर में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किए जाने की कार्ययोजना तैयार की गई है। इसी क्रम में विशेष शाखा पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार रतलाम जिले में पदस्थ पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए प्रत्येक सप्ताह सतत 06 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम चरण का शुभारंभ आज दिनांक 01 जून 2026 को पुराने पुलिस कंट्रोल रूम रतलाम में पुलिस उप महानिरीक्षक रतलाम रेंज श्री निमिष अग्रवाल एवं पुलिस अधीक्षक रतलाम श्री अमित कुमार की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया।

इस अवसर पर पुलिस उप महानिरीक्षक श्री निमिष अग्रवाल ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि सिंहस्थ विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक है, जिसमें लाखों श्रद्धालु देश-विदेश से पहुंचते हैं। ऐसे विशाल आयोजन में पुलिस की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से गंभीरता एवं समर्पण के साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर अपनी जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करने का आह्वान किया।

पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार ने कहा कि सिंहस्थ-2028 के दौरान सुरक्षा, यातायात, भीड़ नियंत्रण एवं आपदा प्रबंधन जैसी चुनौतियों का प्रभावी समाधान प्रशिक्षित एवं दक्ष पुलिस बल के माध्यम से ही संभव है। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आधुनिक पुलिसिंग, तकनीकी संसाधनों एवं आपातकालीन परिस्थितियों के प्रभावी प्रबंधन हेतु तैयार करना है। रतलाम जिले में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विभिन्न चरणों में आयोजित किया जाएगा। प्रथम चरण दिनांक 01 जून 2026 से 06 जून 2026 तक संचालित होगा, जिसमें जिले के कुल 66 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

प्रशिक्षण शुभारंभ कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री विवेक कुमार लाल, उप पुलिस अधीक्षक यातायात श्री आनंद स्वरूप सोनी, रक्षित निरीक्षक श्री मोहन भर्रावत सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षक उप पुलिस अधीक्षक सुश्री अनिशा जैन, निरीक्षक तूरसिंह डाबर, निरीक्षक रंजीत सिंगार, निरीक्षक प्रभाकर पाराशर, निरीक्षक वेदप्रकाश वर्मा, उपनिरीक्षक कुलदीप देथलिया, सूबेदार अनोखीलाल परमार, सूबेदार मोनिका सिंह ठाकुर एवं उपनिरीक्षक राजा तिवारी द्वारा विभिन्न विषयों पर व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

प्रशिक्षण में मुख्य रूप से संदिग्ध गतिविधियों की पहचान एवं रोकथाम, मेला क्षेत्र में चेकिंग एवं निगरानी व्यवस्था, शाही स्नान प्रबंधन, वीआईपी मूवमेंट, यातायात प्रबंधन, आपातकालीन एवं आपदा प्रतिक्रिया, वायरलेस एवं रेडियो संचार व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी प्रणाली, कानून व्यवस्था प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण तथा अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। रतलाम पुलिस द्वारा सिंहस्थ-2028 के सफल आयोजन हेतु पुलिस बल को दक्ष, प्रशिक्षित एवं तकनीकी रूप से सक्षम बनाने की दिशा में यह महत्वपूर्ण पहल निरंतर जारी रहेगी।

करोड़ों रुपए की चोरी मामले में अकोदिया पुलिस का 18 दिन बाद भी हाथ खाली- चोर मस्त, पुलिस पस्त?

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया नगर में हुई करोड़ों रुपए की चोरी के मामले में 18 दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं। नगर पंचायत के इतिहास की सबसे बड़ी चोरी 12 मई की रात्रि को नगर के पूर्व पार्षद लोकेंद्र सिंह उर्फ राहुल मंडलोई के निवास पर हुई थी, जिसमें लगभग 32 लाख 50 हजार रुपए नकद एवं 50 लाख रुपए से अधिक मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात चोरी होने का मामला सामने आया था।

घटना के बाद पुलिस ने दावा किया था कि जल्द ही मामले का खुलासा कर लिया जाएगा, लेकिन 18 दिन गुजर जाने के बाद भी पुलिस किसी ठोस निष्कर्ष तक नहीं पहुंच सकी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह राजपूत स्वयं घटनास्थल पर पहुंचे थे तथा जांच के लिए 8 अधिकारियों की विशेष टीम का गठन किया गया था। इससे नगरवासियों को उम्मीद जगी थी कि जल्द ही चोर पुलिस की गिरफ्त में होंगे, लेकिन अब तक कोई सफलता नहीं मिल सकी है।

पूर्व पार्षद लोकेंद्र सिंह उर्फ राहुल मंडलोई ने बताया कि घटना को लगभग तीन सप्ताह होने को हैं, लेकिन पुलिस चोरी गए माल का तो दूर, आरोपियों का कोई सुराग तक नहीं लगा पाई है। उनका कहना है कि यदि पुलिस ने जल्द कार्रवाई नहीं की तो उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

नगरवासियों का कहना है कि जिले में चर्चित इस बड़ी चोरी के मामले में अब तक कोई खुलासा नहीं होना चिंता का विषय है। लोगों का आरोप है कि पुलिस मामले को अपेक्षित गंभीरता से नहीं ले रही है। नगर में इस चोरी की चर्चा लगातार बनी हुई है और लोगों में पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी बढ़ती जा रही है।

अब देखना यह होगा कि पुलिस इस हाई-प्रोफाइल चोरी मामले का खुलासा कब तक कर पाती है और नगरवासियों को न्याय मिलने की उम्मीद कब पूरी होती है।

वल्लभ भवन में गूंजी बागली की आवाज, मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद 15 करोड़ के विकास कार्यों को मिली हरी झंडी

बागली के विकास को मिलेगी नई गति- विधायक मुरली भंवरा ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को सौंपा 15 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का मांग-पत्र

बागली/दैनिक मालवा हेराल्ड। बागली विधानसभा के लोकप्रिय विधायक मुरली भंवरा ने आज भोपाल स्थित वल्लभ भवन में मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से आत्मीय भेंट कर गृह नगर बागली के समग्र, सुनियोजित एवं दीर्घकालिक विकास के लिए 15 करोड़ रुपये की विभिन्न जनहितकारी विकास योजनाओं का विस्तृत मांग-पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बागली क्षेत्र की आवश्यकताओं को गंभीरता से लेते हुए प्रस्तावित विकास कार्यों को सिद्धांततः स्वीकृति प्रदान की, जिससे क्षेत्रवासियों में उत्साह एवं खुशी का माहौल है।

विधायक मुरली भंवरा ने कहा कि बागली नगर एवं संपूर्ण विधानसभा क्षेत्र के विकास, मूलभूत सुविधाओं के विस्तार और नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री के विशेष स्नेह और सहयोग से बागली नगर विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।

15 करोड़ रुपये से होंगे ये प्रमुख विकास कार्य- मुख्यमंत्री को सौंपे गए मांग-पत्र में बागली नगर के लिए निम्नलिखित विकास कार्यों की स्वीकृति का आग्रह किया गया है–

कैलाश जोशी बस स्टैंड से शिवाजी चौराहा होते हुए उपजेल बागली तक सड़क चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण राशि ⁼ 5 करोड़ रुपये क्रियान्वयन एजेंसी ⁼ लोक निर्माण विभाग

कार्य नगर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के साथ-साथ शहर की सुंदरता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

काली सिंध नदी के उद्गम स्थल से रंजीत डेम तक गहरीकरण एवं चौड़ीकरण राशि ⁼ 3 करोड़ रुपये क्रियान्वयन एजेंसी ⁼ जल संसाधन विभाग इस परियोजना से जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा तथा क्षेत्र में जल उपलब्धता की स्थिति और मजबूत होगी।

वार्ड क्रमांक 06 में विद्युत पोल लाइन विस्तार राशि ⁼ 60 लाख रुपये क्रियान्वयन एजेंसी ⁼ म.प्र. पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी

इस कार्य से वार्डवासियों को बेहतर विद्युत सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

शासकीय महाविद्यालय बागली में बाउंड्रीवाल निर्माण राशि ⁼ 1.50 करोड़ रुपयेक्रियान्वयन एजेंसी ⁼ लोक निर्माण विभाग महाविद्यालय परिसर की सुरक्षा एवं सुव्यवस्थित विकास के लिए यह कार्य अत्यंत आवश्यक माना जा रहा है।

शासकीय महाविद्यालय में खेल स्टेडियम निर्माण राशि ⁼ 3 करोड़ रुपये क्रियान्वयन एजेंसी ⁼ लोक निर्माण विभाग ,इस स्टेडियम के निर्माण से क्षेत्र के युवाओं एवं खिलाड़ियों को आधुनिक खेल सुविधाएं प्राप्त होंगी और खेल प्रतिभाओं को नया मंच मिलेगा।

नगर के 15 वार्डों में सीसी रोड एवं नाली निर्माण राशि ⁼ 1.90 करोड़ रुपये क्रियान्वयन एजेंसी ⁼ नगर परिषद बागली

इस परियोजना से नागरिक सुविधाओं में सुधार होगा तथा स्वच्छ एवं व्यवस्थित नगर निर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा।

मुख्यमंत्री के विशेष स्नेह से विकास को मिलेगी नई दिशा- विधायक मुरली भंवरा ने कहा कि बागली नगर के विकास की यह योजना केवल निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह क्षेत्र की भावी आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया एक व्यापक विकास खाका है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा इन मांगों को सकारात्मक रूप से स्वीकार करना बागली की जनता के विश्वास, अपेक्षाओं और विकास की आकांक्षाओं का सम्मान है।

उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि होने के नाते बागली विधानसभा और नगर के सर्वांगीण विकास की जिम्मेदारी उनका सर्वोच्च दायित्व है। जनता की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति, अधोसंरचना विकास तथा युवाओं, किसानों और नागरिकों के हितों की रक्षा के लिए वे निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के विशेष स्नेह, विधायक मुरली भंवरा के सतत प्रयासों और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता के परिणामस्वरूप बागली नगर को विकास की एक नई सौगात मिलने जा रही है, जिससे आने वाले वर्षों में नगर की तस्वीर और तकदीर दोनों बदलने की उम्मीद है।

रतलाम जिले को मिले 100 नव चयनित आरक्षक, पुलिस अधीक्षक ने नियुक्ति पत्र देकर किया स्वागत

देशभक्ति, जनसेवा, अनुशासन एवं कर्तव्यनिष्ठा के मूल्यों के साथ पुलिस सेवा में प्रवेश करने का दिया संदेश

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार एवं पुलिस महानिदेशक मध्यप्रदेश श्री कैलाश मकवाना के नेतृत्व में मध्यप्रदेश पुलिस को अधिक सक्षम, तकनीकी रूप से दक्ष एवं जनोन्मुखी बनाने की दिशा में सतत प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में पुलिस विभाग में रिक्त पदों की पूर्ति हेतु मिशन मोड पर आरक्षक भर्ती प्रक्रिया संचालित की जा रही है।

वर्ष 2025 की पुलिस आरक्षक भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत जिला पुलिस रतलाम को कुल 100 नव चयनित आरक्षक प्राप्त हुए हैं। नव चयनित आरक्षकों के स्वागत एवं नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन पुलिस अधीक्षक कार्यालय रतलाम में किया गया।

कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक रतलाम श्री अमित कुमार (भा.पु.से.) द्वारा नव चयनित आरक्षकों को नियुक्ति पत्र प्रदान कर मध्यप्रदेश पुलिस परिवार में उनका स्वागत किया गया। इस अवसर पर उन्होंने सभी नव आरक्षकों को पुलिस सेवा की गरिमा, दायित्वों एवं कर्तव्यों से अवगत कराते हुए देशभक्ति, जनसेवा, अनुशासन, ईमानदारी एवं कर्तव्यनिष्ठा को अपने जीवन का मूल मंत्र बनाने का संदेश दिया।

पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार ने कहा कि पुलिस सेवा केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि समाज एवं राष्ट्र की सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। आमजन की सुरक्षा, कानून व्यवस्था बनाए रखना तथा नागरिकों के विश्वास को सुदृढ़ करना प्रत्येक पुलिसकर्मी का सर्वोच्च दायित्व है। उन्होंने नव नियुक्त आरक्षकों से अपेक्षा की कि वे पूरी निष्ठा, संवेदनशीलता एवं समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे तथा मध्यप्रदेश पुलिस की गौरवशाली परंपराओं को आगे बढ़ाएंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान समय में पुलिसिंग का स्वरूप तेजी से बदल रहा है और आधुनिक तकनीक, साइबर अपराधों की चुनौतियों तथा जन अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक पुलिसकर्मी को निरंतर सीखने एवं स्वयं को अद्यतन रखने की आवश्यकता है।

संघर्ष से सफलता तक की प्रेरणादायक यात्रा- उल्लेखनीय है कि चयनित अभ्यर्थियों में अनेक ऐसे युवा शामिल हैं जिन्होंने सीमित संसाधनों एवं कठिन परिस्थितियों के बावजूद अथक परिश्रम, लगन एवं दृढ़ संकल्प के बल पर सफलता प्राप्त की है। इन युवाओं की उपलब्धि अन्य अभ्यर्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है तथा यह सिद्ध करती है कि कठिन परिश्रम एवं समर्पण से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

मध्यप्रदेश पुलिस में शामिल होकर ये नव चयनित आरक्षक प्रदेश की कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा नागरिकों की सुरक्षा एवं सेवा के दायित्व का निर्वहन करेंगे।

कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों द्वारा नव नियुक्त आरक्षकों को उनके उज्ज्वल भविष्य एवं सफल सेवा जीवन के लिए शुभकामनाएं प्रदान की गईं।

अमृता त्रिपाठी ने कथा में भगवान श्रीकृष्ण द्वारा कंस वध तथा रुक्मिणी विवाह का पावन प्रसंग सुनाया

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जांगड़ा पोरवाल समाज राधा कृष्ण मंदिर में चल रही भागवत कथा के छठे दिन सोमवार को कथा व्यास पूज्य अमृता त्रिपाठी ने कथा में भगवान श्रीकृष्ण द्वारा कंस वध तथा रुक्मिणी विवाह का पावन प्रसंग सुनाया। कथा के माध्यम से मथुरा नगरी में भगवान श्रीकृष्ण और बलराम के आगमन, धनुष यज्ञ, कुवलयापीड़ हाथी और मल्लों के संहार का वर्णन श्रवण कराया। अंत में भगवान श्रीकृष्ण अत्याचारी कंस का वध कर अपने माता-पिता को कारागार से मुक्त कराया।

कथा में बताया गया कि अधर्म और अत्याचार चाहे कितना भी शक्तिशाली क्यों न दिखाई दे, अंततः सत्य और धर्म की ही विजय होती है। भगवान अपने भक्तों की रक्षा और दुष्टों के विनाश के लिए समय आने पर अवश्य प्रकट होते हैं। कंस वध का प्रसंग जीव को भय, अहंकार और अन्याय से दूर रहने की प्रेरणा देता है।

उन्होंने रुक्मिणी विवाह का अत्यंत मधुर और भक्तिमय प्रसंग वर्णन। विदर्भ राजकुमारी रुक्मिणी जी का भगवान श्रीकृष्ण के प्रति अटूट प्रेम, उनका संदेश तथा भगवान द्वारा रुक्मिणी हरण कर विवाह करने की दिव्य लीला का सुंदर वर्णन किया गया।

इस प्रसंग से यह शिक्षा मिलती है कि सच्ची श्रद्धा और निष्काम प्रेम से भगवान अवश्य प्रसन्न होते हैं। भक्त का प्रेम भगवान को भी अपने भक्त के प्रति आकर्षित कर लेता है। कथा के अंत में भगवान श्रीकृष्ण विवाह उत्सव के मंगल गीतों और जयकारों से सम्पूर्ण वातावरण आनंदमय हो उठा। छठे दिन के लाभार्थी चांदमल सूरजमल गुप्ता परिवार थे। पंच धाकड़ समाज, स्वर्णकार समाज, सरस्वती शिशु मंदिर परिवार, भाजपा मंडल उन्हेल, जगदीश शर्माभाजपा विमुक्त अर्ध घुमक्कड़ जाति, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी उन्हेल,अमावस्या ग्रुप, बालकृष्ण विपट, सोनू मकवाना ने व्यासपीठ का पूजन कर कथा व्यास दीदी का सम्मान कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

आंधी का कहर, सोलर प्लांटों की 2000 से अधिक प्लेटें क्षतिग्रस्त

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। सोमवार दोपहर आई तेज आंधी और बारिश ने नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भारी नुकसान पहुंचाया। आंधी का असर सोलर ऊर्जा परियोजनाओं पर भी देखने को मिला। जानकारी के अनुसार 350 मेगावॉट सोलर प्लांट उमरिया में 1500 से अधिक, जामुनिया स्थित सोलर प्लांट में करीब 110 सोलर प्लेटें क्षतिग्रस्त हो गईं जबकि पालड़ा स्थित सोलर प्लांट में लगभग 400 सोलर प्लेटें तेज हवाओं की चपेट में आकर उड़ गईं या टूट गईं।

तेज हवा के कारण सोलर प्लांटों में लगे स्ट्रक्चर और प्लेटों को भारी नुकसान पहुंचा है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार इस घटना में लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। आंधी का वेग इतना तेज था कि कई प्लेटें अपने स्थान से उखड़कर दूर जा गिरीं। घटना के बाद प्लांट प्रबंधन द्वारा नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में पल्स पोलियो अभियान हेतु जिला कार्यबल की बैठक आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में आगामी 28, 29 एवं 30 जून 2026 को आयोजित होने वाले पल्स पोलियो अभियान के सफल एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अंतर्विभागीय जिला कार्यबल की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान के दौरान विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय, दायित्वों के निर्वहन तथा आवश्यक व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की गई।

बैठक में बताया गया कि भारत में विगत 15 वर्षों से पोलियो का कोई मामला सामने नहीं आया है, किन्तु वैश्विक स्तर पर कुछ देशों में पुनः पोलियो के प्रकरण सामने आने तथा भारत के पड़ोसी देशों में भी पोलियो संक्रमण के मामले पाए जाने के कारण पोलियो उन्मूलन की उपलब्धि को बनाए रखने हेतु पल्स पोलियो अभियान का नियमित संचालन आवश्यक है। बैठक में जानकारी दी गई कि 28 जून 2026 को जिलेभर में स्थापित पोलियो बूथों पर 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को ओरल पोलियो वैक्सीन (ओपीवी) की खुराक पिलाई जाएगी।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

महाकाल सवारी को ध्यान में रखकर दो प्रमुख सड़कों के चौड़ीकरण की तैयारी

रामानुजकोट-दानीगेट और महाकाल चौराहा-ढाबा रोड के टेंडर जारी- सावन-भादौ के बाद शुरू होगा निर्माण कार्य

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम ने सोमवार को शहर की दो महत्वपूर्ण सड़कों रामानुजकोट-दानीगेट मार्ग तथा महाकाल चौराहा-ढाबा रोड के चौड़ीकरण के लिए टेंडर जारी कर दिए हैं। दोनों परियोजनाओं के लिए 11 जून तक टेंडर भरे जा सकेंगे। अधिकारियों के अनुसार सावन और भादौ माह के धार्मिक आयोजनों के बाद निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

नगर निगम ने महाकाल चौराहा से ढाबा रोड तक सड़क चौड़ीकरण के लिए करीब 13.55 करोड़ रुपए तथा रामानुजकोट से दानीगेट मार्ग के लिए 10.02 करोड़ रुपए का बजट निर्धारित किया है। चयनित एजेंसी को वर्क ऑर्डर जारी होने के बाद एक वर्ष के भीतर काम पूरा करना होगा। नगर निगम और प्रशासन का मानना है कि सिंहस्थ महापर्व के दौरान लाखों श्रद्धालुओं की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए सड़क नेटवर्क को मजबूत करना आवश्यक है। महाकाल मंदिर क्षेत्र से जुड़ी सड़कें धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। महाकाल चौराहा-ढाबा रोड पर सामान्य दिनों में भी भारी यातायात रहता है, जबकि पर्व-त्योहारों और महाकाल की सवारी के दौरान यहां जाम की स्थिति बन जाती है। स्थानीय लोगों के अनुसार कई बार इस मार्ग पर पैदल चलने तक की जगह नहीं बचती। अतिक्रमण हटने के बाद सड़क की वास्तविक चौड़ाई दिखाई देती है, लेकिन स्थायी समाधान के लिए अब चौड़ीकरण का फैसला लिया गया है।

दानीगेट मार्ग पर भी दिनभर रहता है दबाव- रामानुजकोट-दानीगेट मार्ग शहर के पुराने हिस्से को नदी क्षेत्र से जोड़ने वाला प्रमुख रास्ता है। धार्मिक स्नान, पर्व और विशेष आयोजनों के दौरान यहां वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं। कई बार लोगों को इस मार्ग से निकलने में काफी समय लग जाता है। चौड़ीकरण के बाद इस क्षेत्र में ट्रैफिक दबाव कम होने और आवागमन सुगम होने की उम्मीद है।

पुराने शहर में तेजी से चल रहा सड़क विस्तार- नगर निगम पहले ही कोयला फाटक-छत्री चौक, गाड़ी अड्डा-बड़ा पुल, तेलीवाड़ा-छोटी पुलिया और रविशंकर नगर-लालपुल जैसे प्रमुख मार्गों के चौड़ीकरण की प्रक्रिया आगे बढ़ा चुका है। अब इन दो नई परियोजनाओं के जुड़ने से पुराने शहर की अधिकांश प्रमुख सड़कें मास्टर प्लान के दायरे में आ गई हैं।

व्यापारियों की चिंता भी बरकरार- हालांकि सड़क चौड़ीकरण की योजना को लेकर संबंधित क्षेत्रों के कुछ व्यापारी पूरी तरह सहमत नहीं हैं। उनका कहना है कि बेहतर ट्रैफिक प्रबंधन और अतिक्रमण हटाने की प्रभावी कार्रवाई से भी काफी हद तक समस्या का समाधान किया जा सकता है। व्यापारियों को आशंका है कि चौड़ीकरण से उनकी दुकानों और व्यवसाय पर असर पड़ सकता है।फिलहाल नगर निगम ने टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। 11 जून के बाद निविदाओं की जांच और स्वीकृति की प्रक्रिया पूरी होने पर निर्माण एजेंसी का चयन किया जाएगा। इसके बाद सावन-भादौ के धार्मिक आयोजनों के समाप्त होते ही दोनों परियोजनाओं पर काम शुरू होने की संभावना है।

फिल्म निर्माता मधुर भंडारकर, अभिनेता जय भानुशाली और अभिनेत्री आरती सिंह ने किए महाकाल दर्शन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकालेश्वर मंदिर में आज सोमवार तड़के भस्म आरती में फिल्म और टीवी जगत की चर्चित हस्तियों ने भगवान महाकाल के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। प्रतिदिन सुबह होने वाली भस्म आरती में आज फिल्म निर्माता मधुर भंडारकर भी शामिल हुए। उन्होंने नंदी हॉल से भस्म आरती के दर्शन किए और मंदिर की आध्यात्मिक परंपरा की सराहना की। वहीं आज टीवी एवं फिल्म अभिनेता जय भानुशाली तथा टीवी अभिनेत्री आरती सिंह ने भी महाकाल की भस्म आरती में शामिल होकर पूजा-अर्चना की। दोनों कलाकारों ने मंदिर की धार्मिक गरिमा और भव्यता को नजदीक से अनुभव किया तथा देश-प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। भस्म आरती के बाद मंदिर प्रशासन की ओर से सभी अतिथियों का सम्मान किया गया। मंदिर परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं ने भी फिल्मी हस्तियों की एक झलक पाने के लिए उत्साह दिखाया। बाबा महाकाल के दरबार में पहुंचकर सभी ने आध्यात्मिक ऊर्जा और दिव्य वातावरण का अनुभव किया।

सिंहस्थ मेला अधिकारी और कलेक्टर द्वारा नरसिंह घाट तिराहे से रामघाट तक मार्ग निर्माण का निरीक्षण किया गया

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सोमवार को संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह और कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह द्वारा सिंहस्थ महापर्व 2028 के अंतर्गत निर्माणरत नरसिंह घाट तिराहे से रामघाट तक सड़क निर्माण का निरीक्षण किया गया। इस कार्य में गति लाने के निर्देश दिए गए। झालरिया मठ से होते हुए रामघाट तक के मार्ग का अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया गया। वहां रामघाट की ओर जाने वाले मार्ग में स्थित ढलान को कम करने के निर्देश दिए गए। रामघाट पर चल रहे विकास कार्य का अवलोकन किया गया। छोटी रपट पर चल रहे पुल निर्माण की प्रगति के बारे में सेतु विभाग के अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। बताया गया कि नया पुल लगभग 30 मीटर चौड़ा बनेगा तथा इसकी ऊंचाई में भी थोड़ी वृध्दि होगी। इसके पश्चात मेला अधिकारी और कलेक्टर द्वारा उज्जैन मक्सी रोड चौड़ीकरण कार्य का स्थल निरीक्षण किया गया। बताया गया कि यह रोड 9-9 मीटर चौड़ा किया जाएगा। मेला अधिकारी श्री सिंह ने निर्देश दिए कि 07 किमी. तक जो सीमेंट कांक्रीट का कार्य किया जाना है उसमें रेज्ड कर्व बनाया जाकर वहां पर पौधा रोपण कराये जाने की कार्य योजना बनाई जाए। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

सर्वे शुरु होने से पहले शहर के सार्वजनिक सुविधा घर और टॉयलेट चमके

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर उज्जैन नगर निगम ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। शहर की स्वच्छता व्यवस्था का आकलन करने के लिए जल्द ही दिल्ली से केंद्रीय टीम उज्जैन पहुंचने वाली है। इस दौरान शहर के कई सार्वजनिक सुविधा घर और टॉयलेट साफ सफाई के बाद चमकने लगे हैं। अभी निगम की स्थानिय टीम सर्वे की रिहर्सल कर रही है। शहर में कई स्थानों पर नगर निगम स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारियों का अभ्यास कर रही है। इसके लिए कई क्षेत्र की गलियों में विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है, साथ ही दीवारों पर आकर्षक वॉल पेंटिंग कर स्वच्छता का संदेश दिया जा रहा है। निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों ने निरीक्षण के दौरान दिखाई जाने वाली व्यवस्थाओं का भी अभ्यास किया जा रहा है। रिहर्सल के दौरान सफाई व्यवस्था, कचरा संग्रहण, जनजागरूकता गतिविधियों और क्षेत्र की सुंदरता बढ़ाने के प्रयासों पर विशेष ध्यान देने पर फोकस किया जा रहा है। इसके कारण गंदे पड़े शहर के कई सुविधाघर और टॉयलेट चमकने लगे हैं। निगम का उद्देश्य है कि केंद्रीय टीम के निरीक्षण के समय शहर की स्वच्छता और व्यवस्थाओं का बेहतर प्रदर्शन किया जा सके। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर रैंकिंग हासिल करने के लिए शहर के विभिन्न क्षेत्रों में इसी तरह की तैयारियां लगातार की जा रही हैं। नागरिकों से भी स्वच्छता बनाए रखने और सर्वेक्षण में सहयोग करने की अपील की गई है।

महाकाल में अब हर दिन उमड़ रही भीड़

महाकाल लोक, हरसिद्धि और बड़े गणेश क्षेत्र में सुबह से शाम तक नजर आता है श्रद्धालुओं का सैलाब

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन में अब केवल शनिवार-रविवार या त्योहारों पर ही नहीं, बल्कि सप्ताह के हर दिन प्रमुख मंदिरों के आसपास भीड़ नजर आने लगी हैं। विशेषकर महाकालेश्वर मंदिर, महाकाल लोक, हरसिद्धि मंदिर, रामघाट और बड़े गणेश क्षेत्र में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालुओं की आवाजाही हो रही है। यहां सुबह से शाम तक लोगों का आवागमन बना रहता है।

उल्लेखनीय है कि महाकाल लोक के निर्माण और धार्मिक सुविधाओं के विस्तार के बाद देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ी है। पहले जहां सप्ताहांत पर ही भीड़ देखने को मिलती थी, वहीं अब सोमवार से शुक्रवार तक भी मंदिरों और प्रमुख धार्मिक स्थलों पर लंबी कतारें दिखाई दे रही हैं। हालत यह है कि सुबह से शाम तक शिप्रा तट पर आरती, महाकाल लोक की रोशनी, हरसिद्धि मंदिर की दीप सज्जा और मंदिरों में दर्शन के लिए उमड़ती भीड़ शहर को अलग ही आध्यात्मिक स्वरूप देती है। श्रद्धालु परिवारों के साथ दर्शन करने पहुंच रहे हैं और देर रात तक धार्मिक क्षेत्रों में चहल-पहल बनी रहती है। इसके अलावा महाकाल मंदिर में शीघ्र दर्शन के लिए 250 रुपए की टिकट लेने वाले श्रद्धालुओं की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। वहीं महाकाल लोक और मंदिर परिसर में घूमने वालों की भी बड़ी संख्या देखी जा रही है। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या का सीधा फायदा होटल, रेस्टोरेंट, ई-रिक्शा, ऑटो चालक, प्रसाद विक्रेता और स्थानीय व्यापारियों को मिल रहा है। शहर के बाजारों में रौनक बढ़ी है और पर्यटन आधारित व्यवसायों को इसका फायदा मिल रहा है।

उज्जैन के युवकों को शाजापुर ले जाकर मारे चाकू

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उधार लिए रुपए लौटाने के बहाने सफाईकर्मी और उसके ड्रायवर दोस्त को शाजापुर ले जाकर एक युवक ने अपने साथियों के साथ मिलकर चाकू मार दिए। सफाईकर्मी गंभीर घायल हुआ था। ड्रायवर दोस्त मामूली घायल था। दोनों बाइक से घायल हालत में उज्जैन आ गए जहां चरक अस्पताल में उपचार चल रहा है। अन्नपूर्णा नगर में रहने वाला संदीप पिता नारायण गौहर 31 वर्ष भोज यूनिवर्सिटी के कार्यालय में सफाईकर्मी है। उसकी कुछ समय पहले पहचान राकेश पिता रामचंद्र हारोलिया निवासी शाजापुर हालमुकाम विक्रम वाटिका कन्या छात्रावास से हुई थी। राकेश ने जरूरत होने पर संदीप से 1 लाख रुपए लिए थे। कुछ दिन बाद वापस नहीं लौटाने पर संदीप ने रुपए मांगना शुरू किए। कई दिनों तक राकेश आनाकानी करता रहा। रविवार दोपहर राकेश ने कहा कि वह रुपए लौटा देगा लेकिन शाजापुर चलना होगा जहां पिता रुपए देंगे। संदीप अपने ड्रायवर दोस्त विशाल पिता सत्यनारायण बैरागी निवासी हाटकेश्वर के साथ बाइक से राकेश को लेकर शाजापुर रवाना हो गए। जेल रोड लालघाटी पहुंचते ही राकेश ने लघुशंका के लिए बाइक रूकवाई और उतरते ही संदीप पर चाकू से हमला कर दिया। यह देख दोस्त विशाल ने बीच बचाव का प्रयास किया तो उसके हाथ पर भी चाकू मार दिए। राकेश ने पहले ही अपने दोस्तों को वहां बुला लिया था जिन्होंने पथराव शुरू कर दिया। विशाल गंभीर घायल हो चुके संदीप को बाइक से लेकर भाग निकला और सीधे उज्जैन चरक अस्पताल पहुंचा जहां शाम को डॉक्टरों ने विशाल का प्राथमिक उपचार किया। उसके हाथ की अंगुलियों पर चाकू लगे थे। संदीप को गहरे घाव थे जिसे उपचार के लिए भर्ती किया गया। मामले की सूचना अस्पताल की ओर से कोतवाली पुलिस को दी गई। पुलिस ने घायलों के बयान दर्ज किए हैं। मामले की जांच संबंधित थाना पुलिस को भेजी जा सकती है।

कुख्यात बदमाश को जेल से लाई नीलगंगा पुलिस

भाईयों के पास मिली थी ड्रग्स, बड़ोद में तस्करों की तलाश

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मौसेरे भाईयों को एमडी ड्रग्स उपलब्ध कराने वाले कुख्यात बदमाश रौनक गुर्जर को नीलगंगा पुलिस पूछताछ के लिये प्रोटेक्शन रिमांड पर जेल से लेकर आई है। कुख्यात बदमाश को राजस्थान ले जाया गया है। जहां ड्रग्स सप्लायरों की तलाश जारी है।

नीलगंगा थाना प्रभारी तरूण कुरील ने बताया कि 19 अप्रैल की रात वाकणकर ब्रिज के पास पार्किंग से नमन उर्फ नवीन पिता हरनामसिंह गुर्जर और उसके भाई चंद्रशेखर गुर्जर को पकड़ा गया था। जिनके पास से 25 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की गई थी। दोनों नशा करने वालों को बेचने के लिये निकले थे। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण दर्ज कर 2 दिनों की रिमांड पर पूछताछ की गई थी। इस दौरान दोनों ने कबूल किया था कि उन्हे ड्रग्स मौसेरा भाई रौनक गुर्जर, अनमोल गुर्जर और रोशन गुर्जर उपलब्ध करते थे। उस दौरान रौनक गुर्जर फर्जी गोलीकांड में फरार था। वहीं रोशन गुर्जर अपनी पूर्व पत्नी को धमकाने के मामले में फरार चल रहा है। अनमोल गुर्जर ने भी देवासगेट क्षेत्र में गोली चलाई थी, जो फरार चल रहे है। फर्जी गोलीकांड में चिमनगंज थाना पुलिस ने रौनक गुर्जर को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। थाना प्रभारी के अनुसार उसकी तलाश ड्रग्स मामले में थी, जिसके चलते उसे 2 दिनों की प्रोटेक्शन रिमांड पर लाया गया है, उसने ड्रग्स राजस्थान के डग बडौद से लाना बताया। एक टीम राजस्थान भेजी गई है। जहां ड्रग्स सप्लायरों की तलाश जारी है। प्रोटेक्शन रिमांड खत्म होने पर उसे कोर्ट में पेश कर दोबारा जेल भेजा जायेगा।

काल भैरव मंदिर में भी श्रध्दालुओं से शीघ्र दर्शन के नाम पर वसूली जा रही अधिक राशि

भैरवगढ़ थाना पुलिस ने कहा, ऐसी सूचना है लेकिन कोई शिकायत करने नहीं पहुंचा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। काल भैरव मंदिर में हाल ही में श्रद्धालुओं के लिए शीघ्र दर्शन व्यवस्था शुरू की गई है। पिछले बुधवार से लागू हुई इस नई व्यवस्था के तहत श्रद्धालु 500 रुपए का टिकट लेकर सीधे गर्भगृह से दर्शन कराए जा रहे हैं। मंदिर प्रशासन ने शुरुआत में यह सुविधा ऑफलाइन रखी है, जिसे जल्द ही ऑनलाइन करने की तैयारी भी शुरू कर दी गई है। इस बीच भैरवगढ़ थाना पुलिस को शीघ्र दर्शन के नाम पर श्रध्दालुओं से अधिक राशि वसूलने की सूचनाएं मिल रह है लेकिन कोई शिकायत करने नहीं पहुंचा है।

उल्लेखनीय है कि भैरवगढ़ में शुरु की गई 500 रुपए टिकट की शीघ्र दर्शन व्यवस्था के लिए मंदिर परिसर के बाहर बनाए गए टिकट काउंटर से सुबह 6 बजे से रात 9 बजे तक टिकट मिल रहे हैं। टिकट लेने वाले श्रद्धालुओं को विशेष मार्ग से प्रवेश दिया जा रहा है, जिससे वे सामान्य कतार से अलग सीधे गर्भगृह तक पहुंच रहे हैं। मंदिर प्रशासन का कहना है कि कई बार श्रद्धालु शीघ्र दर्शन के नाम पर ठगी का शिकार हो जाते थे। नई व्यवस्था लागू होने के बाद अब श्रद्धालु अधिकृत टिकट लेकर सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से दर्शन कर पा रहे हैं। इधर भैरवगढ़ थाना पुलिस को बाहर के श्रध्दालुओं से कतिपय लोगों द्वारा शीघ्र दर्शन के नाम पर इससे अधिक राशि वसूलने की सूचनाएं मिल रही है। इस बारे में भैरवगढ़ थाने के टीआई शैलेन्द्र राजावत का कहना है कि ऐसी सूचनाएं अवश्य आ रही है, लेकिन अभी तक इस बात की शिकायत करने के लिए कोई व्यक्ति या श्रध्दालु थाने नहीं आया है। शिकायत मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

वंदे भारत एक्सप्रेस पर नाबालिग ने किया था पथराव

7 दिन बाद तीन को पकड़ा, 6 कोच के फूटे थे कांच

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। वंदे भारत एक्सप्रेस पर सात दिन पहले हुए पथराव मामले में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने जांच के बाद तीन नाबालिग को पकड़ा है। उन्हें बांड भरवाकर छोड़ दिया गया। जल्द ही जुवेनाइल कोर्ट में पेश किया जाएगा। इस घटना में ट्रेन के छह कोचों के कांच क्षतिग्रस्त हुए हैं।

जानकारी के अनुसार 25 मई को उज्जैन रेलवे स्टेशन से करीब 200 मीटर दूर गदा पुलिया क्षेत्र के पास वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव हुआ था। घटना के दौरान ट्रेन गदा पुलिया और नीलगंगा रेलवे ट्रैक के बीच से गुजर रही थी। अचानक हुए पथराव से यात्रियों में दहशत फैल गई थी। पथराव में ट्रेन के कोच सी-6, सी-7, सी-8, सी-9, ई-1 और ई-2 की खिड़कियों तथा पिलर ग्लास को नुकसान पहुंचा था। घटना के बाद रेलवे प्रशासन और आरपीएफ ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की थी। आरपीएफ को जांच के दौरान घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज मिले। फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच टीम ने गदा पुलिया क्षेत्र के तीन नाबालिग बच्चों की पहचान की। पूछताछ में बच्चों ने स्वीकार किया कि वे रेलवे ट्रैक के पास क्रिकेट खेल रहे थे और मस्ती में उन्होंने चलती ट्रेन की ओर पत्थर फेंक दिए थे।

आरपीएफ थाना प्रभारी नरेंद्र यादव ने बताया कि एएसआई शिव सिंह और उनकी टीम ने फुटेज के आधार पर बच्चों तक पहुंच बनाई। पूछताछ के दौरान तीनों बच्चों ने घटना स्वीकार कर ली। इसके बाद उनके परिजनों को बुलाया गया और उनसे बांड भरवाकर बच्चों को सुपुर्द कर दिया गया। आरपीएफ अधिकारियों के अनुसार मामले की आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी और तीनों नाबालिगों को किशोर न्याय बोर्ड (जुवेनाइल कोर्ट) के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि रेलवे ट्रैक के आसपास खेलकूद या किसी भी प्रकार की ऐसी गतिविधि से बचें, जिससे यात्रियों की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। रेलवे प्रशासन ने कहा है कि चलती ट्रेनों पर पथराव न केवल रेलवे संपत्ति को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि यात्रियों की जान के लिए भी गंभीर खतरा पैदा कर सकता है।

कलेक्टर श्री सिंह ने समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक की

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह द्वारा सोमवार को प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक ली गई।

बैठक में पेयजल आपूर्ति की समीक्षा के दौरान नगर पालिक निगम को निर्देश दिए गए कि पेयजल की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। समय-समय पर इसकी जांच की जाएं। पानी की टंकियों की सफाई भी समय-समय पर करवाई जाए। शहरी क्षेत्रों में पंप के द्वारा जब पानी की टंकियां भरी जाती हैं, उस समय विद्युत प्रदाय निर्बाध रूप से किया जाए। सीएम हेल्प लाईन में पेयजल से संबंधित शिकायत आने पर तुरंत संज्ञान में लेकर संतुष्टिपूर्वक समस्या का निराकरण करें। सभी एसडीएम यह सुनिश्चित करें कि शहरी क्षेत्र में कहीं भी यदि दूषित पेयजल से संबंधित शिकायत प्राप्त होती है, तो तुरंत उस पर कार्यवाही करें। कलेक्टर श्री सिंह द्वारा समस्त विकासखण्डों में पेयजल के स्टॉक की समीक्षा की गई। लोकनिर्माण विभाग, पीएमजेएसवाय और एमपीआरडीसी के अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सड़क निर्माण के दौरान वहां पर स्थित पानी की पाईप लाइन का विशेष ध्यान रखा जाए। निर्माण के दौरान पाइप लाईन क्षतिग्रस्त ना हो यह सुनिश्चित किया जाए। बैठक में जनगणना 2026-27 के अंतर्गत जिले में अब तक हुई प्रक्रिया के सफलता पूर्वक और समय सीमा में पूर्ण होने पर कलेक्टर श्री सिंह ने संबंधित अधिकारियों को बधाई दी और अगले चरण में भी इसी प्रकार कार्य संपादित करवाने के निर्देश दिए।

जमीन का फर्जी मालिक बन 2 लोगो ने की 36 लाख की धोखाधड़ी

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जमीन का फर्जी मालिक बनकर एक व्यक्ति ने दलाल के माध्यम से धोखाधड़ी को अंजाम दिया। दोनों ने 1.39 करोड़ में 12 बीघा जमीन का सौदा किया था और अनुबंध के रूप में 35 लाख लिये थे। दोनों के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया है।

माधवनगर थाना पुलिस ने बताया कि ग्राम मानपुरा के रहने वाले रविन्द्रसिंह तवंर द्वारा शिकायत दर्ज कराई कि उसने कुछ माह पहले अपनी जमीन डेढ़ करोड़ में बेची थी। उसे नई जमीन की तलाश थी। इसी दौरान उसकी मुलाकात दलाल मंगलसिंह से हुई। उसने घट्टिया तहसील के ग्राम सलामता में जमीन दिखाने के लिये कहा। रविन्द्रसिंह अपने भतीजे के साथ जमीन देखने पहुंचा। जहां मोबाइल पर उक्त जमीन का खसरा नम्बर देखा गया। जो दिलीपसिंह के नाम पर था। जमीन का सौदा तय करने की बात मंगलसिंह से की गई। उसने एक दिन बाद दिलीपसिंह से मुलाकात कराई और सौदा 1 करोड़ 39 लाख में तय हो गया। इस दौरान दिलीपसिंह के खाते में 95 हजार का ट्रांजेक्शन किया गया। 9 मई को रजिस्ट्रार कार्यालय भरतपुरी में अनुबंध कराया गया और 10 लाख रूपये नगद के साथ 25 लाख का चैक दिया गया। जमीन का सौदा होने पर रविन्द्रसिंह के परिवार ने जमीन दिखाने की बात कही। परिवार ग्राम सलामता पहुंचा। जहां गांव वालों से पूछताछ कर दिलीपसिंह के घर पहुंचे। दिलीपसिंह सामने आया तो वह दूसरा व्यक्ति था। उससे जमीन का सौदा करने की बात कही तो उसने जमीन बेचने की बात से इंकार किया। रविन्द्र ने दलाल से संपर्क किया और वह गायब हो गया। अपने साथ फर्जी जमीन मालिक बनकर हुई धोखाधड़ी की शिकायत करने पर फर्जी दिलीपसिंह और दलाल मंगलसिंह के खिलाफ 36 लाख की धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू की गई है।

बच्चों के सर्वोत्तम हित में सभी स्टेक होल्डर मिशन मोड में कार्य करें: श्रीमती शर्मा राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष ने बैठक ली

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सोमवार को राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष श्रीमती निवेदिता शर्मा और सदस्य श्रीमती सोनम निनामा ने बैठक लेकर बच्चों के सर्वोत्तम हित में जे. जे. एक्ट नियम निर्देशों के अनुसार समस्त संबंधित विभागीय एजेंसियों, बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड और बाल देखरेख संस्थाओं को हर संभव सफल प्रयास करने के लिए निर्देशित किया। सर्किट हाउस पर आयोजित समीक्षा बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री गुरु प्रसाद पाराशर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री बृजेश त्रिपाठी से प्राप्त जानकारी के अनुसार अध्यक्ष श्रीमती शर्मा द्वारा जिले में संचालित सभी बाल देखरेख संस्थाओं की विस?तार से समीक्षा करते हुए सभी बच्चों के विधिक पुनर्वास, उनके आयुष्मान कार्ड, आधार जैसी समस्त आवश्यक सुविधाएं त्वरित रूप से दिलाए जाने के लिए आदेशित किया। उन?होंने संस्थाओं में नियमित स्वास्थ्य परीक्षण हेल्थ ऑडिट के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक पटेल से आवश्यक कदम उठाने के लिए भी निर्देशित किया।

समीक्षा में अध्यक्ष एवं सदस्य गण द्वारा संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय श्री सतीश सोलंकी के साथ सेवा धाम आश्रम अम्बोदिया में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए समुचित पुनर्वास हेतु कैम्प आदि के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्री त्रिपाठी को टीम आईडीपीएस की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित कराते हुए स्पांसर शिप, फास्टर केयर, आफ्टर केयर के साथ-साथ बाल कल्याण समिति जिला विधिक सहायता अधिकारी पुलिस प्रशासन के सहयोग समन्वय से पाक्सो पीड़ितों को त्वरित समुचित पुनर्वास प्रतिकर न्याय सुलभता हेतु समस्त आवश्यक कदम उठाने के लिए आवश?यक दिशा निर्देश दिए गए।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री गुरु प्रसाद पाराशर द्वारा जिले में पुलिस प्रशासन द्वारा किए जा रहे नवाचारों की जानकारी देते हुए भिक्षा वृत्ति उन्मूलन सहित सुरक्षात्मक प्रबंधों से अवगत कराया गया। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री बृजेश त्रिपाठी ने सिंहस्थ में बच्चों व महिलाओं के लिए खोया पाया केंद्र के महिला बाल विकास विभाग के नवाचार की तैयारियों की भी जानकारी दी ।

समीक्षा बैठक में नशामुक्ति केंद्र, चाईल्ड लाइन, बाल विवाह रोकथाम अभियान सहित विभिन्न बाल हितैषी कार्यों की बिन्दुवार समीक्षा करते हुए जिले में बाल कल्याण हेतु समग्र प्रयासों पर पारस्परिक चर्चा से महत्पूर्ण सुझावों पर भी चर्चा की गई।